kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स
सिर्फ सच

❑ वर्ष-13 ❑ अंक-313 ❑ शुक्रवार, 13 दिसम्बर 2024 ❑ नगर संस्करण ❑ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❑ मूल्य- ₹ 3.00 ❑ पृष्ठ-12

कांग्रेस अमेरिका के विवादास्पद निवेशक जॉर्ज सोरेस और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के संबंधों के मुद्दे से ध्यान भटकने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रही है।
जगत प्रकाश नड्डा

संसदीय परंपरा को तोड़ रहे हैं सभापति : खरगे 11
अनेक भाषाएं, एक भारत : गुरुकुल कांगड़ी में भाषाई विविधता का उत्सव 12

संक्षेप

नवंबर में खुदरा महंगाई में आयी नरमी

नयी दिल्ली। खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी आने से इस वर्ष नवंबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा महंगाई घटकर 5.48 प्रतिशत पर आ गयी जबकि पिछले माह अक्टूबर में यह 6.21 प्रतिशत पर रही थी। जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2023 में यह 5.55 प्रतिशत रही थी। इस तरह खुदरा महंगाई में नवंबर 2023 की तुलना में भी इस वर्ष नवंबर में नरमी देखी गयी है। बयान में कहा गया है कि नवंबर 2024 में ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई 5.95 प्रतिशत और शहरी क्षेत्र में 4.83 प्रतिशत रही है। नवंबर 2024 में खाद्य पदार्थों की खुदरा महंगाई 9.04 प्रतिशत रही है जबकि अक्टूबर 2024 में यह 10.87 प्रतिशत और नवंबर 2023 में 8.70 प्रतिशत रही थी। इसी तरह से ग्रामीण क्षेत्रों में नवंबर में खुदरा महंगाई 9.10 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 8.74 प्रतिशत रही है। अक्टूबर 2024 की तुलना में नवंबर 2024 में फलों, सब्जियों, दाल और उसके उत्पादों, मांस एवं मछली की कीमतों में जहां नरमी आयी वहीं अनाजों एवं उसके उत्पादों, अंडों, दूध एवं उसके उत्पादों, तेल एवं वसा की कीमतों में तेजी रही है।

कांग्रेस ने शुक्रवार, शनिवार के लिए लोकसभा में जारी किया व्हिप

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार तथा शनिवार को संविधान पर हो रही विशेष चर्चा के लिए लोकसभा सदस्यों के लिए व्हिप जारी करके सभी सदस्यों को संसद में मौजूद रहने के लिए कहा है। लोकसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक के सुरेश ने गुरुवार को व्हिप जारी करते हुए कहा कि लोकसभा में 13 तथा 14 दिसम्बर को अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा होनी है और पार्टी के सभी सदस्यों को इस दौरान सदन में मौजूद रहना है। उन्होंने कहा, दोनों दिन सदस्यों को सुबह 11 बजे सदन में पहुंचना है और इस मुद्दे पर हर हाल में पार्टी के 'स्टैंड' के समर्थन के लिए सदन के स्थगित होने तक मौजूद रहना है।

राजनाथ ने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहरायी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'पड़ोसी पहले नीति' के अनुरूप पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को मजबूत बनाने के भारत के इरादे को दोहराया है। नेपाल के सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिगडेल ने गुरूवार को यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। रक्षा मंत्री ने नेपाल सेना की क्षमता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण, नियमित अभ्यास, कार्यशालाओं और सेमिनारों के साथ-साथ रक्षा उपकरणों तथा भंडार की आपूर्ति सहित रक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। श्री सिंह ने दोनों देशों के बीच बेहद मजबूत द्विपक्षीय संबंधों की वर्तमान स्थिति पर भी गहरा संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि करीबी पड़ोसी होने के नाते भारत और नेपाल आपसी चिंता के कई

पूजा स्थल विशेष प्रावधान अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

मंदिर-मस्जिद पर नया मुकदमा-आदेश नहीं

एजेंसी

❑ सुप्रीम कोर्ट पूजा स्थल अधिनियम, 1991 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर करेगा सुनवाई

❑ मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार तथा न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ करेगी सुनवाई

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को एक महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए अगले आदेश तक देश की सभी अदालतों को 1991 के कानून के तहत उपासना स्थलों के सर्वेक्षण समेत राहत दिए जाने के अनुरोध संबंधी किसी भी मुकदमे पर विचार करने और कोई भी प्रभावी अंतरिम या अंतिम आदेश पारित करने से रोक दिया।

प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने यह निर्देश उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 से संबंधित याचिकाओं और प्रतिवाद याचिकाओं पर दिया।

इस संबंधित कानून के अनुसार 15 अगस्त, 1947 को विद्यमान उपासना स्थलों का धार्मिक स्वरूप वैसा ही बना रहेगा, जैसा वह उस दिन था। यह किसी धार्मिक स्थल पर फिर से दावा करने या उसके स्वरूप में बदलाव के लिए वाद दायर करने पर रोक लगाता है। पीठ ने कहा कि उसके अगले आदेश तक कोई नया वाद दायर या पंजीकृत नहीं किया जाएगा और लंबित मामलों में, अदालतें उसके अगले आदेश तक कोई ''प्रभावी अंतरिम या अंतिम आदेश'' पारित नहीं करेंगी। इसने कहा, ''हम 1991 के अधिनियम की शक्तियों, स्वरूप और दायरे की पड़ताल कर रहे हैं।'' पीठ ने अन्य सभी अदालतों से इस मामले में दूर रहने को कहा। हिंदू पक्ष की ओर से पेश हुए कई वकीलों ने आदेश का विरोध करते हुए कहा कि उन्हें सुने बिना आदेश पारित नहीं किया जाना चाहिए। न्यायालय ने केंद्र से इन याचिकाओं पर चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा। न्यायालय ने केंद्र द्वारा याचिकाओं पर जवाब दाखिल किए जाने के बाद संबंधित पक्षों को भी प्रत्युत्तर दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया। पीठ दलीलें पूरी होने के बाद सुनवाई की अनुमति देगी। इस बीच, न्यायालय ने कार्यवाही में हस्तक्षेप करने के अनुरोध वाली मुस्लिम निकायों समेत विभिन्न पक्षों की याचिकाओं को स्वीकार कर लिया। इस संबंध में शीर्ष अदालत में छह याचिकाएं लंबित हैं, जिनमें से एक याचिका अश्विनी उपाध्याय ने दायर की है। उपाध्याय ने उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 की धारा दो, तीन और चार को रद्द किए जाने का अनुरोध किया है। याचिका में दिए गए तर्कों में से एक तर्क यह है कि ये प्रावधान किसी व्यक्ति या धार्मिक समूह के पूजा स्थल पर पुनः दावा करने के न्यायिक समाधान के अधिकार को छीन लेते हैं। पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 किसी भी पूजा स्थल को बदलने पर रोक लगाता है। यह 15 अगस्त, 1947 को जैसी थी, वैसी ही उनकी धार्मिक स्थिति बनाए रखने का आदेश देता है। इसमें इस उद्देश्य से जुड़े या आकस्मिक मुद्दों को संबोधित करने के प्रावधान शामिल हैं। हालांकि, अधिनियम अयोध्या में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद को इससे छूट देता है। अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं ने 15 अगस्त, 1947 की मनमानी और तर्कहीन पूर्वव्यापी कट-ऑफ तिथि की आलोचना की है। उनका तर्क है कि यह कट्टरपंथी-क्रूर आक्रमणकारियों और कानून तोड़ने वालों की ओर से अतिक्रमणों की रक्षा करता है।

आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में दोषी ठहराने के लिए केवल उत्पीड़न पर्याप्त नहीं

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि किसी को आत्महत्या के लिए उकसाने के अपराध में दोषी ठहराने के लिए केवल उत्पीड़न पर्याप्त नहीं है और प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उकसाने के स्पष्ट सबूत होने चाहिए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति ● शेष पेज 11 पर

मंत्रिमंडल ने एक राष्ट्र-एक चुनाव विधेयक को मंजूरी दी

एजेंसी

❑ अगले हफ्ते संसद में लाया जाएगा, पास हुआ तो 2029 तक एक साथ देशभर में चुनाव, विपक्ष ने किया तीखा विरोध

नई दिल्ली। सरकार ने देश में राजनीतिक सुधार की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण निर्णय करते हुए 'एक देश-एक चुनाव' संबंधी विधेयक को मंजूरी दे दी है। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल इस विधेयक को अलोकतांत्रिक और काला कानून बताते हुए सरकार पर हमलावर हो गये हैं।

सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मंत्रिमंडल की गुरुवार को हुई बैठक में इससे संबंधित विधेयक को मंजूरी दी गयी। सूत्रों के अनुसार यह महत्वपूर्ण निर्णय इस संबंध में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित समिति की सिफारिशों के आधार पर किया गया है। कांग्रेस के प्रवक्ता जयराम रमेश ने इस विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस विषय पर पहले ही गत 17 जनवरी को दृढता के साथ अपनी बात रख चुके है और इसके बाद कांग्रेस के दृष्टिकोण में कोई बदलाव नहीं आया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने अलोकतांत्रिक 'एक देश एक चुनाव विधेयक' को मंजूरी दे दी है। इससे क्षेत्रीय दलों की आवाज दबेगी और संघीय व्यवस्था को हानि होगी तथा राजकाज में बाधाएं उत्पन्न होंगी। उन्होंने सभी राजनैतिक दलों से आह्वान किया है कि पूरी ताकत से इसका विरोध करें। कोविंद समिति ने अपनी सिफारिशों में पूरे देश त्रिस्तरीय चुनाव को एक साथ कराने का प्रस्ताव किया था जिसे दो चरणों में लागू करने का सुझाव दिया गया था। पहले चरण में संसद और राज्य विधानसभा चुनाव कराने को सुझाव है और दूसरे चरण में स्थानीय निकाय चुनाव भी साथ-साथ कराने की बात कही गयी थी।

समिति ने देशभर के राजनीतिक दलों और विशेषज्ञों के विचार-विमर्श के आधार पर अपना प्रतिवेदन दिया है। विचार-विमर्श के दौरान भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों ने प्रस्ताव को समर्थन में बातें रखी थी जबकि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने इस तरह के सुझाव का विरोध किया था। कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक, एक देश-एक चुनाव लागू करने के लिए कई राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल घटेगा। जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव 2023 के आखिर में हुए हैं, उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। विधि आयोग के प्रस्ताव पर सभी दल सहमत हुए तो यह 2029 से ही ● शेष पेज 11 पर

बिजली निजीकरण के खिलाफ आज समूचे देश में विरोध सभाएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हुंकार

❑ जनजागरण अभियान के तहत गुरुवार को बिजलीकर्मियों ने की जमकर नारेबाजी ❑ पावर कारपोरेशन प्रबंधन पर ऊर्जानिगमों में औद्योगिक अशांति लानेका आरोप

लखनऊ। पावर कारपोरेशन प्रबंधन द्वारा पूर्वांचल व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के फैसले से आक्रोशित बिजली कर्मी लगातार एकजुटता दिखाने में लगे हुए हैं। गुरुवार को जनजागरण अभियान के तहत निजीकरण के विरोध में जमकर नारेबाजी की। आज 13 दिसंबर शुक्रवार को यूपी में निजीकरण के खिलाफ समूचे देश में विरोध सभाएं की जाएंगी। विरोध सभाओं के आयोजन के माध्यम सेकेंद्र व प्रदेश सरकार के समक्ष अपनी बातें पहुंचाने का काम बिजली कर्मी करेंगे।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के आह्वान पर समस्त ऊर्जानिगमों के तमाम बिजली कर्मचारी और अभियंता 13 दिसंबर को निजीकरण विरोधी दिवस मनाएंगे। कार्यालय अवधि के बाद जनपदों, परियोजनाओं तथा राजधानी लखनऊ में सभाएं करेंगे। संघर्ष समिति ने आरोप लगाया है कि पावर कारपोरेशन प्रबंधन ने अनावश्यक तौर पर निजीकरण का निर्णय लेकर ऊर्जा निगमों में औद्योगिक अशांति का वातावरण बना दिया है। कर्मचारी बिजली व्यवस्था बेहतर बनाने में लगे हुए थे लेकिन अब प्रबंधन इसे पटरी से उतार देने पर तुला हुआ है। संघर्ष समिति के पदाधिकारी राजीव सिंह, जितेन्द्र सिंह गुर्जर, गिरीश पांडेय, महेन्द्र राय, सुहैल आबिद, योगेन्द्र कुमार, एके श्रीवास्तव, केएस रावत, रफीक अहमद, विशम्भर सिंह ने गुरुवार को जारी बयान में कहा है कि उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार के रहते ● शेष पेज 11 पर

प्रधानमंत्री बांग्लादेश के मुद्दे पर संसद में दें बयान : तृणमूल

नयी दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को मांग की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पड़ोसी बांग्लादेश की स्थिति के बारे में संसद में बयान देना चाहिए। तृणमूल नेता डेरेक ओब्रायन ने आज राज्यसभा में व्यवस्था के प्रश्न के नाम पर इस मुद्दे को उठाने का प्रयास किया किंतु सभापति जगदीप धनखड़ ने उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी। उन्हें अनुमति नहीं मिलने पर उच्च सदन में तृणमूल सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी। राज्यसभा में तृणमूल की उपनेता सागरिका घोष ने संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री को इस मुद्दे पर संसद में बयान देना चाहिए। घोष ने कहा, ''संसद का सत्र चालू है, बांग्लादेश की स्थिति को लेकर बहुत ही संवेदनशील मामला है। प्रधानमंत्री को संसद में आना चाहिए और बांग्लादेश के बारे में एक पूर्ण बयान देना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमारे पार्टी नेता डेरेक ओब्रायन ने आज इस मुद्दे को उठाया कि हम बांग्लादेश में लोगों विशेषकर अल्पसंख्यकों को लेकर बहुत चिंतित हैं। घोष ने ● शेष पेज 11 पर

महाकुम्भ में 'हर घर जल गांव' बसाएगी योगी सरकार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

उपलब्धि

❑ महाकुम्भ में 40 हजार स्क्वायर फीट एरिया में शुरू हुई तैयारी - 'जल मंदिर' का भी होगा निर्माण

❑ गांव में होगा पेयजल का समाधान, 51 दिन तक लगेगी प्रदर्शनी

❑ महाकुम्भ में सुनाई जाएगी 'नए भारत के नए यूपी' के 'नए गांवों' की कहानी

प्रयागराज। योगी सरकार महाकुम्भ में 'हर घर जल गांव' बसाएगी। पेयजल का समाधान, मेरे गांव की पहचान थीम पर यह 'गांव' 40 हजार स्क्वायर फीट एरिया में बसेगा। इसमें एक तरफ जहां जल जीवन मिशन बुंदेलखंड में हर घर तक नल से जल पहुंचाने की कहानी सुनाई जाएगी, वहीं दूसरी तरफ महाकुम्भ में नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के नए गांवों की सफलता की दास्तां से भी श्रद्धालु, पर्यटक व कल्पवासी परिचित होंगे। योगी सरकार के मार्गदर्शन में ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग महाकुम्भ में इसकी तैयारी कर रहा है।

51 दिन तक चलेगी प्रदर्शनी, होंगे अलग-अलग कार्यक्रम कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में योगी सरकार के प्रयास से पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। सफलता की इस कहानी को लेकर 'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी 5 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगी। 51 दिन तक चलने वाली प्रदर्शनी में अलग-अलग कार्यक्रम भी होंगे। प्रदर्शनी में बुंदेलखंड के ग्रामीण महिलाओं को मंच मुहैया कराया जाएगा, जिसमें वे बुंदेलखंड में बदलाव की कहानी बयां करेंगी।

बांदा, झांसी, चित्रकूट के जिन गांवों में पानी न होने के कारण शादी नहीं हो पाती थी, वहां भी योगी सरकार ने ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल पहुंचाया। ललितपुर व महोबा के उन गांवों की महिलाएं, पानी ढोने के कारण जिनके सिर से बाल गायब हो गए थे। वे भी डबल इंजन सरकार के अतुलनीय कार्य को महाकुम्भ में शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी को बयां करेंगी। प्रदर्शनी में पांच भाषाओं में मिलेगी जानकारी ललितपुर से सटे मध्य प्रदेश के बॉर्डर के 'बाल विहट' गांव में एक ही कुआं था। इसमें सांप रहते थे, इसके बावजूद यहां के लोग उसी कुएं का पानी पीते थे। मोदी-योगी सरकार ने इस गांव के लोगों को भी शुद्ध पेयजल पहुंचाया। यहां के ग्रामीण भी बदलाव की गाथा बयां करेंगे। महाकुम्भ में देश के विभिन्न राज्यों व हिस्सों से श्रद्धालु, पर्यटक आएंगे। इसलिए प्रदर्शनी में हर जानकारी बहुआयामी भाषाओं में मिलेगी। यहां हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलगू व मराठी में लोग जल जीवन मिशन के माध्यम से बदले यूपी के बारे में ● शेष पेज 11 पर

पीसीएस-प्री की परीक्षा के प्रश्न पत्र किसी भी हाल लीक नहीं होने चाहिए : मुख्य सचिव

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

❑ मुख्य सचिव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग कर दिए निर्देश पीसीएस-प्री की परीक्षा 22 दिसम्बर को प्रस्तावित

लखनऊ। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा है कि 22 दिसंबर को होने वाली पीसीएस-प्री की परीक्षा के प्रश्न पत्र किसी भी हाल लीक नहीं होने चाहिए। इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाये।

पुलिस विभाग, एसटीएफ व एलआईयू अफवाह फैलाने वाले व नकल माफियाओं पर कड़ी नजर रखें। सोशल मीडिया आदि पर अफवाह फैलाने वालों पर सतत निगरानी रखी जाये। परीक्षा की शुचिता प्रभावित करने अथवा अनुचित साधनों का प्रयोग की स्थिति में नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाए। मुख्य सचिव ने गुरुगुवार को राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा-2024 के आयोजन के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से मण्डलायुक्तों, जिलाधिकारियों एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को यह दिशा-निर्देश दिये। मुख्य सचिव नेकहा कि 22 दिसंबर को होनेवाली पीसीएस-प्री की परीक्षा 75 जनपदों में कुल 1331 परीक्षा केन्द्रों पर होगी। परीक्षा को सकुशल नकल विहीन और पारदर्शिता के साथ संपन्न करानेके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी करा ली जाएं। यह भी सुनिश्चित कराया जायेकि परीक्षा में सही अभ्यर्थी बैठे और सही प्रश्न-पत्र परीक्षा केन्द्र पर समय से पहुंचे। किसी भी परीक्षा केन्द्र पर अव्यवस्था नहीं होनी चाहिये। परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरे सहित अन्य उपकरण क्रियाशील होने चाहिये। परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों की क्षमता के अनरुप पर्याप्त फर्नीचर आदि आधारभूत सुविधायें उपलब्ध कराने के साथ ही पर्याप्त दृश्यता के लिए निर्बाध ● शेष पेज 11 पर

प्रधानमंत्री प्रयागराज में 6,670 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे

मां गंगा की पूजा के बाद मोदी परखेंगे कुंभ की तैयारियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को संगम नगरी प्रयागराज में मां गंगा की पूजा अर्चना कर दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम महाकुंभ 2025 के सकुशल संपन्न होने की कामना करेंगे।

श्री मोदी अपने संक्षिप्त दौरे में महाकुंभ की तैयारियों को परखने के साथ ही किए गये कार्यों का लोकार्पण करेंगे वे 6,670 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के अलावा पूजा-अर्चना भी करेंगे तथा महाकुंभ प्रदर्शनी स्थल का भ्रमण करेंगे।। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था की गई है। एयरपोर्ट से लेकर संगम तक का बड़ा क्षेत्रफल नो फ्लाइंग जोन घोषित किया जाएगा। सेना के जल, थल और नभ तीनों कोर सुरक्षा की कमान संभालेंगे। गुरूवार को पंडाल और पूजा के लिए संगम में लगाई जाने वाली जेटी की तैयारियां एसपीजी को सौंप दी गयीं।

बयान में कहा गया कि दोपहर डेढ़ बजे वह महाकुंभ प्रदर्शनी स्थल का भ्रमण करेंगे। पीएमओ ने कहा, ''इसके बाद, दोपहर लगभग 2 बजे वह प्रयागराज में 6,670 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री महाकुंभ 2025 के लिए जिन विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, उनमें प्रयागराज में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और निर्बाध संपर्क प्रदान करने के लिए 10 नए रोड ओवर ब्रिज या फ्लाईओवर, स्थायी घाट और रिवरफ्रंट रोड जैसी विभिन्न रेल और सड़क परियोजनाएं शामिल होंगी। पीएमओ ने कहा कि स्वच्छ और निर्मल गंगा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री, गंगा नदी की ओर जाने वाले छोटे नालों के अवरोधन, दोहन, दिशा परिवर्तन और उपचार की परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे, जिससे नदी में अशोधित जल का कोई निर्वहन नहीं होगा। वह पेयजल और बिजली से संबंधित विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री भारद्वाज ● शेष पेज 11 पर

मोदी के आने से पहले योगी ने परखी महाकुम्भ की तैयारियां

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ 2025 के लिए हजारों करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण करने शुक्रवार को प्रयागराज आ रहे पीएम मोदी के कार्यक्रमों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुरुवार को सीएम योगी प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने महाकुम्भ नगर में चल रही तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान वह संगम नोज भी पहुंचे जहां पीएम मोदी शुक्रवार को पूजन अर्चन करेंगे। उन्होंने यहां पीएम मोदी के भ्रमण की पूरी रूपरेखा को समझा और बिना बाधा कार्यक्रम संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश प्रदान किए। यही नहीं, सीएम योगी ने मेला क्षेत्र में अस्थायी अस्पताल, अक्षय वट, सरस्वती कूप, लेटे हनुमान मंदिर पहुंचकर वहां भी तैयारियों का जायजा लिया। लेटे हनुमान मंदिर में सीएम ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन व दर्शन भी किया। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को पीएम मोदी प्रयागराज में उपस्थित रहेंगे और संगम नोज पर गंगा आरती व पूजन के साथ ही वह यहां जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

सीएम योगी सबसे पहले सेक्टर वन परेड में बनाए गए 100 बेड के अस्थायी अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे। महाकुम्भ 2025 को देखते हुए चिकित्सा परिवार कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा इस अस्थायी अस्पताल का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री ने यहां इमरजेंसी वार्ड, इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू), ओपीडी के साथ ही वेटिंग एरिया, मुख्य वार्ड, फीमेल वार्ड, चिल्ड्रेन वार्ड और ऑपरेशन थिएटर का गहन निरीक्षण किया। वहां मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल में दी जा रही ● शेष पेज 11 पर

अधिशासी अभियंता सहित दो को प्रतिकूल प्रवृष्टि

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। गुरूवार को प्राधिकरण भवन में लखनऊ विकास प्राधिकरण की अध्यक्ष मण्डलायुक्त डॉ रोशन जैकब ने प्राधिकरण भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जन सामान्य की समस्याओं की सुनवाई की। इस मौके पर प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार, सचिव विवेक श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव सोमकमल सीताराम समेत अन्य अधिकारी व अभियंता गण उपस्थित रहे।जनसुनवाई में पहुंची आजमगढ़ के ग्राम-सिकन्दरपुर निवासी अंकिता सिंह ने बताया कि उन्होंने गोमती नगर विस्तार के सेक्टर-4 में स्थित भूखण्ड संख्या-4/620डी के नामांतरण के लिए अप्रैल 2024 में आवेदन किया था। लेकिन कई बार कार्यालय के चक्कर लगाने के बाद भी अभी तक नामांतरण की कार्यवाही नहीं हो पायी है। इस पर मण्डलायुक्त ने सम्बंधित कर्मचारी को मौके पर बुलाकर जवाब तलब किया। संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाने पर उन्होंने कनिष्ठ लिपिक अशोक सिंह को प्रतिकूल प्रवृष्टि देने के आदेश दिये। साथ ही 15 दिन के अंदर नामांतरण की कार्यवाही पूर्ण कराने के निर्देश दिये। इसके अलावा अरूणा सिंह ने प्रार्थना पत्र दिया कि उन्हें कानपुर रोड योजना के सेक्टर-सी-1 में भूखण्ड संख्या एसएस-261 आवंटित हुआ था जिसकी उन्होंने रजिस्ट्री भी करा ली है। लेकिन भूखण्ड व उसके सामने वाली सड़क पर निजी बिल्डर ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। पीड़ित पक्ष ने बताया कि उन्होंने इस मामले की शिकायत पूर्व में नागरिक सुविधा दिवस में भी की थी, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। इस पर उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने अभियंत्रण जोन-2 के अधिशासी अभियंता अजय गोयल से रिपोर्ट तलब की तो पता चला कि टीम मौके पर निरीक्षण करने गयी थी जिसमें अवैध कब्जा होने की बात सामने आयी है लेकिन अभी तक कार्यवाही नहीं की गयी है। इस पर मण्डलायुक्त ने नाराजगी जताते हुए अधिशासी अभियंता अजय गोयल को प्रतिकूल प्रवृष्टि देने के निर्देश दिये। इसके अलावा प्रियदर्शिनी योजना निवासी अजीत कुमार गुप्ता के परिवारीजनों ने सम्पत्ति की रजिस्ट्री के सम्बंध में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वह कई दिनों से अपने कार्य के लिए चक्कर लगा रहे हैं। इसी तरह सीतापुर रोड योजना के सेक्टर-सी निवासी मोहम्मद इरफान और शहाबुद्दीन ने बताया कि लोग रजिस्ट्री व नामांतरण के लिए कई बार आवेदन कर चुके हैं लेकिन काम नहीं हुआ। इस तरह के कई प्रकरण सामने आने पर मण्डलायुक्त ने सम्बंधित कनिष्ठ लिपिक मोहम्मद हाशिम को निलम्बित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में कुल 40 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये जिनमें से 5 प्रकरण नगर निगम व 3 प्रकरण जिला प्रशासन से सम्बंधित थे। प्राधिकरण से सम्बंधित 32 प्रकरणों में से 9 का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। वहीं शेष प्रकरणों में समय सीमा निर्धारित करते हुए सम्बंधित अधिकारी व कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये गये हैं।

विंटर कैंप अभियान चलाएगा इम्का यूपी चैप्टर

लखनऊ। आईआईएमसी एलुमिनाई एसोशिएसन के यूपी चैप्टर की बैठक बृहस्पतिवार को हजरतगंज में सम्पन्न हुई। बैठक में लखनऊ के विभिन्न स्थानों पर विंटर कैंप के माध्यम से जरूरतमंदों में टोपी/मफलर/मोजे बांटने का संकल्प लिया गया। यह अभियान दिसंबर के अंतिम सप्ताह से जनवरी के पहले सप्ताह तक फ्लाईओवर के नीचे रह रहे लोगों के बीच चलाया जाएगा। बैठक में मासिक बैठकों को सुचारू रूप से चलाने और पत्रकारिता में सरोकारी प्रयासों के लिए सामूहिक सक्रियता पर बल दिया गया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा ने कहा कि इम्का यूपी चैप्टर इस वर्ष पर्यावरण, स्वास्थ्य और सड़क दुर्घटना से जुड़े कई जागरूकता अभियानों का हिस्सा रहा है। हर वर्ष की तरह इस बार भी ठंड के महीने में यूपी चैप्टर विंटर कैंप लगाकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाएगा। बैठक में आईआईएमसी एडपीआर 2023-24 की पूर्व छात्रा अदिति कुमारी के निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखकर संवेदना प्रकट किया गया। बैठक में पंकज झा, अंबेडकर सेंट्रल यूनिवर्सिटी के शिव त्रिपाठी, पर्यावरण विशेषज्ञ ऋषि सिंह, अरुण वर्मा, विशाल कसौधन, उत्कर्ष चतुर्वेदी, राघवेंद्र शुक्ल, मोहम्मद तौसीफ अहमद, राजप्रताप, शिवपूजन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

महापौर और विधायक ने पीपे वाले पुल का किया निरीक्षण

रेलिंग लगाने, कमजोर पटरों को बदलने व गैपिंग ठीक करने के निर्देश

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। गुरुवार को महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक डा. नीरज बोरा ने नगर आयुक्त के साथ गोमती नदी स्थित पीपे वाले पुल का स्थलीय निरीक्षण किया। साथ ही पुल के किनारे रेलिंग लगाने, कमजोर पटरों को बदलने और गैपिंग ठीक करने के निर्देश दिए। गुरुवार की सुबह विधायक डा. नीरज बोरा ने फैजुल्लागंज, अलीगंज और जानकीपुरम में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया।

शुरुआत फैजुल्लागंज द्वितीय वार्ड में जुगुल विहार कालोनी से हुई, जहां सतीश मौर्य के घर से मेन रोड को जाने वाली सड़क का शिलान्यास हुआ। इस दौरान विनोद बाजपेई, अमित मौर्य, अनिल मिश्रा, शीलू जायसवाल, गोविंद राजपूत, सुनील मौर्य, संजय द्विवेदी व सुधीर सिंह समेत अन्य मौजूद रहे। वहीं इसके अतिरिक्त अलीगंज वार्ड की चन्द्रलोक कालोनी में नारायणी गर्ल्स हॉस्टल के निकट क्षतिग्रस्त सड़क के जीर्णोद्धार व लेपन कार्य का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर भाजपा मण्डल अध्यक्ष रमन निगम, पार्षद प्रतिनिधि सुदर्शन कटियार, अमरीश चन्द्र, चन्द्रशेखर गुप्ता, विनय सिंह, विकास चौधरी, माला निगम आदि मौजूद रहे। निरंतर हो रहे विकास कार्यों के क्रम में विधायक डा बोरा ने जानकीपुरम के नहर रोड स्थित अविकसित क्षेत्र गणेशपुरम व गौरीपुरम कालोनी में लगभग ढाई किमी नई सीवरलाइन डाले जाने के कार्य की शुरुआत कराई जिससे क्षेत्र के हजारों परिवार लाभान्वित होंगे। इस दौरान सतीश वर्मा, अनुराग साहू, सौरभ त्रिवेदी, राकेश चौहान, जितेन्द्र पांडेय, देवशरण वर्मा, सुधीर श्रीवास्तव, डॉ.आर.एन.सिंह, गया प्रसाद, विजय उपाध्याय, राहुल देव, अजय कुमार, आर.डी.गौतम, सूरज लोधी, अंकुर सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन पर अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने विधानसभा सचिवालय में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि योजनाओं के लिए आवंटित धनराशि का समयबद्ध और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ शीघ्र मिल सके। बैठक के दौरान मंत्री ने शादी अनुदान, छात्रवृत्ति योजनाओं, और कम्प्यूटर प्रशिक्षण (ट्रिपल सी/ओ लेवल) के लाभार्थियों को शीघ्रता से धनराशि हस्तांतरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित आवेदनों का निस्तारण प्राथमिकता पर करने को कहा और यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि योजनाओं का प्रचार-प्रसार गांव-गांव तक पहुंचे। दिव्यांगजन सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देते हुए मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दिव्यांगजनों की समस्याओं का समाधान मोबाइल कोर्ट के माध्यम से किया जाए। साथ ही, दिव्यांगजनों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए अधिक से अधिक टेबलेट का वितरण सुनिश्चित किया जाए। मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि विश्व दिव्यांग दिवस को भव्य रूप से आयोजित किया जाए, ताकि समाज में जागरूकता बढ़ाई जा सके। महाकुंभ 2025 को ध्यान में रखते हुए मंत्री ने कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान दिव्यांगजन और पिछड़ा वर्ग विभाग का शिविर लगाया जाए, जिसमें विभागीय योजनाओं और लाभों की जानकारी दी जाए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि शिविर में अधिक से अधिक दिव्यांगजनों और पिछड़ा वर्ग के लोगों को जोड़कर उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। मंत्री ने स्पष्ट किया कि दिव्यांगजनों की समस्याओं का समाधान समयबद्ध तरीके से होना चाहिए और इसके लिए अधिकारी तत्परता से कार्य करें।

टीबी अस्पताल को मिला नया पीडिया वार्ड

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । ठाकुरगंज में स्थित राजकीय संयुक्त चिकित्सालय (पूर्व टीबी हॉस्पिटल) में गुरुवार को बाल रोग के लिए नव सृजित वार्ड का उद्घाटन किया गया। लखनऊ के उत्तरी क्षेत्र के विधायक डॉ. नीरज बोरा द्वारा इस नव सृजित वार्ड का उद्घाटन किया गया। इस एडवांस पीडियाट्रिक यूनिट का उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना है। और यह अस्पताल के लिए एक महत्वपूर्ण विकासात्मक कदम है। चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एस पी सिंह ने बताया कि इस नवीनीकृत वार्ड में बच्चों के लिए चाइल्ड फ्रेंडली बेड्स, खेलने का क्षेत्र, ब्रेस्टफीडिंग जोन, चाइल्ड फ्रेंडली संगीत, एन बी एस यू यूनिट, पीडिया ओ पी डी, इम्यूनाइजेशन यूनिट और बाल रोग नर्सिंग स्टेशन जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। यह नया वार्ड बच्चों की बेहतर देखभाल के साथ-साथ उनके परिवारों के लिए भी एक आदर्श स्वास्थ्य केंद्र साबित होगा। विधायक डॉ. नीरज बोरा ने इस अवसर पर चिकित्सालय के विकास के लिए डॉ. एस पी सिंह को बधाई दी और कहा कि यह नवसृजित इकाई न केवल बच्चों के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होगी। बल्कि यह समाज में बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता का प्रतीक बनेगी। उन्होंने अस्पताल में बढ़ती सुविधाओं में अपनी भागीदारी देने का आश्वासन भी दिया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद चंद्र बहादुर सिंह, मनीष रस्तोगी, राम औतार कनौजिया, सर्वेश संघर्षी सहित अस्पताल स्टाफ उपस्थित रहे। विधायक ने अस्पताल में शुरू हुए कम्प्यूटरीकृत ओ पी डी पर्चा, मेडिकोलीगल रिपोर्टिंग, एडवांस ई एन टी सर्जरी और नेत्र विभाग सर्जरी की भी सराहना की। यह नवसृजित पीडिया वार्ड बच्चों के स्वास्थ्य-सुधार की दिशा में एक अनोखी पहल है और इसे समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के रूप में देखा जा रहा है।

बिजली चोरों पर छाए संकट के बादल, 9 पर एफ़आईआर

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। गुरुवार को बिजली विभाग के लखनऊ मध्य क्षेत्र के मुख्य अभियंता रवि अग्रवाल के निर्देश पर अपट्रान डिवीजन के अधिशाषी अभियंता कुलदीप श्रीवास्तव व ठाकुरगंज डिवीजन के अधिशाषी अभियंता दीपक कुमार द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में मॉर्निंग रेड अभियान चलाया गया। यह अभियान अति संवेदनशील घनी आबादी वाले क्षेत्र के अन्तर्गत बिजली चोरी रोकने के उद्देश्य से तड़के सुबह चलाया गया था। मुख्य अभियंता रवि अग्रवाल ने बताया की अपट्रान डिवीजन के उपकेंद्र नूरबाड़ी के उपखण्ड अधिकारी अखिलेश यादव ने टीम सहित मॉर्निंग रेड के दौरान फीडर नजफ़, पुराना चबूतरा, नूरबेग के क्षेत्र शीशे वाली गली, नजफ रोड, हाता नूर बेग में लगभग पांच उपभोक्ताओं के कनेक्शन को चेक किया इन पांचों जगह पर अनियमित पाई गई। इसके अलावा ठाकुरगंज डिवीजन के गऊघाट व राधाग्राम उपकेंद्र के उपखंड अधिकारी रामू गुप्ता द्वारा मल्लाही टोला व बर्फ खाना में मॉर्निंग रेड के दौरान 25 उपभोक्ताओं के कनेक्शनों को चेक किया गया जिसमें से 4 उपभोक्ताओं के यहां अनियमित पाई गई। बिजली चोरी करने वाले इन सभी 9 उपभोक्ताओं के ख़िलाफ एंटी पावर थीफ थाने में बिजली चोरी की धारा 135 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कराया गया है और सभी 9 उपभोक्ताओं की लाइट पोल से काट दी गई है। मुख्य अभियंता रवि अग्रवाल का कहना था की बिजली चोरी जब तक पूरी तरह से ख़त्म नहीं हो जाती है तब तक आगे भी इसी तरह से बिजली चोरी के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

प्राचीन संकट मोचन मंदिर में दो दिवसीय मेले का आयोजन

निगोहां, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। निगोहां गांव में स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर से निगोहां कस्बे में हांथी, घोडा, पालकी से आज राम बरात निकाली जाएगी। साथ ही मंदिर परिसर में दो दिवसीय मेले का आयोजन भी होगा। मेला प्रबन्धक लक्ष्मीकांत तिवारी व अशोक कुमार तिवारी ने बताया कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी संकट मोचन हनुमान मंदिर पर शुक्रवार से दो दिनों का आयोजन होगा जिसमे रामलीला व राम बरात का आयोजन किया जाएगा साथ ही देर शाम से भव्य दीपोत्सव, आतिशबाजी ,धनुष यज्ञ, सीता स्वयंवर होगा। शुक्रवार दोपहर से भगवान श्री राम की बरात हनुमान मन्दिर से निकाली जाएगी जिसकी भी पूरी तैयारियां हो चुकी हैं। सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस बल भी मौजूद रहेगा।

तीन दिवसीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता का शुभारम्भ

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। संगीत मिलन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता क्लासिकल वॉयस ऑफ़ इंडिया -2024 के प्रथम दिन का शुभारम्भ मुख्य अतिथि स्वामी मुक्तिनाथानंद एवं निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। शास्त्रीय गायन प्रतियोगिता में अगरतला, कोलकाता, सिलगुड़ी, उत्तरप्रदेश के वाराणसी, फरीदाबाद, अयोध्या, कानपुर एवं लखनऊ से आये 33 युवा प्रतिभागियों ने भाग लिया।

शस्त्र प्रशिक्षण का आयोजन

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। राष्ट्रीय कैडेट कोर के सैन्य प्रशिक्षण के अंतर्गत शस्त्र प्रशिक्षण का आयोजन 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन के संयोजन में कार्यवाहक कमांडिंग ऑफिसर मेजर दिव्या शर्मा की देखरेख में लखनऊ छावनी स्थित फायरिंग रेंज पर किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में बटालियन के अंतर्गत विभिन्न स्कूल-कॉलेज के कैडेट्स ने अभ्यास किया। नवयुग कन्या महाविद्यालय की एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व में 39 कैडेट्स ने फायरिंग का अभ्यास किया। मेजर सोढ़ी के अनुसार एन.सी.सी. में हथियार प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं में आत्मविश्वास तथा साहस की भावना विकसित होती है, जो कि उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस मौके पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफ़ेसर मंजुला उपाध्याय ने सभी कैडेट्स को उज्जवल भविष्य की कामनाएं दीं।

पूजा स्थल अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश स्वागत योग्य : शाहनवाज़ आलम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव शाहनवाज़ आलम ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूजा स्थल अधिनियम पर अगली सुनवाई तक मंदिर-मस्जिद से जुड़े किसी भी नए मुकदमे को दर्ज नहीं करने के आदेश का स्वागत किया है।

शाहनावाज़ आलम ने जारी बयान प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि अगली सुनवाई तक किसी नए मुकदमे को दर्ज करने पर रोक तो ठीक है लेकिन जो मुकदमें इस अधिनियम की अवमानना करते हुए स्वीकार किए गए हैं, उसपर भी सुप्रीम कोर्ट से कार्यवाई की उम्मीद की जा रही थी। क्योंकि पूजा स्थान अधिनियम स्पष्ट तौर से कहता है कि 15 अगस्त 1947 तक पूजा स्थलों का जो भी चरित्र और स्टेटस है वह न केवल यथावत रहेगा बल्कि उसे चैलेंज करने वाली कोई याचिका भी किसी कोर्ट, ऑथोरिटी या ट्रिब्युनल में स्वीकार नहीं की जा सकती। इसका सीधा मतलब हुआ कि मस्जिदों और मज़ारों को मंदिर बताने वाली याचिकाओं का स्वीकार किया जाना ही असंवैधानिक था। शाहनवाज़ आलम ने कहा कि आज की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को चार हफ़्तों में पूजा स्थल अधिनियम पर अपना पक्ष रखने का समय दिया है। जबकि तथ्य यह है कि तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश यू यू ललित के समय से अब इस नोटिस को जोड़ दिया जाए तो आधा दर्जन बार सुप्रीम कोर्ट केंद्र को पूजा स्थल अधिनियम पर उसका पक्ष जानने के लिए नोटिस दे चुकी है। जिसपर केंद्र ने एक बार भी जवाब नहीं दिया है। मोदी सरकार इसपर कोई जवाब इसलिए नहीं देती कि यह अधिनियम संसद द्वारा बनाया गया था जिसका तकनीकी तौर पर समर्थन करना भारत सरकार की मजबूरी है। उन्होंने कहा कि सबसे दुखद तथ्य यह है कि ख़ुद सुप्रीम कोर्ट ने इस अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं को पहले स्वीकार किया और निचली अदालतों के संदिग्ध जजों के सामने भी मस्जिदों को मन्दिर बताने वाली याचिकाएं इस अधिनियम का विरोध करने वाले आरएसएस और भाजपा नेताओं से डलवाई गयीं और उन्हें स्वीकार किया जाता रहा। सबसे अहम कि कोर्ट द्वारा याचिका डालने वालों की मंशा समझने की कोशिश ही नहीं की गयी जबकि यह वाद स्वीकार करने से पहले ज़रूरी होता है। अगर ऐसा किया गया होता तो भाजपा नेता और हेट स्पीच के आरोपी अश्वनी उपाध्याय की इस अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाएं प्रथम दृष्ट्या ही ख़ारिज हो जातीं। शाहनवाज़ आलम ने कहा कि एक रणनीति के तहत भाजपा सरकार इन नोटिसों का जवाब नहीं दे रही थी और दूसरी तरफ अपने कार्यकर्ताओं से याचिकाएं भी डलवा रही थी। इस साज़िश में पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चन्द्रचूड़ ख़ुद भी शामिल थे। शाहनवाज़ आलम ने कहा कि यूपी अल्पसंख्यक कांग्रेस पूजा स्थल अधिनियम की अवमानना पर सुप्रीम कोर्ट के रवैय्ये के खिलाफ़ पूरे प्रदेश से एक लाख पत्र सीजेआई संजीव खन्ना को भेजने का अभियान पिछले 6 दिसंबर से चला रहा है। जिसका समापन 22 दिसंबर को दिल्ली के कंस्टियूशन क्लब में सम्मलन में किया जाएगा।

सड़क हादसे में घायल हुए युवक की इलाज के दौरान मौत

निगोहां, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान गुरुवार को मौत हो गई। बीती 8 दिसम्बर को क्षेत्र के बख्तौरी खेड़ा में बाइक की ठोकर से घायल हो गया था। नगराम थाना क्षेत्र के बल्दीखेडा मजरा निवासी कमालपुर विचलिका निवासी रूपेश का बेटा रूपेश (22) अपने रिश्तेदार हिमांशू के साथ बीती 8 दिसम्बर को कनकहा जा रहा था। उसी दौरान बाइक सवार बख्तौरी खेड़ा निवासी विजय कुमार ने उनकी बाइक में ठोकर मार दिया। परिजन एक निजी अस्पताल में दोनों घायलों का इलाज करा रहे थे, गुरुवार को रूपेश की तबीयत बिगड़ी और मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। दुर्घटना के बाद मृतक के पिता राधेश्याम ने निगोहा थाने में बाइक सवार विजय कुमार निवासी बख्तौरी खेड़ा पर मुकदमा दर्ज कराया था।

8 बीघा अवैध प्लाटिंग पर चला एलडीए का बुलडोजर

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। गुरुवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर प्रवर्तन जोन 2 की टीम ने कार्यवाही करते हुए सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में 8 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया। प्रवर्तन जोन 2 के जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने बताया कि कुबेर, जगन्नाथ, अरूण कुमार निगम व अन्य द्वारा ग्राम-सोनई कजेहरा में लगभग 8 बीघा क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग का कार्य करते हुए अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत कराये बिना की जा रही इस अवैध प्लाटिंग के ख़िलाफ विहित न्यायालय द्वारा ध्वस्तीकरण के आदेश जारी किये गये थे। जिसके चलते सहायक अभियंता राम सागर वर्मा व अवर अभियंता भरत पाण्डेय व प्रमोद कुमार पाण्डेय द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से इस अवैध प्लाटिंग को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया।

कोरांव बस अड्डे पर अवैध डग्गामार वाहनों का बोलबाला

- ❒ जुआरी, शराबी, गजेड़ी का लगता है जमघट
- ❒ पिंक महिला शौचालय मे सुविधा शुल्क लेकर पुरुषो को भी मिलता है अंदर जाने की अनुमति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पंडित महेंद्र कुमार शुक्ला सामाजिक कार्यकर्ता

कोरांव प्रयागराज। एक तरफ सरकार सरकारी बस अड्डा का कायाकल्प व लोगो को आने जाने मे परेशानी न हो इसके लिए जगह जगह पर सरकारी अनुबंधित बसों का संचालन किया जा रहा है बता दे की कोरांव कस्बा मे काफी समय पूर्व सरकारी बसड्डा का निर्माण कराया गया था जिससे बस ख़डी हो सके साथ ही सवारीयों को भी बैठने का समुचित ब्यवस्था कराया गया था लेकीन इस समय सरकारी बसड्डा अपने भाग्य पर आसु बहा रहा है यहां पर सुबह सें लेकर शाम तक शराबी जुवाड़ी गजेड़ी भगेड़ी व अराजकतत्वों का जमावड़ा लगा रहता है जिससे कोई भला आदमी बसड्डा पर नहीं रुकता पूरी बिल्डिंग जर्जर है खिड़की दरवाजा टुटा है रगाई पोताई कई वर्षो सें हुआ ही नहीं है पानी सप्लाई लाइट कनेक्शन नहीं है मुख्य गेट टुटा है ज्यादातर गेट का पार्ट चोर उठा ले गए शौचालय टुटा गंदगी सें पटा पड़ा है अंदर प्राइवेट वाहन खड़ा रहते है एक तरह सें सरकारी बसड्डा प्राइवेट लोगो के कब्जे मे है कैम्पस के अंदर एक सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराया जा रहा था वह भी आधा अधूरा कराकर काम बंद पड़ा है पुरे परिषर व आसपास स्थानीय लोग कूड़ा कचरा फ़ेकते है सफाई कर्मचारी द्वारा मना करने नहीं मानते उल्टा झगड़ा करते है सरकारी बस जब अपने समय पर स्टैंड पर सवारी बैठाने के लिए ख़डी होती है तो प्राइवेट बस आगे खड़ा कर देते है जिससे सरकारी बस पर सवारी न बैठे डर भय के कारण सरकारी बस का कंडेक्टर भी नहीं बोल पाता बसड्डा के बाहर बना महिला निःशुल्क शौचालय केवल महिलाओ के लिए बना है लेकीन 10 रूपये सुविधा शुल्क लेकर पुरुषो को भी अंदर जाने दिया जाता है स्थानीय लोगो ने परिवहन विभाग, आरटीओ विभाग, पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियो का ध्यान आकृस्ट कराने की माँग की है

सरकारी बसड्डा जुवाड़ियों शराबीयो व अराजकतत्वों का अड्डा बन चूका है स्थानीय शासन प्रशासन सें माँग करता हु की इस पर लगाम लगाये जिससे निर्भीक होकर लोग बसड्डा पर ठहर व रुक सके।

एसडीएम ने किया क्रय केंद्र का निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव प्रयागराज। एसडीएम कोरांव आकांक्षा सिंह ने बृहस्पतिवार को कोरांव मे एक ही जगह चल रहे क्रय केन्द्रो का निरीक्षण किया एक क्रय केंद्र के जिम्मेदार नहीँ मिले उनको कागजात के साथ तलब किया गया है।

शेष तीन क्रय केन्द्रो पर जो कमिया पाई गईं उनको दुरुस्त रखने हेतु निर्देशित किया गया फिलहाल किसानो व समाजसेवीयों का आरोप है की जो जांच निरीक्षण किया जा रहा है केवल खानापूर्ति है जिस तरह सें घपला किया जा रहा है यदि ईमानदारी सें जांच किया जाय तो परत दर परत भ्रष्टाचार की कलई खुल सकती है यदि अधिकारी ईमानदारी निष्पक्षता सें काम करने लगे तो आज जो किसान अन्नदाता अपनी धान का उचित मूल्य नहीँ पा रहे उनका अपना हक मीलने लगे लेकीन नीजी ब्यापारी मिलरों के माध्यम सें सेटिंग बनाकर धान क्रय केंद्र पर पहुँचे तौल बिना हुये सीधे मिलरो द्वारा किसान को बुलाकर अंगूठा लगवा कर किसान के खाता मे पैसा भेजवाकर किसान सें 200 सौ रूपये प्रति कुंतल कमीशन लिया जा रहा है जिससे सरकार की छबि धूमिल हो रहा है एक तरफ सरकार जीरोटारलेंस नीति पर काम कर रही है वही दूसरी तरफ इनके जिम्मेदार मातहत ही अपनी जेब भरने मे तुले है एक पुरानी कहावत है टु डाल डाल तो मै पात - पात को चरितार्थ कर रहा कोरांव क्षेत्र मे संचालित हाट व समिति क्रय केंद्र व जिम्मेदार अधिकारी किसानो ने जिलाधिकारी प्रयागराज का ध्यान आकृस्ट कराते हुये जांच कार्रवाही की माँग की है।

जहर खुरानी कर ई-रिक्शा चोरी करने वाले गैंग का पर्दाफाश तीन गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज लखनऊ मोहनलालगंज पुलिस ने सर्विलांस सेल की मदद से जहर खुरानी गैंग का पर्दाफास करते हुए तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनकी निशान देही पर चोरी किए गए तीन ई रिक्शा, 12 बैटरी, मोबाइल फोन, नशीला पदार्थ एवं नगदी बरामद कर उन्हें जेल भेज दिया है। डीसीपी साउथ केशव कुमार ने गुरुवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि बीते 6 दिसंबर को पीड़ित हंसराज निवासी गौतम खेड़ा ने मोहनलालगंज पुलिस को लिखित सूचना देते हुए बताया था कि दो लोग ने मौरावा मोड मोहनलालगंज से ख़ुझौली जाने के लिए मेरा ई रिक्शा किराए पर बुक कराया था वहीं खुजौली जाने के बाद आरोपियों ने ई-रिक्शा करोरा गांव लेकर चलने की बात कही वही रास्ते में एक होटल पर रुक कर आरोपियों ने चाय में नशीला पदार्थ पिला दिया जिसके बाद जब वह बेहोश हो गया तो आरोपी

उसका ई रिक्शा और मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए थे। पीड़ित की सूचना पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घटना के अनावरण के लिए दो टीमों का गठन किया गया था और पुलिस टीम द्वारा सैकड़ो सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद मैन्युअल व टेक्निकल साक्ष्यों के आधार पर गुरुवार को ई-रिक्शा चोरी करने वाले जहर खुरान गैंग का पर्दाफाश करते हुए तीन शातिर अभियुक्त गोसाईगंज लखनऊ निवासी संगम, खुझौली मोहनलालगंज निवासी पंकज, एवं हुलास खेड़ा मोहनलालगंज निवासी संदीप को जब कस्तूरबा गांधी विद्यालय खुझौली गांव के पास से गुरुवार को गिरफ्तार किया गया और जब उनसे कड़ाई से पूछताछ की तो उन्होंने ई रिक्शा समेत दो अन्य ई रिक्शा गैर जनपद से चोरी करने की बात कही पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर उनके कब्जे से तीन ई रिक्शा, 12 बैटरी, एक मोबाइल फोन,?5000 एवं नशीली गोलियां बरामद की। इंस्पेक्टर अमर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त संगम वर्तमान में जेल से पैरोल पर छूट कर आया था और अपने साथ जेल में बंद पुराने सहयोगियों के साथ योजनाबद्ध तरीके से ई-रिक्शा बुक कर उसके साथ घुल मिल जाते थे और फिर नशीला पदार्थ पिलाकर उसके बेहोश होने पर उसे सुनसान स्थान पर उतार कर ई रिक्शा और उसका अन्य सामान भी लेकर फरार हो जाते थे। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों शातिर जहर खुरान चोर है जिनके ऊपर जनपद के अन्य थानों में भी कई मुकदमे दर्ज हैं।

टीबी अस्पताल का नया पीडिया वार्ड: बच्चों के स्वास्थ्य सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

ठाकुरगंज। राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, ठाकुरगंज में बाल रोग के लिए नव सृजित वार्ड का उद्घाटन लखनऊ उत्तर के लोकप्रिय विधायक डॉ. नीरज बोरा द्वारा किया गया। इस एडवांस पीडियाट्रिक यूनिट का उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना है। और यह अस्पताल के लिए एक महत्वपूर्ण विकासात्मक कदम है।

चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एस पी सिंह ने बताया कि इस नवीनीकृत वार्ड में बच्चों के लिए चाइल्ड फ्रेंडली बेड्स, खेलने का क्षेत्र, ब्रेस्टफीडिंग जोन, चाइल्ड फ्रेंडली संगीत, एन बी एस यू यूनिट, पीडिया ओ पी डी, इम्यूनाइजेशन यूनिट और बाल रोग नर्सिंग स्टेशन जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। यह नया वार्ड बच्चों की बेहतर देखभाल के साथ-साथ उनके परिवारों के लिए भी एक आदर्श स्वास्थ्य केंद्र साबित होगा।

विधायक डॉ. नीरज बोरा ने इस अवसर पर चिकित्सालय के विकास के लिए डॉ. एस पी सिंह को बधाई दी और कहा कि यह नवसृजित इकाई न केवल बच्चों के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होगी। बल्कि यह समाज में बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता का प्रतीक बनेगी। उन्होंने अस्पताल में बढ़ती सुविधाओं में अपनी भागीदारी देने का आश्वासन भी दिया।

इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद चंद्र बहादुर सिंह, मनीष रस्तोगी, राम औतार कनौजिया, सर्वेश संघर्षी सहित अस्पताल स्टाफ और मीडिया कर्मी भी उपस्थित रहे। विधायक ने अस्पताल में शुरू हुए कम्प्यूटरीकृत ओ पी डी पर्चा, मेडिकोलीगल रिपोर्टिंग, एडवांस ई एन टी सर्जरी और नेत्र विभाग सर्जरी की भी सराहना की। यह नवसृजित पीडिया वार्ड बच्चों के स्वास्थ्य-सुधार की दिशा में एक अनोखी पहल है और इसे समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के रूप में देखा जा रहा है।

उ0प्र0 सीमेंट व्यापार संघ की बैठक सम्पन्न, व्यापार पर की चर्चा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। गुरुवार को उत्तर प्रदेश सीमेंट व्यापार संघ लखनऊ ईकाई की बैठक रायबरेली रोड स्थित फ़ेमिली बाजार काम्प्लेक्स में सम्पन्न हुई। बैठक में कार्यवाहक अध्यक्ष आकाश अहूजा व वरिष्ठ महामंत्री जिम्मी अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष निर्मल गुप्ता एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष अर्पित जैन समेत प्रदेश अध्यक्ष श्याम मूर्ति गुप्ता शामिल हुए, बैठक में पदाधिकारियों के बीच इसी माह नई इकाई के समस्त पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराने का ऐलान किया गया। इस दौरान जिम्मी अग्रवाल ने माल परिवहन को लेकर विस्तार

से चर्चा किया जिस पर गुड्डू भैया ने सहमति जताई और कहा कि लोहा व्यापार मंडल से मिलकर शीघ्र ही डीसीपी ट्रैफिक से मुलाकात करेंगे सुनवाई न होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से मुलाकात कर अपनी परिवहन में होने वाली समस्याओं से अवगत करायेंगे। प्रदेश अध्यक्ष श्याम मूर्ति गुप्ता ने बताया कि ऐसे में कई डीलरों का टारगेट न पूरा होने पर काफी नुकसान हुआ है। बताया कि दो हजार टन का डीलर इंसेंटिव ले रहा है जबकि 5 हजार टन वाला डीलर शून्य होकर पूंजी खो रहा है। पूंजी में बढ़ोतरी न होने से नये पदाधिकारी यूपी सरकार से मुलाकात कर अपनी बात रखेंगे।

टोकरी टी अंतरराष्ट्रीय टी कंपनियों को देगी टक्कर : शैलेश राय चेयरमैन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

राजधानी । बुधवार को लखनऊ के गोमती नगर स्थित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में बीते दिन बुधवार रात्रि मुख्य अतिथि सूर्यकुमार शुक्ला पूर्व डीजीपी के द्वारा दीप प्रज्वलित करते हुए टोकरी टी का भव्य लॉन्चिंग किया गया। इस अवसर पर आए हुए सभी विशिष्ट अतिथियों ने एक-एक करके दीप प्रज्वलित किया। टोकरी टी की गुणवत्ता और स्वास्थ्यवर्धक विशेषताएं भी बताई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सूर्यकुमार शुक्ला पूर्व डीजीपी ने बताया कि अद्वितीय चाय पीने के अनुभव के लिए आधुनिक स्वाद के साथ प्रामाणिकता का सम्मिश्रण करते हुए उच्चतम गुणवत्ता वाली प्रीमियम चाय प्रदान करना। उत्पादन के हर चरण में, सोर्सिंग से लेकर पैकेजिंग तक, पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को लागू करना, न्यूनतम कार्बन उत्सर्जन सुनिश्चित करना है। आखिर टोकरी

चाय क्यों पिए इसके बारे में शैलेश राय चेयर ने बताया कि गुणवत्ता के प्रति हमारा समर्पण सुनिश्चित करता है कि केवल सर्वश्रेष्ठ ही आपके कप तक पहुंचे, एक बेजोड़ चाय का अनुभव प्रदान करता है जो आत्मा को सुकून देता है और इंद्रियों को ऊपर उठाता है। टोकरी टी की लॉन्चिंग होने से रोजगार के अवसर भी नई पीढ़ियां को प्राप्त होगा। इसी क्रम में व्यापार को बढ़ावा देने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने बताया कि निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देकर और उन्हें टिकाऊ खेती के लिए संसाधन और शिक्षा प्रदान करके स्थानीय चाय उत्पादकों को समर्थन और उत्थान प्रदान करना होगा। तभी टोकर टी की सफलता होगी। टोकरी टी की विशेषता के बारे में इंद्रनेश कुमार सिंह सीईओ ने बताया कि टोकरी चाय की हर घूंट में विलासिता का अनुभव महसूस करेंगे। टोकरी टी में, हम ऐसी प्रीमियम चाय बनाने में गर्व महसूस करते हैं जो गुणवत्ता और परंपरा का सार प्रस्तुत करती है। भारत के बेहतरीन चाय उत्पादक क्षेत्रों के बीच में स्थित, पर्वतीय क्षेत्रों व घाटियों से हाथों द्वारा चुनी गई पत्तियों से शुरू होती है, पहाड़ों की प्राकृतिक जल से संचित चाय की पत्तियों का उत्पादन होता है, जिन्हें प्रकृति द्वारा पोषित किया जाता है और विशेषज्ञ शिल्प कौशल के माध्यम से परिपूर्ण किया जाता है। टोकरी चाय का हर कप शुद्धता, स्वाद और विलासिता का उत्सव है।इसी क्रम में ए.के.चट्टोपाध्याय डॉयरेक्टर ने बताया कि विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त चाय ब्रांड बनना जो शुद्धता, प्रकृति की बेहतरीन चाय की पत्तियों का

टोकरी टि की होगी अनोखी पैकेजिंग, जगह-जगह लगेंगे आउटलेट, ग्राहक ले सकेंगे चलते फिरते चाय का स्वाद : इंद्रनेश कुमार सिंह सीईओ

सार हर घर तक पहुंचाए, साथ ही स्थिरता को बढ़ावा दे और चाय उत्पादक समुदायों को सशक्त बनाए। इस उद्देश्य को लेकर टोकरी टी लॉन्चिंग की गई है। चाय प्रेमियों के लिए एक प्रिय अनुष्ठान बनाना, समृद्ध स्वाद, सुंदर पैकेजिंग और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का संयोजन होगा। टोकरी टी चाय की लॉन्चिंग कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सूर्यकुमार शुक्ला पूर्व डीजीपी यूपी,विशिष्ट अतिथि गोपाल राय राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्व हिंदू रक्षा परिषद एवं केंद्र लोक शिकायत एवं जांच संस्थान लखनऊ, डॉ. सदानंद राय रत्नेश प्रधान, सुभाष राय पूर्व विधायक अंबेडकर नगर, शैलेश राय जयशंकर तिवारी इंद्रनेश कुमार सिंह आदि।

विक्षिप्त महिला को पुलिस ने आशा पुनर्वास केंद्र में दाखिल कराया

मोहनलालगंज लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। परिवार से बिछड़ी हुई विक्षिप्त महिला की चौकीहुलासखेड़ा थाना मोहनलालगंज में भटकते हुए आने की सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए चौकी इंचार्ज हुलासखेड़ा अनूप सिंह और कांस्टेबल दीपक तोमर ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए महिला के बारे में पता करते हुए सब जरूरी चीजें मुहैया करते हुए आशा पुनर्वास केंद्र में दाखिल करवाया और इलाज की प्रक्रिया शुरू करवाया ताकि भटकी हुई महिला अपने परिवार से मिल सके

आज से शुरू होगा दो दिवसीय स्टेट लेवल लिटरेरी, मैनेजमेंट एंड टेक्निकल फ़ेस्ट

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में 13 एवं 14 दिसंबर को डॉ0 अब्दुल कलाम इंटर टेक्निकल यूनिवर्सिटी लिटरेरी, मैनेजमेंट एंड टेक्निकल फ़ेस्ट स्टेट लेवल का आयोजन किया जा रहा है। कुलपति प्रो0 जेपी पाण्डेय के निर्देशन में आयोजित दो दिवसीय फ़ेस्ट में संबद्ध संस्थानों के आठ जोन पर हुए फ़ेस्ट के विजेता छात्र हिस्सा लेंगे। फ़ेस्ट में करीब 240 छात्र प्रतिभाग कर रहे हैं। दो दिनों में विभिन्न तरह के आयोजन होंगे। जिसमें डिक्लेमेशन, बेस्ट शॉट ऑन द स्पॉट, रोबो रेस, जंकयार्ड वार, टर्बो एआई चैलेंज, इनो शोकेश, रोबो सुमो चैलेंज, एडी मैड, रोबो वार, बिजनेस प्लान चैलेंज, डिबेट, इनो क्वेस्ट, ड्रोन फ्लाइंग की प्रतियोगिता होगी। इन आयोजनों के लिए गुरूवार को तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। फ़ेस्ट का संयोजन एसोसिएट डीन डॉ अनुज कुमार शर्मा कर रहे हैं , जबकि समन्वय अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफ़ेसर ओ पी सिंह कर रहे हैं।

नगराम में दो महिला समेत 8 लोगों पर विक्षिप्त को पीटने का आरोप, केस दर्ज

नगराम, लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। गुरुवार को क्षेत्र के एक गांव में बच्चों के बीच हुए विवाद को लेकर महिला समेत आधा दर्जन से अधिक लोगों ने मिलकर एक मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक की लाठी-डंडों से पिटाई कर दी, मामले में पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी है। नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि पालखेड़ा मजरा पतौना की रहने वाली रन्नो देवी पत्नी साहेब दीन ने महिला समेत 8 लोगों पर मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि बच्चों बच्चों में झगड़ा हुआ था जिसको लेकर गुरुवार सुबह गांव के ही विपक्षी अमरसिंह, सनी देवल, रामबरन, शिवा , नेता, मेवालाल साथ में रामलली और सलोनी ने हमारे देवर राधेलाल को पीट-पीटकर घायल कर दिया है।

दो दिवसीय मिनी ओलम्पियाड खो-खो प्रतियोगिता का शुभारम्भ, लखनऊ के विभिन्न स्कूलों ने किया प्रतिभाग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सीबीएसई सहोदया स्कूल समूह के अन्तर्गत चिल्ड्रैन्स एकेडमी कॉलेज मॉल एवेन्यू में दो दिवसीय मिनी ओलम्पियाड खो खो प्रतियोगिता का शुभारम्भ हुआ। जिसमें लखनऊ के विभिन्न स्कूलों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जावेद आलम अध्यक्ष सहोदया लखनऊ के द्वारा गया। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में शिवानी पब्लिक स्कूल ट्रांसपोर्ट नगर, गार्गी राज रॉयल एकेडमी रायबरेली रोड, सेंट एंथोनी पब्लिक स्कूल पारा, एस डी एस एन पब्लिक स्कूल गोमती नगर, जयपुरिया स्कूल कुर्सी रोड, जयपुरिया स्कूल कानपुर रोड, ब्राइटलैंड स्कूल

सीतापुर रोड, एस के डी एकेडमी वृंदावन योजना, जयपुरिया स्कूल बंसल कैम्पस तथा गोयल कैम्पस ब्रांच, एलपीएस वृंदावन योजना व सेन्ट फ्रांसिस मिशन स्कूल तेलीबाग ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता के अन्तर्गत विजयी टीमों में विभिन्न आयु वर्ग में अंडर 14 बालक में चिल्ड्रेन्स अकादमी को प्रथम तथा शिवानी पब्लिक स्कूल को द्वितीय, बालिकाओं में चिल्ड्रेन्स अकादमी को प्रथम तथा जयपुरिया-बंसल कैंपस द्वितीय, अंडर 19 बालकों की टीम में ब्राइटलैंड को प्रथम तथा चिल्ड्रेन्स अकादमी को द्वितीय, बालिकाओं में सेंट फ्रांसिस मिशन को प्रथम एवं एस.डी.एस.एन. पब्लिक स्कूल द्वितीय स्थान पर रहा।

जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज में कैम्प लगाकर 200 छात्रों के खोले गए बचत खाते

नगराम, लखनऊ । नगराम क्षेत्र स्थित जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज में छात्रों की सुविधा के लिए गुरुवार को यूनियन बैंक आफ इंडिया शाखा बहरौली द्वारा कैंप लगाया गया। प्रधानाचार्य अनिल वर्मा ने बताया कि स्कूली बच्चों की स्कॉलरशिप अब सीधे उनके बैंक खातों में आती है , बचत खाता खुलवाने में विद्यार्थियों को बैंक शाखा तक जाना पड़ता था जिससे अनेक प्रकार की कठिनाईयां उनके सम्मुख थीं। गुरुवार को बहरौली स्थित जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज में कैम्प के माध्यम से लगभग 200 छात्रों के बचत खाता खोले गये। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक ओपी चौधरी ने सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना बहुत कम प्रीमियम पर बैंकों में संचालित है जिसके लिए क्रमशः 20 और 436 रुपए का प्रीमियम सालाना है जिसमें दुर्घटना व नेचुरल डेथ होने पर 2 लाख का बीमा रहेगा। यह सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है जिसमें बहुत कम प्रीमियम पर बड़ा लाभ बीमा धारी की मृत्यु के बाद उसके परिवार को प्राप्त होता है।

एमएसएमई एवं परिवहन मंत्री ने बिहार जाकर महाकुम्भ-2025 में आने के लिए दिया निमंत्रण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह एवं एमएसएमई मंत्री राकेश सचान बिहार की राजधानी पटना पहुंचकर विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागम में गरिमामयी उपस्थिति के लिए राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर तथा मुख्यमंत्री नितीश कुमार, विधानसभा अध्यक्ष नन्द किशोर यादव, विधान परिषद सभापति अवधेश नारायण सिंह, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा विजय कुमार सिंह से शिष्टाचार भेंटकर आमंत्रित किया। साथ ही रोड-शो एवं प्रेस कांफ्रेंस कर बिहारवासियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ-2025 में आने का अनुरोध किया। बताया कि महाकुम्भ में लगभग 48 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ पौराणिक काल से आयोजित किया जा रहा है। देश विदेश के श्रद्धालुओं की महाकुम्भ में आस्था की डुबकी लगाने के लिए आकर्षण बना रहता है। राज्य सरकार ने सभी पहलुओं पर गम्भीरता से विचार करते हुए महाकुम्भ के सफल आयोजन की व्यवस्था की है।

भगवत गीता पाठ का हुआ कार्यक्रम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । आज भगवतगीता पाठ कार्यक्रम में प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना उपस्थित रहे और सभी के साथ सामूहिक गीता पाठ का हुआ कार्यक्रम।मंत्री ने गीता पर अपना विचार रखा और मालवीय मिशन के वरिष्ठ सदस्य एवं गीता समिति के संरक्षक प्रभु के गीता प्रेम को सराहा और इस कार्यक्रम में बुलाने के लिए आभार प्रकट करते हुए कहा कि मैं गीता का शिक्षार्थी हूँ गीता के ज्ञान में जितना आप डूबेंगे उतना ही आपको आनंद आयेगा।गीता ज्ञान के माध्यम से कठिन से कठिन पारिस्थितियों का हल व्यक्ति को मिलता है। गीता आपको निष्काम कर्म करने को प्रेरित करती है।जीवन में निष्काम कर्म के माध्यम से व्यक्ति कर्म करते हुए कर्म साधना और योग साधना दोनों कर सकता जिससे उसको कर्मफल की प्राप्ति होती है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से गीता समिति के अध्यक्ष डॉ बृजेश चंद्र , सचिव डॉ धर्मराज संरक्षक प्रभु नारायण, मालवीय मिशन के महामंत्री देवेंद्र स्वरूप, विद्यालय अध्यक्ष देवेंद्र अस्थाना सहित संस्थान के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हिन्दू न कभी खतरे में था और न ही होगा खतरे में : श्याम लाल पाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

काकोरी लखनऊ। काकोरी कन्या इंटर कॉलेज के संस्थापक दिवस एवं विद्यालय के संस्थापक मरहूम शरफ़ ज़मीर अलवी की जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।संस्थापक दिवस काकोरी कन्या इंटर कॉलेज के संस्थापक स्वर्गीय शरफ जमीर अल्वी के जन्म दिवस 12 दिसंबर के रूप में मनाया जाता है।जोकि इस वर्ष उनका 77 वां जन्म दिवस मनाया गया।हर वर्ष कुछ ना कुछ नए कार्यक्रम भी होते आ रहे हैं।इस वर्ष भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ बच्चों के द्वारा बनाई गई विज्ञान प्रदर्शनी और बाल मेले का भी आयोजन हुआ।जिसका फीता काट कर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने किया।स्वर्गीय सरफ जमीर अल्वी जोकि बालिकाओं की शिक्षा के पक्षधर रहे।उन्होंने काकोरी में सर्वप्रथम कन्या इंटर कॉलेज की नीव डाली।उनका मानना था जब तक समाज में बालिकाएं शिक्षित नहीं होंगी तब तक देश और समाज को विकसित नहीं किया

जा सकता।उनकी मृत्यु के बाद विद्यालय का प्रबंधन उनकी पत्नी शबाना अंजुम अल्वी ने बखूबी संभाल रही है। इस विद्यालय की आधारशिला तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के संस्थापक श्रद्धेय नेता मुलायम सिंह यादव ने रखी थी।सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चे बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए कई झांकियां आजकल मंगाई पर दिखाई गई।साथ विपत्ति में हार ना मानकर संघर्ष करने की प्रेरणा देने वाली प्रस्तुत की गई।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने उपस्थित बच्चों एवं अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के लिए उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं देते हुए कहा भाजपा के लोग कहते हैं कि हिन्दू खतरे में हैं जबकि सच्चाई यह है कि हिन्दू ना तो कभी खतरे में और ना ही होगा,खतरे में तो योगी और मोदी है, क्योंकि कि दोनों की ही सरकार खतरे में है,और 2027 में इनकी दोनों ही सरकारें जाना तय है।उन्होंने कहा कि की यूपी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की नहीं तानाशाही और

विद्यालय के संस्थापक दिवस में रहा सपा नेताओं का जमावड़ा

उसकी सरकार की गुंडागर्दी की जीत है।कार्यक्रम को जिलाध्यक्ष जय सिंह जयंत,प्रदेश महासचिव अताउर्रहमान,प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा,प्रदेश सचिव राशिद अली,रूप नारायण यादव,विजयश्री गौतम, जिला महासचिव शब्बीर अहमद खान,पूर्व जिलाध्यक्ष नागेंद्र सिंह यादव,पूर्व विधायक प्रत्याशी सोनू कनौजिया,राजबाला रावत, पूर्व चेयरमैन नजमी खान,टीबी सिंह, भरत यादव, मायाराम वर्मा,खलनायक यादव, सोनीष मौर्य,इब्राहिम मंसूरी, महासचिव इरशाद अहमद गुड्डू,ग्रामीण पत्रकार कल्याण समिति उत्तर प्रदेश के चेयरमैन केसरी राव धारा सिंह यादव, सांसद प्रतिनिधि बचान सिंह यादव,कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रियाज अहमद,स्कूल की प्रधानाचार्य शोमायला अंजुम अल्वी,कोषाध्यक्ष शायन अख्तर अल्वी सहित आदि ने संबोधित किया।साथ ही बच्चों के अभिभावक एवं क्षेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मनरेगा में फर्जी हाजिरी लगाकर प्रधान द्वारा किया जा रहा सरकारी धन का दुरुप्रयोग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

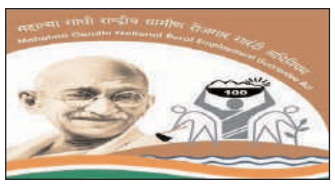

खेल मैदान, पंचायत भवन,व अमृत सरोवर में लगाई जा रही फर्जी हाजिरी

सीतापुर। एक तरफ जहां योगी सरकार भृष्टाचार पर जीरो टारलेस की बात करती हैं वही सीतापुर की तहसील लहरपुर की विकास खण्ड परसेंडी की ग्राम पंचायत चांदपुर में प्रधान किरन देवी व उनके पति चेतराम द्वारा मनरेगा द्वारा संचालित योजनाओं में जमकर भृष्टाचार किया जा रहा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार केस 1- ग्राम पंचायत चांदपुर के प्राथमिक विद्यालय हिलालपुर में मनरेगा द्वारा खेल मैदान बनकर तैयार हो गया है जिसके मटेरियल का दिनांक 15 मार्च 24 को कुल 2783183 रुपये का भुगतान भी हो चुका है।उसके बाद भी उसी कार्य पर फर्जी लेबरी निकालने के लिए दिनांक 11/12/24 को व 12/12/24 को 10-10 लेबरों की ऑनलाइन हाजिरी एमएमएस पोर्टल पर दर्ज की गई है।जिसमे सभी लेबर फर्जी लगाए गए हैं। जबकि मीडिया टीम की पड़ताल में मौक़े पर कोई भी लेबर काम करते हुए नही मिला।और नही वर्तमान में कोई भी काम संचालित हो रहा है।ऑनलाइन हाजिरी में एक मजदूर अनुज कुमार जिसकी डिमांड लगी है वह नगरपालिका खैराबाद में संविदा कर्मी के रूप में काम करता है।और दूसरे लेबर संतराम जोकि पूरा दिन ब्लॉक में बने रहते हैं उनकी भी फर्जी हाजिरी प्रधान द्वारा लगाई गई है। केस 2-ग्राम पंचायत के ग्राम जानीपुर में वीर छत्रपति शिवाजी अमृत सरोवर का निर्माण किया जा रहा था।जिसमे 16 लेबरों की फर्जी ऑनलाइन हाजिरी एमएमएस पोर्टल पर दिनांक 11/12/24 को व 12/11/24 को लगाई गई।जिसमें मीडिया टीम के निरीक्षण में मौके पर एक भी लेबर काम करते हुए नही मिला।

केस-3-ग्राम पंचायत चांदपुर में ही मनरेगा द्वारा बन रहे पंचायत भवन में दिनांक 11/12/24 को व 12/11/24 को 10-10 लेबरों की ऑनलाइन हाजिरी लगाई गई है, जबकि मीडिया टीम की पड़ताल में मौके पर केवल 3 लेबर काम करते हुए मिले, वह भी लेबर ग्राम पंचायत के निवासी नही थे,ठेकेदार द्वारा भेजे गए लेबर थे।पंचायत भवन के निर्माण कार्य मे लग रही सामग्री व ईंटा मानक विहीन व पीला व तरावा थी।पीला ईंट व घटिया सामग्री से बन रहे पंचायत भवन की लाइफ क्या होगी यह भी सवाल उठता है।ग्राम पंचायत में मनरेगा द्वारा संचालित सभी कार्यों में प्रधान द्वारा लगातार फर्जी हाजिरी लगाई जा रही है। जिससे यह साफ-साफ प्रतीत होता है कि सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं में किस तरह से जिम्मेदारों द्वारा सरकारी धन के दुरुपयोग करने के लिए फर्जी हाजिरी लगाई जा रही हैं। ग्रामीण हिलालपुर के ग्रामीण रामकिशुन व भगौती,दम्मा महेश राजपूत आदि ने बताया कि खेल मैदान में वर्तमान में कोई भी कार्य नही हो रहा है। इस सम्बंध में खण्ड विकास अधिकारी परसेंडी धनन्जय सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि प्रधान, सचिव को नोटिस जारी करके स्पस्टीकरण मांगा गया है,उचित कार्यवाही की जाएगी।

राजनीति बनी प्राइवेट अस्पताल का काल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

राजनैतिक इशारे पर बंद व खोले जाते हैं प्राइवेट हॉस्पिटल।

सीतापुर। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिश्रिख क्षेत्र में राजनैतिक इशारे पर अस्पताल खोले व बंद किए जाते हैं

आपको बता दें लोकसभा चुनाव के बाद राजनैतिक इसारे पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक राजनैतिक इशारों पर हॉस्पिटलों पर छापामारी करते हैं जिसके बाद राजनैतिक संरक्षण के बाद अस्पताल खोला जाता है बस शर्त यह होती है कि सभी गड़बड़ हो या सही जांच मेरे यहाँ होंगी. ज़ब की अल्ट्रासाउंड सेंटर व पैथोलॉजी में ना तो डॉक्टर है ना ही कोई एल टी हैं भगवान भरोसे से रिपोर्टिंग की जाती है।

क्षेत्र की जनता ने नाम न छापने की शर्त पे कहा की पहली बार किसी जनप्रतिनिधि द्वारा ऐसा कृत किया जा रहा है

अब सवाल यह खड़ा होता है कि जिस जनता ने जनप्रतिनिधि को अपनी वोट देकर जाते अब उन्हीं की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं माननीय क्या इस समस्या का समाधान जिला अधिकारी व मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पास है यह सवाल आम जन मानस के बीच में बना हुआ है प्राइवेट अस्पताल वाले भय के साए में जीवन यापन कर रहे हैं कि माननीय जी कब नाराज हो जाये तो अस्पताल कब बंद हो जाए यह कहा नहीं जा सकता है राजनैतिक क्रियाकलाप उनके लिए काल साबित हो रही है।

शाहमहोली चौकी के उप निरीक्षक ने बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। कोतवाली देहात के अंतर्गत चौकी शाहमहोली में तैनात उपनिरीक्षक ने प्राथमिक विद्यालय शाहमहोली के लगभग दो सैकड़ा बच्चों के साथ अपना जन्मदिन धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका स्मृति अवस्थी के द्वारा पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र दे कर जन्मदिवस की बधाई दी गयी। बताते चलें कोतवाली देहात क्षेत्र की चौकी शाहमहोली में तैनात उपनिरीक्षक हरिशचंद्र यादव ने अपना जन्मदिन शाहमहोली के प्राथमिक विद्यालय के नौनिहाल बच्चों के साथ केक काटकर मनाया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय में मौजूद बच्चों को कॉपी कलम रबर पेंसिल आदि

दे कर केक खिला कर मुह मीठा कराते हुए मन लगा कर पढ़ने व भविष्य में देश की सेवा करने के लिए प्ररित किया। जिसके चलते बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

लखनऊ में आयोजित गीता जयंती समारोह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसवां -सीतापुर । जनपद सीतापुर के वरिष्ठ साहित्यकार साहित्य भूषण कमलेश मौर्य मृदु ने लखनऊ में आयोजित गीता जयंती समारोह में अपने संबोधन से उपस्थित लोगों के हृदय को झकझोर दिया। वक्तव्य का प्रारंभ करते हुए उन्होंने भगवतगीता की महिमा को रेखांकित करते हुए कहा भक्ति का ज्ञान का कर्म का धर्म का मर्म सिखाती वो सार है गीता।

जीवन में कर्तव्य का बोध कराने का क्रांति विचार है गीता। सज्जन शक्तियों का परित्राण व दुष्ट जनों का सँहार है गीता। गीता न केवल पुस्तक है 'मृदु', कृष्ण का ग्रंथावतार है गीता।। उन्होंने कहा कि आज समूचा देश व हमारी सनातन हिंदू संस्कृति संसार भर की दुष्ट दानवी शक्तियों के निशाने पर है और हमारा हिन्दू समाज जाति वर्ग वर्ण दल भाषा प्रान्तवाद के मोह व अहंकार से ग्रस्त अर्जुन की तरह किंकर्तव्यविमूढ़ है। ऐसे में गीता ज्ञान ही हमारे समाज को कर्तव्योन्मुख कर हमें बचा सकता है। उन्होंने भगवान कृष्ण के जीवन की विसंगतियों व संघर्ष मत परिस्थितियों की काव्यात्मक चर्चा करते हुए कहा, विपरीत परिस्थितियों से परिपूरित जीवन पर कैसा विस्मय था। हे योगीराज कृष्ण फिर भी तू लीलामय था रसमय था। जूझते विषम परिस्थितियों में भी जिनका जीवन रसमय बीता। उनके ही जीवन के अनुभव का 'मृदु' निचोड़ है यह गीता।। श्री मृदु ने श्रीकृष्णा जन्म भूमि की मुक्ति हेतु आह्वान करते हुए कहा, जिनके जन्मोत्सव पर झांकियां सजा करते हम वाह वाह। उनके पावन जन्मस्थल को अपवित्र कर रहा ईदगाह।। वह ईदगाह अपमान कर रहा पूरी हिन्दू जाती का है। वह ईदगाह भारत के मस्तक पर कलंक का टीका है।। हे पार्थ उठाओ गांडीव हिन्दू जन फिर से होश करो। जन्मस्थल मुक्त कराने को फिर पांचजन्य उद्घोष करो।।इसके अतिरिक्त अन्य विद्वान वक्ताओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े मार्मिक प्रसंग प्रस्तुत करते हुए गीता उपदेशों की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। संयोजक रमेश त्रिपाठी ने श्रीमद्भागवत गीता की महत्ता को उधृत करते हुए अतिथियों व श्रोताओं का स्वागत किया। इस अवसर मा. उच्च न्यायालय के अधिवक्ता लल्ला सिंह मौर्य, समाजसेवी जे पी वर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता अवधेश प्रताप सिंह , दीपू चौहान सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

नहरों में नहीं पानी कैसे हो किसानों के खेतों में सिंचाई-आजाद अधिकार सेना

सीतापुर।आजाद अधिकार सेना सीतापुर के जिला अध्यक्ष नवल किशोर मिश्रा ने ई-मेल के माध्यम से मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक पत्र लिखकर मांग की गई है कि एक तरफ सरकार किसानों की आय बढ़ाने की बात कर रहीं हैं दूसरी तरफ किसानों को समय से पानी खाद फसलों का सरकारी मूल्य नहीं मिल रहा है बिचौलियों की पर्चियां आ रही है और छोटे काश्तकारों के खेतों का गन्ना सर्वे में रकबा छोड़ दिया गया है। मधवापुर के श्रीकांत तिवारी गद्दीपुर बहादुरपुर काशी राम नरेश नवल किशोर का रकबा ही छोड़ दिया गया है।माह दिसंबर आधा समाप्त होने को है पलेवा के समय भी नहरों में पानी नहीं मिल पाया जिससे महंगी सिंचाई से खेतों को सीचना पड़ा अब रवि की फसलों की बुवाई होने के बाद प्रथम सिंचाई का समय आ गया परंतु इस बार नहरों में पानी नहीं आया जिससे किसानों को प्राइवेट समरसेबुल वालों से खेतों की सिंचाई करनी पड़ रही है। उत्तर प्रदेश सरकार को एक पत्र लिखकर मांग की गई है कि किसानों की रवि की फसलों की सिंचाई हेतु नहरों में अभिलम्ब पानी छोड़ा जाए तथा सिल्ट सफाई में हुई देरी के लिए कौन जिम्मेदार है इसकी जांच कराई जाए दोषियों को दंडित किया जाए आज किसानों के साथ जो अन्याय हो रहा है उसमें जो भी दोषी हो उसको कड़ा दंड दिया जाए। गेहूं की फसलों की सिंचाई का समय हो चुका है परंतु अभी तक सीतापुर में किसी नहर में पानी नहीं छोड़ा गया है। जिससे किसानों के खेतों की सिंचाई हों सकें।

अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल संस्थापक अध्यक्ष प्रवीण भाई तोगड़िया जी के लहरपुर आगमन पर स्वागत कर जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित की गई

लहरपुर सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता । आपको बताते चले की लहरपुर चुंगी गेट पर बजरंग दल के सैकड़ो कार्यकर्ता सुबह से ही स्वागत समारोह के लिए खड़े हुए थे वहीं पुलिस बल भी चप्पे चप्पे पे पर मौजूद रहा वही बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने भव्य तरीके से उनका फूल माला पहनकर उनका स्वागत अभिनंदन किया इस मौके पर मुख्य रूप से स्वागत की तैयारी में.जय वर्मा बजरंगी जिला उपाध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल, डॉध सोमेश प्रताप तिवारी जी, विजय जी, रोहित जी, सतीश जी, सीनू जी, सुधाकर जी, सुधीर जी, कृपा शंकर जी, ऋतिक जी, करुणाशंकर जी, सर्वेश जी, नीरज कश्यप राजकिशोर जी सैकड़ों कार्यकर्ता राष्ट्रीय बजरंग दल व हिन्दू भाई उपस्थिति रहे ।

सो रहे कानून के रखवाले,ओवर लोड फर्राटे भर रहे ट्रक वाले

बेहटा,सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। गन्ना पिराई सत्र चालू हुए कुछ ही समय बीता है जनपद में विभिन्न जगहों परआधा दर्जन के लगभग जाने जा चुकी हैं तंबौर, लहरपुर सीतापुर रोड पर हरगांव चीनी मिल के क्रय केंद्रों से इन दिनों गन्ना ट्रक बिना किसी झिझक रोड पर फर्राटे भरते नजर आ रहे हैं पता नहीं कब संतुलन बिगड़ने पर किस राहगीर की जान का सौदा कर डाले आखिर जिम्मेदार क्यों मौन बैठे हैं क्यों इन पर नहीं लगाया जा रहा अंकुश क्यों नहीं की जा रही कार्यवाही यदि इन पर नहीं लगाया गया अंकुश तो पूरे गन्ना पिराई सत्र में इनकी मनमानी से पता नहीं कितने मासूमों की जाने जाएगी पता नहीं कितने परिवारों के दीपक बुझ जाएंगे

अवैध शस्त्र सहित 02 अभियुक्त गिरफ्तार

सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। पुलिस अधीक्षक सीतापुर चक्रेश मिश्र द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने हेतु अपराध की रोकथाम एवम् आपराधिक कृत्यों में लिप्त अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये गये है । उक्त दिये गये निर्देशों के अनुपालन के क्रम में क्षेत्राधिकारी नगर अमन कुमार सिंह के निकट पर्यवेक्षण में थाना खैराबाद पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान 02 अभियुक्त 1.कृष्णा पत्र रामगोपाल निवासी कनायतपुर थाना खैराबाद जनपद सीतापुर 2. जसवंत पुत्र शिवशंकर निवासी ग्रा0 कनायतपुर थाना खैराबाद जनपद सीतापुर को राधेलाल चौराहे के पास से गिरफ्तार किया गया है जिनसे क्रमशः एक-एक अदद अवैध नाजायज तमंचा व एक-एक अदद कारतूस 315 व 12 बोर बरामद हुआ है। बरामदगी के सम्बन्ध में मु0अ0सं0523/24, 524/24 धारा 25(1-3) आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्तगण उपरोक्त का चालान मा0 न्यायालय किया गया है ।

सकरन में बगैर ग्राम संसद सदस्यों के प्रधानमंत्री बन चुके प्रधान ने अवैध विकास की लिख डाली पटकथा

सकरन(सीतापुर) कैनविज टाइम्स संवाददाता । अभी अपने कारनामों से कलंकित हो चुकी सकरन ने अपने दमन पर लगे भ्रष्टाचार के काले छीटों को साफ भी नहीं कर पाई थी कि क्षेत्र की ग्राम पंचायत कंकरकुई में ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव ने भ्रष्टाचार की लिख डाली एक और इबारत। ग्राम संसद के सदस्यों से छुप छुपाकर बना डाली गई फर्जी कार्ययोजना जिसके आधार पर पञ्चायत में मनमाने तरीक़ेसे मानकविहीन नाली व इंटरलॉकिंग निर्माण का काम कर दिया गया जारी। ग्राम पंचायत सदस्यों ने ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव पर आरोप लगाते हुए बताया कि ग्राम पंचायत में बगैर किसी बैठक के फर्जी तरीके से बगैर कार्ययोजना बनाए ही ग्राम निधि को मनमाने तरीके से निजस्वार्थ के चलते कर रहे बर्बाद। सदस्यों ने ये भी बताया कि पूर्व वर्षों में ग्राम प्रधान का विवाह हो जाने के उपरांत वह ससुराल चली गईं तब से लेकर आज तक न कोई बैठक हुई है और न ही कोई कार्ययोजना ही बनी है,ग्राम पंचायत की समूची अवाम अपने हालात पर जीने को मजबूर है जिसको लेकर एफिडेविट के साथ जिलाधिकारी सीतापुर को स्थिति से अवगत करवाया जा चुका है फिर भी गुपचुप तरीके से ग्राम विकास निधि को लूटने के लिए ग्राम प्रधान प्रेमा देवी व पंचायत सचिव विनय कुमार लोधी ने मानकविहीन नाली व इंटरलॉकिंग का काम जारी करवा दिया। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर उसकी हठधर्मिता का आरोप लगाते हुए बताया कि विकास कार्य छोड़ एक अदद परिवार रजिस्टर की नकल के लिए दर दर भटकने को मजबूर ग्रामीणों के दर्द को नहीं सुन रहे उच्चाधिकारी फिर भी ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान की उपस्थिति व खुली बैठक के बगैर मानकविहीन कार्य हैं जारी।

मानवाधिकार दिवस पर निकाली गई जागरूकता रैली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन के मुख्य संरक्षक व समाज सेवी अमेरिकी बिजनेसमैन सुशील मिश्रा के मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज मिश्रा के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में महिला उत्पीड़न,श्रमिकों का शोषण,घूसखोरी बाल अधिकार पर रैली निकाली गई।अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन के मुख्य संरक्षक समाज सेवी सुशील मिश्रा और राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज मिश्रा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर श्रमिक शोषण, महिलाओं का उत्पीड़न,बाल उत्पीड़न और उनके अधिकारों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उत्तर के कई जनपदों में रैली निकाली गई है।इसका उद्देश्य कि समाज में श्रमिकों महिलाओं और बच्चों के अधिकार के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उसके होने वाले अपराध को लाभ पहुंचाना है।वही संगठन के मुख्य संरक्षक समाज से भी सुशील मिश्रा ने कहा कि भारत में मानवाधिकारों की मान्यता देश के संविधान से जुड़ी है।जो मानवाधिकार की अवधारणा को वास्तविकता में परिवर्तित करने के लिए प्रेरित करता है।वही संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज मिश्रा ने कहा कि संविधान में बाल अधिकार को जिम्मेदार बनाने के लिए संविधान के विभिन्न संकायों में कानून को नियुक्त किया गया है।वही समाज सेवी सुशील मिश्रा ने कहा कि महिला उत्पीड़न और बाल अधिकार को सफल बनाने के लिए सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं और संगठनों द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है।इसके बावजूद भी समाज में महिलाओं का उत्पीड़न और बाल अधि कार का हनन देखने को मिल रहा है वही बाल अधि कारिता को सूचीबद्ध करने के लिए आम नागरिकों की सहायता से मिल सकते हैं।इसलिए बाल अधिकार का हनन जहां देखें उनके विरोधी आवाज़ वाले नारे।जाग रूकता रैली सीतापुर के विभिन्न चौराहे से होते हुए खैराबाद, लहरपुर, ककराही में आकर संपन्न हुई है।रैली में अनूप मिश्रा और राज सिंह (पदमपुरी) प्रदेश महासचिव,ललित वर्मा (हरिओम) प्रदेश मंत्री दिनेश तिवारी मीडिया प्रभारी, नीरज मिश्रा,दीपक मिश्रा,अजय कसौधन,अमित सिंह, श्याम फुल तिवारी, विवेक मिश्रा,अरविन्द पाण्डेय, सीमा सिंह,आरती मिश्रा समेत अन्य लोग शामिल हुए।

मोतीगंज थाना क्षेत्र में भट्ठा मालिक नियमों को दर किनार कर खुलेआम किया जा रहा मिट्टी खनन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । जिले के मोतीगंज थाना क्षेत्र में किसानों के नाम से गलत तथ्य बताकर ईंट भट्ठा मालिकान खुलेआम मिट्टी खनन करके अपने भट्ठों पर पहाड़ जैसी चट्टान बना रहे हैं।उत्तर प्रदेश कि योगी सरकार ने किसानों के लिए एक खेत की मिट्टी निकालकर दूसरे खेत में डालने के लिए अनुमति में छूट दी है यह खनन एक फुट से दो फुट के लिए निर्धारित था मगर इलाके के भट्ठा मालिकों दो फुट से पांच फुट तक मिट्टी निकाल रहे हैं।एक खेत में इतनी गहराई से मिट्टी निकाल रहे पास के खेत पूरी तरह खराब हो रहे हैं और गड्ढे बनाकर तालाब में तब्दील हो रहे हैं।वही सिचाई करने में पास के खेत वाले किसानों के लिए मुसीबत खड़ी कर देते हैं।यह खनन बराबर मोतीगंज थाना क्षेत्र के पीछे बेसहूँपुर मजरा (मध्य पुर) गाँव के पास दिनदहाड़े होता है और जेसीबी मशीन से खुदाई करते हैं यदि इनके पास अनुमति प्रमाण है तो क्या उपजाऊ खेत को तालाब

बनाने के लिए खुली छूट दे दी गई है ? वही जेसीबी मशीन से खुदाई करीब एक बीघे खेत में की गई है।खनन वाला खेत तालाब के समान और पास के खेत वाले किसान खेतों में सिचाई से लेकर प्रत्येक समस्या खड़ी हो गई है।इस संदर्भ में ज़ब दूरभाष पर गोंडा खनन अधिकारी से फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि किसकी मिट्टी को दी जा रही है किसी भट्टे वाली की पता करो किसकी मिट्टी खोदी जा रही है हमें नहीं पता है किसकी मिट्टी को दी जा रही है पता करके हमें बताओ की भट्टे वाले की खोदी जा रही कि किसी और की उसके बाद फोन कट जाता है उसके बाद दोबारा खनन अधिकारी का फोन आता है और कहां जाता है कि मोतीगंज थाना प्रभारी को बता दिया गया है।अभी वह जाकर देखती है कि कैसे मिट्टी खनन हो रहा है।

11 वांछित/वारण्टी गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनरऊ । पुलिस अधीक्षक सीतापुर चक्रेश मिश्र द्वारा गंभीर अपराधो में संलिप्त अपराधियों की शीघ्रातिशीघ्र गिरफ्तारी के लिये टीम गठित कर निर्देश दिये गये हैं। उक्त निर्देश के क्रम में संबंधित क्षेत्राधिकारीगण के निकट पर्यवेक्षण थाना थानगांव, मछरेहटा, संदना, सिधौली व हरगांव की पुलिस टीमों द्वारा मा. न्यायालय में प्रचलित वाद व थानें पर पंजीकृत अभियोग से संबंधित कुल 11 वांछित/वारण्टियों को गिरफ्तार किया गया है। विवरण निम्नवत है- थाना थानगांव पुलिस द्वारा 04 वारण्टी गिरफ्तार- थाना थानगांव पुलिस टीम द्वारा अ0सं0 221/17 में वारण्टी अभियुक्त 1. रंजीत पुत्र अवधराम नि0 चन्दौली थाना थानगांव जनपद सीतापुर,अ0सं0 96/2003 में वारंटी 2. सिद्धराम पुत्र मिड्डी गोस्वामी नि0 मढई म0 कोदौरा थाना थानगां व जनपद सीतापुर तथा अ0सं0 145/14 में वारंटी 3. पुत्तीलाल पुत्र पेमन नि0 चिरैया थाना थानगांव जनपद सीतापुर 4. मुन्नी देबी पत्नी पुत्तीलाल नि0 चिरैया थाना थानगांव जनपद सीतापुर को गिरफ्तार कर चालान माननीय न्यायालय किया गया। थाना मछरेहटा पुलिस द्वारा वांछित गिरफ्तार- थाना मछरेहटा पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 149/24 धारा 368 भादवि व 16/17 पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त सूरज पुत्र रमेश निवासी ग्राम बरबटपुर थाना संदना जनपद सीतापुर को गिरफ्तार कर चालान माननीय न्यायालय किया गया। थाना संदना पुलिस द्वारा 02 वारण्टी गिरफ्तार- थाना संदना पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 271/2009 में वारंटी टीकाराम पुत्र गयादीन 2. राजपाल पुत्र गयादीन नि0 गण पथरहिया थाना संदना जनपद सीतापुर को गिरफ्तार कर चालान माननीय न्यायालय किया गया। थाना सिधौली पुलिस द्वारा वांछित गिरफ्तार- थाना सिधौली पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 315/24 धारा 80/85 बीएनएस व 3/4 डीपी एक्ट में वांछित अभियुक्त रूबियान पुत्र जाबिर निवासी ग्राम विशुनदासपुर थाना सिधौली सीतापुर को गिरफ्तार कर चालान माननीय न्यायालय किया गया। थाना हरगांव पुलिस द्वारा 03 वारण्टी गिरफ्तार- थाना हरगांव पुलिस टीम द्वारा अपराध सं.100/15 में वारंटी 1.हरिकरन पासी पुत्र चुगुल नि.मुद्रासन थाना हरगांव सीतापुर सीतापुर, अपराध सं. 422/17 में वारंटी राजकुमार सिंह पुत्र फौजदार सिंह नि.अंगेठा थाना हरगांव सीतापुर तथा अपराध सं. 280/13 में वारंटी सुभाष पुत्र रामकुमार सिंह नि.अंगेठा थाना हरगांव सीतापुर को गिरफ्तार कर चालान माननीय न्यायालय किया गया।

हिस्सेदारी का किरदार निभा रहा ब्लॉक बेहटा का मनरेगा डिपार्टमेंट, भ्रष्टाचार में एक दूसरे का पूरक बना मनरेगा सिस्टम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कागजों पर हो रहा काम, भरे जा रहे फर्जी मस्टर रोल, कमरों में बैठकर तकनीकी सहायक बिना भौतिक सत्यापन के कर रहे एम, बी

बेहटा, सीतापुर । सूत्रों की माने तो ब्लाकों में मनरेगा सार्वजनिक विकास का नहीं अपितु निजी विकास का जरिया बन गया हैं भ्रष्टाचार को अंजाम देने में पूरे मनरेगा डिपार्टमेंट की संलिप्तता नजर आ रही है जिसका जीता जागता उदाहरण खबरें प्रकाशित होने के बावजूद भी जिम्मेदारों के कानों में जू तक नहीं रेगती उदाहरणार्थ 1,ब्लॉक बेहटा मे मनरेगा बना सचिव मेट व रोजगार सेवक की आय का जरिया समूचे ब्लॉक में मनरेगा जांच का विषय 2 ,बेहटा ब्लॉक में कागज पर दौड़ रही मनरेगा की रेल जिम्मेदार खेल रहे आंख मिचौली का खेल 3, बेहटा ब्लॉक की ग्राम पंचायतों में रुकने का नाम ही नहीं ले रहा मनरेगा का फर्जी बाड़ा आदि विभिन्न शीर्षकों से कैनविज टाइम्स राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक पेपर से प्रकाशित खबरों का प्रकाशन होने के बावजूद भी संज्ञान न लेना एक प्रश्न चिन्ह बना हुआ हैं जिम्मेदार जान बुझ कर अंजान बने हुए हैं मनरेगा के अतिरिक्त पंचायत स्तर पर राज वित्त ,व अन्य मद से कराए गए विभिन्न विकास कार्य सिर्फ कागजों तक ही सीमित हैं आखिर महात्मा गांधी गारंटी योजना को कब तक दफनाया जाता रहेगा कमीशन वेश पर बिना काम के हो रहे भुगतान से वास्तविक श्रमिकों को इसका दंश झेलना पड़ रहा है उनके बच्चों के मुह से निवाला छीनता नजर आ रहा है गांव का श्रमिक शहर व नगरों,महानगरों को प्रस्थान करने के लिए विवश हैं ।

बुद्धनगरी में बेखौफ चल रहा है देह व्यापार का कारोबार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। सूबे की योगी सरकार और उनकी सरकारी मशीनरी जहा भगवान बुद्ध की परिनिर्वाण स्थली को अन्तर्राष्ट्रीय फलक पर पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने के लिए भागीरथ प्रयास कर रही है वही यहां के कुछ मनबढ लोग देह व्यापार के अनैतिक कारोबार को बढावा देकर कुशीनगर के नाम को कलंकित करने मे जुटे हुए है। चर्चा-ए-सरेआम है कि गंदा है पर धंधा है के तर्ज पर हाइवे के किनारे संचालित रेस्टोरेंट व होटल देह व्यापार के अवैध कारोबार का मुख्य केंद्र बना हुआ है। ऐसा नही है कि पुलिस समाज को दूषित करने वाले इस अवैध कारोबार को संचालित करने वाले कारोबारियों से अनभिज्ञ है बल्कि कहने वाले कहते है कि इस धंधा मे लिप्त कारोबारी यहां के स्थानीय पुलिस के संरक्षण मे ही डंका की चोट पर जिस्मफरोशी के कारोबार चार चांद लगा रहे है। यही वजह है कि इन अवैध कारोबारियों के हौसले बुलंद है और उन्हें अपने इस अवैध धंधे को लेकर तनिक भी कभी भय नही सताता है। बताया जाता है कि इस धंधे का बढावा देने के लिए होटल व रेस्टोरेंट मालिकों द्वारा आसपास के क्षेत्रों के अलावा

कुशीनगर के होटलों में लगती है नाबालिग लड़कियों की बोलियां

कसया थाना क्षेत्र के हिरनहापुर से गोपालगढ़ हाइवे तक रेस्टोरेंट व होटलो में चल रहा देह व्यापार का धंधा

अन्य जनपदों से भी लडकियां बुलायी जाती है। इन धंधेबाजो को न तो पुलिसिया कार्रवाई का खौफ है और न सामाजिक हनन की चिंता। तभी तो इस धंधे मे लिप्त धंधेबाज बडी ही निर्लजता से कहते है साहब '' गंदा है पर धंधा है।

काबिलेगोर है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-28 के किनारे बसा कुशीनगर व कसया क्षेत्र में दर्जनों की संख्या में छोटे बड़े होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट संचालित होता है जहां पुलिसिया संरक्षण मे बेखौफ जिस्मफरोशी का अवैध कारोबार फलफूल रहा है। ऐसी चर्चा है कि हाइवे के किनारे हिरनहापुर से गोपालगढ़ के बीच संचालित हो रहे रेस्टोरेंट व होटलो मे नाबालिग लडकियों की बोली लगती है और यह सब कुछ यहा के होटल व रेस्टोरेंट मालिको द्वारा किया जाता है। कहना न होगा कि होटल, ढाबा व रेस्टोरेंटो

मे चल रहे इस अवैध कारोबार को पूर्व में यहा के पुलिस प्रशासन द्वारा छापेमारी कर देह व्यापार के अवैध धंधे का पर्दाफाश किया जाता रहा है। जानकार बताते है कि समय समय पर इन होटलो व ढाबो पर छापेमारी करना पुलिस प्रशासन के कार्यवाही का एक सुनियोजित हिस्सा होता है। ताकि खाकी और धंधेबाजो की यारी सार्वजनिक तौर पर चर्चा का विषय न बने। यही वजह है कि इन अवैध कारोबारियों के अवैध कारोबार पर जब भी पुलिसिया कार्रवाई का डण्डा चलता है तो दो-चार दिन तक हडकंप मचा रहता है। फिर उसके बाद गंदा है पर धंधा के तर्ज पर नाबालिग लड़कियों के बोली के साथ जिस्मफरोशी का धंधा ऐसे शुरू हो जाता है जैसे यह धंधा कभी बंद ही न हुआ हो। यही कारण है कि होटल व्यवसाय की आड़ में देह व्यापार का सिलसिला रुकने के बजाय दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है।

होटल व्यवसाय से जुड़े जानकर बताते है कि राष्ट्रीय राज मार्ग 28 पर जनपद की सीमा से लेकर बिहार बार्डर तक दर्जनों होटल व रेस्टोरेंट इस तरीके से बनाये गये है जहां जिस्मफरोशी के कारोबार मे कोई खलल न डाल सके और ग्राहक आसानी से उनके अड्डे पर पहुंच सके। यहां रात के अंधेरे की बात कौन करे दिन के उजाले में ही लडकियो के जिस्म की बोली लगती है और इस दबंगई से बोली लगती है कि कोई उनका कुछ बिगाड नही सकता है। डंके की चोट पर इस अनैतिक धंधा को संचालित करने वाले धंधेबाज सीना ठोक कर इस बात का दम भरते है कि वह हर महीने पुलिस को बक्शीश देते है इस लिए उनका कोई कुछ बिगाड नही सकता है कारोबारी खुले तौर पर चैलेंज करते है जिसमे दम है वह इस धंधे को बंद करा कर दिखा दे।

बता दे कि हिरनहापुर से गोपालगढ़ एनएच-28 के किनारे कमोबेश जितने भी रेस्टोरेंट, ढाबा व होटल है वहा सुबह से लेकर देर रात तक बेखौफ देह व्यापार का कारोबार चलता रहता है। सूत्र बताते है कि कारोबारी पहले से ही आस-पास क्षेत्र के कुछ लड़कियों को अपने रेस्टोरेंट व होटलो पर बुलाकर रखते है और ग्राहको के पसंद के मुताबिक एक हजार रुपये से लेखर पांच हजार रुपये प्रति घंटा के हिसाब से परोसते है। इसके अलावा इन होटलो व रेस्टोरेंट पर देर रात में बाहर से कालगर्ल बुलायी जाती है जिनको बोली दस हजार रुपये से शुरू होती है और ग्राहको के पसंद के मुताबिक पचास हजार रुपये तक जाती है। इसी तरह पूरी रात यह धंधा चलता रहता है और सुबह होते ही पेशेवर महिलाए व युवतियां अपने घर के लिए रवाना हो जाती हैं। सूत्र बताते है कि इसमें शामिल लोगों को उनका हिस्सा पूरी ईमानदारी से दिया जाता है।

होटल व ढाबा व्यवसाय से जुड़े जानकर बताते है कि ग्राहकों के डिमांड के अनुसार इस धंधे मे पडोसी राज्य बिहार व नेपाल से भी लड़कियां बुलायी जाती है। नाबालिग व कम उम्र की लडकियां ग्राहकों की पहली पसंद होती है बाहर से आने वाले लोग इन लड़कियों पर लोखो रुपये लूटाने से भी परहेज नही करते है। इस धंधे का ट्रेंड भी बदल गया है। सूत्रों की मानें तो इस धंधे से जुडे ग्राहक मोबाइल मैसेज व कोडवर्ड का इस्तेमाल भी करते हैं, जैसे छोटी मछली, बड़ी मछली, चलहवा आदि नाम लिए जाते है ताकि किसी को शक न हो। होटलों में जिस्म देह व्यापार के इस धंधे मे होटल व रेस्टोरेंट मालिक स्थानीय पेशेवर महिलाओं व लड़कियों को ज्यादा तहजीह दते है। वजह यह है कि ग्राहक के डिमांड पर कम समय में यह महिलाए और लडकिया होटल में उपलब्ध हो जाती है। जिसका ज्यादा मुनाफा होटल मालिक को मिलता है। इसके साथ ही इन्हें घर वापस भेजने के लिए होटल प्रबधन को कोई इंतजाम नही करना पडता है।

जल संरक्षण योजना के कार्यों में लापरवाही पर सात बीडीओ पर बड़ी कार्रवाई

हमीरपुर। गुरुवार की शाम कलेक्ट्रेट मीटिंग हाल में आयोजित जल संरक्षण योजनाओं के कार्यो की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने लापरवाह अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है। उन्होंने जिले के सभी बीडीओ की पगार रोकते हुए स्पष्टीकरण मांगा है। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने जल सम्बन्धी कार्यों में कोताही बरतने पर कड़ा असंतोष जताते हुए कुरारा, सुमेरपुर, मौदहा, मुस्करा, राठ, गोहांड और सरीला आदि के बीडीओ के वेतन रोकने की कार्रवाई करते हुए स्पष्टीकरण तलब किया है। उन्होंने कहा कि कार्यों में किसी भी स्थिति में लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। कार्यप्रणाली में सुधार न लाने पर प्रतिकूल प्रविष्टि भी दी जाएगी। सभी बीडीओ दो दिन के अंदर जिले के सभी नालों का सर्वे कर वहां होने वाले जल संरक्षण के कार्यों की रिपोर्ट और कार्ययोजना भेजें। जल संरक्षण के कार्यों को बढ़ावा देने के लिए कुओं, तालाबों, पोखरों व झीलों का जीणोद्धार कराया जाए।

प्रधानाध्यापक ने मारी पलटी, कोटेदार को बना दिया बलि का बकरा

मास्टर साहब खुद ट्रैक्टर ट्राली लेकर बच्चों के साथ आते है राशन लेने : कोटेदार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हाटा/ कुशीनगर। वायरल वीडियो के संज्ञान में लेने के बाद सम्बंधित अधिकारी द्वारा स्पष्टीकरण के जवाब में प्रधानाध्यापक द्वारा खण्ड शिक्षा अधिकारी को जो जवाब दिया गया है वह काफी चौंकाने वाला है जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। बता दें कि पिछले 6 दिसम्बर 2024 को सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक द्वारा बैठकर बच्चों से ट्रैक्टर ट्राली पर राशन लोड कराने का वीडियो खूब वायरल हो रहा था जिसका संज्ञान लेकर खण्ड शिक्षा अधिकारी मोतीचक विकास खण्ड राजेश कुमार द्वारा प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण मांगा गया था जिसके जवाब में प्रधानाध्यापक द्वारा खुद को बेदाग साबित करने के लिए कोटेदार को ही बली का बकरा बना दिया गया। जवाब में जो तर्क दिए गए हैं वह बेहद हास्यास्पद हैं जिसमें कहा गया है कि बच्चों को कोटेदार द्वारा

बुलाया गया है जबकि स्कूल के हेड मास्टर वह हैं तो बच्चों को कोटेदार कैसे बुला सकता है। प्रधानाध्यापक द्वारा स्वयं को बचाने के लिए दिए गए जवाब क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है जो क्षेत्र के लोगों के गले से नीचे नहीं उतर रहा है।

इस सम्बंध में कोटेदार प्रदुम्न कुमार का कहना है कि मास्टर साहब पहले रसोईया को राशन लेने भेजते थे। अब तीन बार से खुद ट्रैक्टर ट्राली लेकर बच्चों के साथ आते है और राशन लोड कराकर ले जाते है। इनका लोकेशन चेक किया जाएगा तो राशन की दुकान पर ही मिलेगा। जिसकी उच्च अधिकारियों की टीम द्वारा जांच होनी चाहिए।

प्रकरण में क्षेत्रीय लोगों का भी कहना है कि प्रधानाध्यापक द्वारा शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को गुमराह किया जा रहा है। आखिर बच्चे कोटेदार के बुलावे पर क्यों आएंगे? जब कोटेदार द्वारा राशन बच्चों को सौंपने की व्यवस्था ही नहीं है तो कोटेदार द्वारा बच्चों को राशन बुलाकर देने का औचित्य ही नहीं है। इसकी उच्च स्तरीय जांच की जाने पर दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा।

खण्ड शिक्षाधिकारी ने बताया की प्रधानाध्यापक से मांगा गया स्पष्टीकरण मिल गया है जिसमें कोटेदार द्वारा ही बच्चों को बुला कर राशन देने की बात कही गई है।

जिला बेसिक शिक्षाधिकारी राम जियावन मौर्य का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। दोषी मिलने पर प्रधानाध्यापक के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी।

विक्रम सिंह राठौड़ को मिला रिपोर्टर ऑफ़ द ईयर अवार्ड

नोएडा। उत्तर प्रदेश में लंबे समय से पत्रकारिता जगत में अपने काम से एक नई पहचान बनाने वाले पत्रकार एवं हिंदी खबर न्यूज़ चैंनल के उत्तर प्रदेश स्टेट हेड विक्रम सिंह राठौड़ को रिपोर्टर ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया । श्री विक्रम सिंह राठौड़ लंबे समय से पत्रकारिता में नए आयामो को छूने का काम कर रहे है। पत्रकारिता जगत में आने वाली मुश्किलों और कठिनाइयों से जूझते हुए पत्रकारिता को सम्मान देने वाले पत्रकारों में श्री सिंह का नाम भी सुमार है । देश के चर्चित चैनल हिंदी खबर में प्रतिभा सम्मान का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश के स्टेट हेड विक्रम सिंह राठौड़ को रिपोर्टर ऑफ़ द ईयर के अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड विक्रम सिंह राठौड़ को उनके हाल के दिनों में की गई बेहतरीन स्टोरियो और वृहद स्तर पर की गई न्यूज़ कवरेज को लेकर दिया गया। नोएडा स्थित चैनल के कार्यालय में एक भव्य कार्यक्रम के दौरान कई पत्रकारों को उनकी प्रतिभा के अनुसार हिंदी खबर के मैनेजिंग डायरेक्टर अतुल अग्रवाल , सीईओ मनीष अग्रवाल, संजय जी के साथ अजय अग्रवाल, मनोज दुबे और धनंजय सिंह ने सम्मानित किया।

18 दिसंबर को लखनऊ धरने में जाएंगे जिले के शिक्षक

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट द्वारा 18 दिसंबर को लखनऊ में आहूत धरने में भाग लेने जनपद के माध्यमिक शिक्षक जाएंगे। धरने का आयोजन शिक्षा निदेशक माध्यमिक के पार्क रोड स्थित शिविर कार्यालय पर होना है। उक्त धरने में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व शिक्षक एमएलसी सुरेश कुमार त्रिपाठी, गोरखपुर फैज़ाबाद क्षेत्र के शिक्षक एमएलसी एवं विधान परिषद में नेता शिक्षक दल ध्रुव कुमार त्रिपाठी सहित भारी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी संगठन के जिला संरक्षक व एमएलसी प्रतिनिधि ओमप्रकाश सिंह, जिलाध्यक्ष अनिल कुमार दूबे एवं जिलामंत्री गोविंद प्रसाद वर्मा ने संयुक्त रूप से दी है। कहा है कि चयन बोर्ड अधिनियम के समाप्त होने और नए शिक्षा सेवा चयन आयोग में सेवा सुरक्षा का स्पष्ट प्रावधान न होने से प्रदेश में शिक्षकों का उत्पीड़न चरम पर है। पुरानी पेंशन योजना की बहाली, 28 मार्च 2005 के पूर्व के विज्ञापन वाले शिक्षकों के साथ ही आमेलित विषय विशेषज्ञों को भी पुरानी पेंशन का विकल्प देने, नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा, वित्तविहीन शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतन, चयन बोर्ड अधिनियम की धारा 21, 18 व 12 को यथावत रखने सहित विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए संगठन ने संघर्ष का निर्णय लिया है। संगठन के एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी को भेजे गए पत्र में बताया गया है कि सेवा सुरक्षा सहित कई विसंगतियों के समाधान के लिए शिक्षा निदेशक से प्रस्ताव मांगा गया है। लेकिन अभी तक आदेश जारी न होने से शिक्षकों में घोर निराशा व असन्तोष व्याप्त है।

मनुष्य को कभी अहंकार नहीं करना चाहिए: डॉ. जगदीश

मुरादाबाद। नया मुरादाबाद स्थित महाकालेश्वर मन्दिर में श्रीमद भागवत महापुराण कथा गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रही। कथावाचक अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिषाचार्य डॉ. जगदीश प्रसाद कोठारी ने मां गंगा के उदगम एवं किस प्रकार से धरती पर उनका आगमन हुआ। इसकी कथा सुनाई। डॉ. जगदीश प्रसाद कोठारी ने आगे कहा कि मनुष्य को कभी अहंकार नहीं करना चाहिए, क्योंकि प्रभु को अहंकार नहीं बल्कि निस्वार्थ और सरल भाव प्रिय होता है। प्रभु ने किसी का भी अहंकार नहीं रहने दिया। राजा बलि को अपने दानी होने पर अहंकार हो गया था, जिस पर प्रभु ने वामन अवतार लेकर तीन पग भूमि में तीनों लोक नापकर उनके अहंकार को तोड़ दिया। प्रभु श्रीराम ने रावण के अहंकार को तोड़ा। शाम को उपरांत आरती एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम हुआ। भागवत कथा में महापौर विनोद अग्रवाल, निर्यातक महेश अग्रवाल, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाली, प्रसिद्ध व्यवसायी अंकुर अग्रवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय शर्मा, अलीगढ़ से सुनीता अग्रवाल, सुनीता सिंघल, पूजा सिंघल, कुलीन अग्रवाल, नंदिनी अग्रवाल, अजय वर्मा, दिनेश शीर्षवाल, शालिनी अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, कनक अग्रवाल, नवदीप टंडन, डा. गौरव श्रीवास्तव, मुकुल बंसल, ,दीपक, कशिश लोहिया, राजेश रस्तोगी, रामजी गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, अखिल, शशि किरण आदि लोग मौजूद रहे।

भारतीय मजदूर संघ उत्तर प्रदेश की वेबसाइट व ऐप लॉच

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। भारतीय मजदूर संघ 70 वर्ष में प्रवेश करने पर प्रदेशभर में संगठन विस्तार को लेकर वृहद महासंपर्क अभियान चल रहा है। इस अवसर पर 12 दिसंबर 2024, बृहस्पतिवार को लखनऊ प्रेसक्लब में आयोजित पत्रकारवार्ता में भारतीय मजदूर संघ उत्तर-मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अनुपम व प्रदेश अध्यक्ष विशेश्वर राय ने बीएमएस यूपी की वेबसाइट व ऐप की लॉचिंग कर महासंपर्क अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। क्षेत्रीय संगठन मंत्री अनुपम ने कहा कि 70वें वर्ष में हमें गांव-गांव तक तथा सभी उद्योगों तक संगठन की पहुंच बनानी है। सभी श्रमिकों मजदूरों में हमारी ग्राह्यता हो, सभी मजदूर-श्रमिक अपने अधिकारों को जाने तथा अपने कर्तव्यों को निभाकर अपने उद्योग, समाज की उन्नति करें और देश को विकास के मार्ग पर प्रशस्त करें। कहा कि आधुनिक

युग में डिजिटलीकरण देश के सतत विकास के लिए किए जाने चाले हर कार्य के लिए अनिवार्य है। इसलिए भविष्य में डिजिटल रूप का बहुआयामी होना समय की आवश्यकता भी होगी। भारतीय मजदूर संघ ने प्रदेश के 2 करोड़ लोगों से संपर्क करने का लक्ष्य रखा है। आशा है कि बीएमएस के इस ऐप के माध्यम से हम ज्यादा से ज्यादा लोगो से संपर्क कर उन्हें भारतीय मजदूर संघ से जोड़ पाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष विशेश्वर राय ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ की स्थापना 23 जुलाई 1955 में हुई। आज 70वां वर्ष भारतीय मजदूर संघ एक उत्सव के रूप में मना रहा है। 70 वर्ष की यात्रा में बीएमएस ने देश के प्रथम क्रमांक के श्रम संगठन का दर्ज़ा प्राप्त किया है। यह सभी कार्यकर्ताओं के लिए गौरव का विषय है। भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री अनिल उपाध्याय ने वेबसाइट व ऐप की लांचिंग के अवसर पर कहा कि कोई श्रमिक क्षेत्र ऐसा नहीं है, जहां भारतीय मजदूर संघ का कार्य नहीं है। इस 70वें वर्ष में संगठन ने कुछ लक्ष्य रखे हैं, जिनको पूर्ण करने के लिए भारतीय मजदूर संघ उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ता पूरी लगन व निष्ठा के साथ काम कर रहे हैं। महासंपर्क अभियान के दौरान टोलियों के कार्यकर्ता ऐप के माध्यम से विवरण भरकर लोगों को संगठन के साथ जोड़ने का कार्य करेंगे। प्रेसवार्ता के दौरान कार्यकारी अध्यक्ष राकेश सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष विनीता कुसुम मिश्रा, प्रदेश संगठन मंत्री रामनिवास सिंह, संभाग संगठन मंत्री श्रीकांत अवस्थी, विभाग प्रमुख सुशील श्रीवास्तव, प्रदेश मंत्री रायप्रदीपचंद्र जिलाध्यक्ष मिथिलेश, एनएचएम महामंत्री योगेश उपाध्याय, प्रदीप सिंह आदि मौजदू थे।

बदसलूकी के मामले में सपा विधायक ने कोर्ट में किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

कानपुर। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के निदेशक से अभद्रता और बदसलूकी करने के मामले में आर्य नगर से समाजवादी पार्टी विधायक अमिताभ वाजपेयी ने गुरुवार को एमपी एमएलए कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया।

दरअसल साल 2021 में कानपुर अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण के समय विधायक की मंधना में बनी फैक्ट्री की कुछ जगह को अधिग्रहण किया गया था जिससे गुस्साए विधायक ने एनएचएआई के अधिकारी को थप्पड़ मारने वाले को एक लाख रुपए देने का ऐलान किया था।

कानपुर अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण के दौरान मंधना स्थित विधायक अमिताभ बाजपेई की फैक्ट्री का कुछ हिस्सा भी इस अधिग्रहण के अंतर्गत होना था। इस बात से गुस्साए विधायक ने एनएचएआई के अधिकारी का विरोध करते हुए बखेड़ा खड़ा कर दिया था। यही नहीं तिलमिलाये विधायक ने अपने समर्थकों के बीच खड़े होकर ऐलान करते हुए कहा था कि जो भी व्यक्ति अधिकारी को थप्पड़ मारेगा उसे एक लाख रुपये का इनाम उनकी ओर से दिया जाएगा। इसके बाद डायरेक्टर प्रशांत दुबे द्वारा बिठूर थाने में विधायक के खिलाफ आईपीसी की धारा 504, 506 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसी मामले को लेकर अमिताभ बाजपेई के खिलाफ एमपी एमएलए कोर्ट के आदेश के बाद समन जारी कर दिया गया था जिसे लेकर विधायक ने गुरुवार को कोर्ट पहुंचकर आत्मसमर्पण कर जमानत के लिए प्रार्थना पत्र दाखिल किया था, जिस पर उन्हें कोर्ट ने जमानत देते हुए अगली तारीख 7 जनवरी 2025 मुकर्रर की है। वही मीडिया से बात करते हुए विधायक ने बताया कि रोड चौड़ीकरण के नाम पर गरीब और असहाय लोगों के घरों को उजाड़ कर रोड चौड़ीकरण का काम किया जा रहा था। इसमें आसपास के घर, दुकानें और ढाबों समेत उनकी फैक्ट्री भी थी जिसे बिना किसी नोटिस और ना ही किसी प्रकार का मुआवजे के बावजूद कब्जा किया जा रहा था।

अगर कोई व्यक्ति लगातार गुमसुम दिखे तो परिजन सतर्क हो जाएं, उसे विशेषज्ञ के पास ले जाएं

एजेंसी

वाराणसी। अगर कोई आपका परिचित लगातार गुमसुम दिखे या फिर घर परिवार में भी अलग-थलग रहे तो इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए। उसे मनो चिकित्सक के पास ले जाए। सही परामर्श के साथ इलाज कराने के बाद पीड़ित सामान्य हो जाएगा। दरअसल कॅरियर में पिछड़ने, तनावपूर्ण प्रतिस्पर्धा भरा जीवन शैली व अन्य कारणों से अलग–थलग होकर गुमसुम रहने लगते हैं। अधिक समय तक ऐसे हालात में रहने पर उन्हें मानसिक बीमारी (साइकेटिक डिसऑर्डर) सीजोफ्रेनिया होने की आशंशा रहती है। हालत बिगड़ने पर पीड़ित को लगता था कि कुछ लोग उसे मारने के चक्कर में हैं। पीड़ित अपने मिलने वालों से यह शिकायत करने लगते हैं। अक्सर उनकी शिकायत की पड़ताल करने पर परिजनों को ऐसा कुछ नहीं मिला। इसके बाद परिजन उसकी बातों की अनदेखी करने लगते हैं।

नगर के मनोचिकित्सक डॉ. हेमंत सिंह हिन्दुस्थान समाचार से बात करते हुए बताते हैं कि लम्बे समय से समाज से कटने के बाद उपजे हालात, आर्थिक स्थिति से भी लोगों में अवसाद और असुरक्षा का भाव बढ़ा है। उन्होंने बताया कि सीजोफ्रेनिया के शिकार ज्यादातर युवा ही बनते हैं। इस रोग में पीड़ित व्यक्ति को हमेशा तरह-तरह की आवाजें सुनाई पड़ती हैं। उसे हमेशा लगता है कि उसके आसपास के लोग उसके खिलाफ षड्यंत्र रच रहे हैं। लोग उसका पीछा कर रहे हैं। कभी भी उस पर हमला कर सकते हैं। डॉ. हेमंत सिंह ने बताया कि ऐसी स्थिति में मरीज की सोचने-समझने की शक्ति खत्म हो जाती है और वह कोई निर्णय भी नहीं ले पाता है। ऐसी स्थिति ज्यादातर अकेले रहने पर उपजती है।

इस रोग के लक्षणों में समाज से अलग–थलग रहना, कपड़े ठीक से न पहनना, साफ-सफाई पर ध्यान नहीं देना, बहुत कम बोलना, अकेले में बड़बड़ाना, कभी अनायास हंसना और तेज–तेज रोना है। उन्होंने बताया कि सीजोफ्रेनिया होने के कोई खास कारण नहीं हैं। आनुवंशिक, पारिवारिक तनाव या बचपन की कुछ अप्रिय घटनाएं, सामाजिक प्रभाव, डिप्रेशन, तनाव या फिर अपनी खुद की आदतें हैं। उन्होंने बताया कि दिमाग में बॉयोकेमिकल बदलाव, मस्तिष्क के चेतन तंतुओं के बीच के रासायनिक तत्वों में होने वाले परिवर्तन भी रोग का कारण बनते हैं। माता-पिता में से कोई एक सीजोफ्रेनिया का शिकार हो तो बच्चे में इस रोग के होने की आशंका बढ़ जाती है। अगर दोनों पीड़ित हों, तो बच्चे को यह बीमारी होने की आशंका पचास फीसदी से अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि इस रोग का इलाज बेहतर व्यवहार और दवाओं से संभव है। इसमें खास न्यू जनरेशन एंटी साइकेटिक दवाएं, आधुनिक ईसीटी और सही इलाज और देखभाल से मरीज सामान्य हो सकता है। लेकिन दवाओं का जरूरत पड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे रोगियों को पारिवारिक सहयोग और स्नेह की जरूरत होती है। मरीज के परिवार को उसका साथ देना चाहिए। उसे समझें। ऐसे मरीज को व्यस्त रखने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि सिजोफ्रेनिया को मानसिक बीमारियों में सबसे खतरनाक माना जाता है। सिजोफ्रेनिया का अगर सही इलाज न किया जाए तो करीब 25 फीसदी मरीजों के आत्महत्या करने का खतरा बढ़ जाता है।

बीएचयू के दीक्षांत समारोह में मंच से 30 विद्यार्थियों को मिलेगा स्वर्ण पदक

एजेंसी

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के 104वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों के बीच 14072 उपाधि वितरित होगी। 14 दिसंबर शनिवार को समारोह का मुख्य कार्यक्रम परिसर स्थित स्वतंत्रता भवन सभागार में प्रातः 9.30 बजे से आरंभ होगा। गुरूवार को यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.सुधीर जैन ने दी। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि संस्थानों व संकायों में आयोजित होने वाले उपाधि वितरण समारोहों में कुल 544 पदक व पुरस्कार प्रदान किये जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष दीक्षांत कार्यक्रम के तहत 8110 विद्यार्थियों को स्नातक, 5074 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर, 867 को पीएचडी तथा 21 को एम.फिल. उपाधि प्रदान की जा रही है। मुख्य कार्यक्रम में मंच से 30 विद्यार्थी पदक प्राप्त करेंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के पुराछात्र तथा प्रौद्योगिकी में वैश्विक ख्याति प्राप्त जय चौधरी दीक्षांत भाषण देंगे। प्रोफ़ेसर जैन ने कहा कि दीक्षांत विद्यार्थी जीवन से पुराछात्र बनने का एक महत्वपूर्ण व स्मरणीय अवसर होता है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी जीवन भर इस क्षण को याद करते हैं।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व पुरा छात्रों का संस्थान के साथ एक विशिष्ट संबंध है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस विश्वविद्यालय में मूल्यों व सिद्धांतों की शिक्षा देने के साथ साथ हम एक परिवार के रूप में उनका अनुसरण भी करते हैं। उन्होंने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पुराछात्रों का आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय के साथ निरंतर जुड़े रह कर संस्थान की विकास गाथा में भागी बनें। उन्होंने उपाधि प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों तथा पुराछात्रों का आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय के पुराछात्र पोर्टल से जुड़ें। प्रो. जैन ने बताया कि इस वर्ष का दीक्षांत प्रदान की जा रही उपाधियों के लिहाज़ से अत्यंत विशेष हैं। डिग्रियों में सुरक्षा फीचर आरंभ किये जा रहे हैं और इनके लिए एक क्यू आर कोड उपलब्ध कराया जा रहा है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड स.6403 7515 6541 में मेरा नाम मुकेश तिवारी पुत्र राम धीरज ग्राम चोरसिहा है और कुछ अभिलेखों में मुकेश अंकित है जबकि मेरा वास्तविक नाम मुकेश तिवारी है। अत: अब से मुझे मुकेश तिवारी के नाम से जाना व पहचान जाए। मुकेश तिवारी, पुत्र- राम धीरज निवासी–चोरसिहा, पड़री कृपाल, परगना व तहसील गोंडा जिला : गोण्डा उत्तर प्रदेश

जिलाधिकारी ने रैन बसेरों का किया औचक निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी व शासन के निर्देश पर अत्यधिक ठण्ड एवं शीतलहरी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के दृष्टिगत निराश्रित एवं असहाय तथा कमज़ोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों को राहत पहुँचाये जाने के उद्देश्य से नगर क्षेत्र अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम डिपो (रोडवेज़ बस स्टैण्ड), महर्षि बालार्क चिकित्सालय एवं रेलवे स्टेशन पर स्थापित किये गये रैन बसेरों का जायज़ा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बुधवार को देर रात्रि औचक निरीक्षण किया।

रोड़वेज़ पर स्थावित रैन बसेरे के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रकाश व्यवस्था को और बेहतर किये जाने तथा महिला कक्ष हेतु महिला सुरक्षा कर्मी की ड्यूटी लगाये जाने के निर्देश दिये। इसी प्रकार रेलवे स्टेशन पर स्थापित रैन बसेरे के निरीक्षण के दौरान डीएम ने अधि.अधि. नगर पालिका परिषद बहराइच प्रमिता सिंह को निर्देश दिया कि इंसुलेशन के दृष्टिगत गद्दों के नीचे पुआल बिछवा दें तथा उपयुक्त स्थान पर रैन बसेरे से सम्बन्धित बोर्ड भी स्थापित करा दिया जाय। रेलवे स्टेशन के पश्चात डीएम ने महर्षि बालार्क चिकित्सालय में स्थापित रैन बसेरे का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायज़ा लिया तथा मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस अवसर पर तहसीलदार सदर अनिरूद्ध कुमार यादव व नायब तहसीलदार सुरेन्द्र प्रसाद यादव मौजूद रहे।

अवैध टैक्सी स्टैंड पर प्रशासन का चला हंटर, मचा अफरा तफरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। रोडवेज के बस स्टैंड के निकट गोंडा - लखनऊ मार्ग गुरु नानक चौराहे पर इस समय अवैध टैक्सी स्टैंड यहां सड़क कई माह से मुसीबत बना हुआ था।यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिस की लापरवाही की वजह से यहां लोगों को रोज जाम से जूझना पड़ता था।टैक्सी ड्राइवर और प्राइवेट डग्गामार बसे अवैध स्टैंड के साथ बीच सड़क चौराहे पर भी खड़ा करते थे बीच रास्ते में खड़े होकर सवारियां भी भरते थे।आधी सड़क पर प्राइवेट टैक्सी वालो का कब्जा होने की वजह से गोंडा - लखनऊ बलरामपुर,चौक बजार की ओर जाने वाली सड़क पर रोज घंटों जाम लगता था।जाम की समस्या के मद्देनजर आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस प्रशासन ने सुबह सात बजे ही मय पुलिस बल सड़को पर अतिक्रमण किये हुए लोगो पर आखिरकार अपना हंटर चला ही दिया।प्राप्त जानकारी के मुताबिक गुरुवार को परिवहन विभाग के पीटीओ शैलेंद्र त्रिपाठी और ट्रैफिक इंचार्ज जगदंबा प्रसाद गुप्ता गुरु नानक चौराहे पर सुबह अपने मय पुलिस बल के साथ गोंडा - लखनऊ रोड अवैध टैक्सी स्टैंड पहुँच सड़क पर खड़े टैक्सी और बस चालकों को पकड़ ट्रैफिक पुलिस के थाने में खड़ा किया और तीन टैक्सी और दो प्राइवेट बस को सीज किया है और सड़क पर जाम लगाए आटो चालको को चेतावनी देते हुए सभी को खदेड़ कर सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराया साथ ही दोबारा सड़क पर अतिक्रमण करने पर चालान करने की सख्त चेतावनी भी दिया जिससे कि अवैध टैक्सी और बस चालकों में हड़ कम्प मच गया जाँच पड़ताल के दौरान टैक्सी चालक आटो लेकर भागते नजर आए।वही एक स्कूल स्कूल बस फिटनेस और परमिट न होने पर सीज की कार्रवाई की गई है।सड़को से अवैध अतिक्रमण हटाने वालो में प्रमुख रूप से उप निरीक्षक और कांस्टेबल इत्यादि लोग रहे।

डीआईजी ने इटियाथोक थाने का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। देवीपाटन रेंज के डीआईजी अमित पाठक चार्ज संभालते ही एक्शन मोड में आ गए हैं।गुरुवार को उन्होंने गोंडा जिले के इटियाथोक थाने का निरी क्षण किया।इस दौरान डीआईजी ने कार्यालय इटिया थोक थाने में मालखाना, शस्त्रागार,महिला हेल्पडेस्क, और साइबर थाने का गहन मुआयना किया।उन्होंने डीजीपी सर्कुलर 2022 के तहत सभी कार्यों को सुव्यवस्थित तरीके से करने के निर्देश दिए।साथ ही, थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमित पैदल गश्त और अपराधियों पर कार्रवाई के लिए विशेष अभियान चलाने का आदेश दिया।

फरियादियों की समस्याओं का हो तत्काल समाधान

डीआईजी अमित पाठक ने थाने के प्रभारी शेषमणि पाण्डेय को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि थाने पर आने वाले हर फरियादियो की शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और उसका तुरंत समाधान सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि फरिया दियों की समस्याओं की अनदेखी करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।डीआईजी श्री पाठक ने थाने के भवन और परिसर की साफ-सफाई को प्राथमिकता देते हुए फरियादियों के लिए बेहतर माहौल तैयार करने के निर्देश दिए।साथ ही,यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए मुख्य मार्गों पर अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया।उन्होंने कहा कि सड़क मार्ग के दोनों ओर अतिक्रमण को अभियान चलाकर तुरंत हटाया जाए,ताकि यातायात सुगम हो सके।

बहराइच में अलाव हेतु चिन्हित किये गये 256 स्थान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । अत्यधिक ठण्ड एवं शीतलहरी के दृष्टिगत निराश्रित एवं असहाय तथा कमज़ोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों को राहत पहुँचाये जाने के उद्देश्य जनपद में तहसील व नगर निकायों अन्तर्गत 256 स्थानों को अलाव व्यवसथा के लिए चिन्हित किया गया है।

डीएम ने बताया कि तहसील महसी अन्तर्गत टिकोरा मोड़, बेड़नापुर, रमपुरवा चौराहा, नेवादा मोड़, जैतापुर आर्यावर्त बैंक के निकट, बौण्डी बस स्टैण्ड, राजी चौराहा, बेहड़ा बस स्टैण्ड, तहसील मुख्यालय, भगवानपुर चौराहा, महसी टैक्सी स्टैण्ड, महराजगंज बैंक के निकट, बलवापुर चौराहा, किसानगंज चौराहा, बौण्डी मोड़, ऐलिया चौराहा व कायमपुर चौराहा, तहसील कैसरगंज अन्तर्गत बम्भौरा तूफानी चौराहा जरवल रोड, जरवल रोड बस स्टैण्ड, मरौचा चौराहा, फखरपुर टैक्सी स्टैण्ड (घासीपुर चौराहा), हुज़ूरपुर चौराहा, पुरैनी चौराहा, गजाधरपुर चौराहा, फखरपुर सी.एच.सी. के गेट पर, करमुल्लापुर (भग्गड़वा बाज़ार), मुस्तफाबाद सी.एच.सी. व मंगलमेला गोड़हिया नम्बर-2, तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) अन्तर्गत मिहींपुरवा पंचायत भवन नवयुग रोड रैन बसेरा के निकट, तहसील मुख्यालय, पूर्वी व पश्चिमी बस स्टैण्ड मिहींपुरवा, रेलवे स्टेशन मिहींपुरवा, ग्राम कुढ़वा में दुर्गा आटो एजेन्सी व कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के निकट, बिछिया बाज़ार बस स्टैण्ड, उर्रा चौराहा, गूढ़ चौराहा, गायघाट चौराहा, रायबोझ्झ चौराहा, बलई गांव चौराहा (सहोनी), मटिहा मोड़, गंगापुर मण्डी, सुजौली बस स्टैण्ड व गोपिया चौराहा पर अलाव की व्यवस्था की जायेगी। तहसील नानपारा अन्तर्गत नानपारा बहराइच रोड प्राइवेट बस स्टेशन नानपारा, रेलवे स्टेशन नानपारा, तहसील मुख्यालय गेट, बाईपास चौराहा गल्ला मण्डी के निकट, गुरघुट्टा प्रहलाद की दुकान के निकट, रेलवे स्टेशन चौराहा मटेरा, मटेरा चौराहा पुलिस बूथ के निकट, शंकरपुर चौराहा, मटेरा बाज़ार रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन बाबागंज (सोरहिया) व बस स्टेशन नवाबगंज, तहसील पयागपुर अन्तर्गत तहसील मुख्यालय, पयागपुर बस स्टैण्ड हनुमान मन्दिर के निकट, रेलवे स्टेशन के निकट भूपगंज बाज़ार, गंगवल बाज़ार, विशेश्वरगंज चौराहा, विशेश्वरगंज बाज़ार, पुरैना बाज़ार, लक्खारामपुर चौराहा, लौकाही बैंक के निकट, कोटाइन चौराहा जगतापुर, खुटेहना चौराहा व धनुही बैंक के निकट, तहसील सदर अन्तर्गत रिसिया बाज़ार रेलवे स्टेशन के निकट, बेगमपुर चौराहा, चिलवरिया अनीस कोटेदार के घर के निकट, कटी चौराहा हुज़ूरपुर रोड दा. रायपुरराजा, नानपारा बस स्टैण्ड मोहम्मदनगर, रमवापुर चौराहा, तुलसीपुर चौराहा ग्राम रायपुर, राजामील चौराहा ग्राम सोहरवा, कुट्टी प्रेमीदास चौराहा ग्राम जिगनिया महिपाल सिंह, कल्पीपारा चौराहा व दोनक्का तिराहा ग्राम अमीनपुर नगरौर को अलाव की व्यवस्था के लिए चिन्हित किया गया है। नगर पालिका परिषद बहराइच अन्तर्गत अस्पताल रैन बसेरा, रोडवेज़ रैन बसेरा, रोडवेज पुलिस चौकी, अस्पताल पुलिस चौकी, टैक्सी स्टैण्ड, तिकोनी बाग पुलिस चौकी, पानी टंकी चौराहा, अस्पताल निकट बीजेपी कार्यालय, अस्पताल पुलिस चौकी, डिगिहा चौराहा, रेलवे स्टेशन, छावनी चौराहा, चांदपुरा रिक्शा स्टैण्ड, अमीरमाह के निकट, घण्टाघर चौराहा, पीपल तिराहा, सुमैय्यामाल, अटकोनवा मोड़, जलकल कम्पाउण्ड घण्टाघर, फायर स्टेशन, निकट शाद मस्जिद, बशीरगंज पुलिस चौकी, बशीरगंज चौराहा, काज़ीपुरा ट्रांसफार्मर, मूंगफली चौराहा, नीम के नीचे काज़ीपुरा, बद्री बाबू के घर के निकट, छब्बू पूर्व सभासद के घर के निकट, मंत्री जी के आवास के निकट, ब्राहम्णीपुरा तिराहा, काली मस्जिद, छोटी बाज़ार तिराहा, हनुमान मन्दिर के निकट, सिद्धनाथ मन्दिर के निकट, ईदगाह पुलिस चौकी, सलारगंज पुलिस चौकी, अस्पताल मन्दिर के निकट, अग्रसेन तिराहा, विकास भवन, डाक बंगला, घरना स्थल के निकट, जज आवास के निकट, घसियारीपुरा विधायक निवास के निकट, नाजिरपुरा निकट कबाड़ी, मुअज्जिस के घर के निकट, नाजिरपुरा तिराहा, एसडीएम सदर व नानपारा, डीएम, सीडीओ व एडीएम के आवास के निकट, काज़ीपुरा रिज़वी बाबे के घर के निकट, दीवानी कचेहरी, कलेक्ट्रेट, बक्शीपुरा मन्दिर, टीवी 24 के सामने पानी टंकी, कुबेर अस्पताल, हमज़ापुर, कानूनगोपुरा दक्षिणी, घसियारीपुरा, ब्राम्हणीपुरा, काज़ीपुरा दक्षिणी व महोपुरा वार्ड के विभिन्न स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की जायेगी।

एसएसबी के केंद्रीय विद्यालय परिसर में वार्षिक खेल उत्सव का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच । नानपारा के केंद्रीय विद्यालय 59वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल परिसर में गुरुवार को वार्षिक खेल उत्सव सत्र 2024 - 25 का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में 59वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल नानपारा के कमांडेंट कैलाश चंद रमोला तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डिप्टी कमाण्डेन्ट ओमप्रकाश मिश्र मौजूद रहें। मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण कर खेल प्रतियोगिताओं के प्रारम्भ होने की औपचारिक घोषणा की। विद्यालय के चारों सदनों के विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट करते हुए मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया तथा स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र व छात्राओं के द्वारा आकर्षक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। स्वागत नृत्य एवं ऐरोबिक नृत्य काफी सराहा गया। इसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा एक सांस्कृतिक समूह गीत प्रस्तुत किया।खेल प्रतियोगिताओं में विद्यालय के नन्हे- मुन्हे बच्चों के लिए आयोजित की गई नींबू चम्मच दौड़, गेट सेट रेडी दौड़ व हूला हूप दौड़ आकर्षण का केंद्र रही जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया। सीनियर कक्षाओं में बालक हेतु खो खो प्रतियोगिता और बालिका वर्ग के लिए 100 मीटर तथा 200 मीटर दौड़ का आयोजन किया गया जिसे देखना काफी रोमांचक रहा। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि के द्वारा मेडल और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि ने केंद्रीय विद्यालय संगठन के अध्ययन अध्यापन व्यवस्था की प्रशंसा की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उत्साहित करते हुए कहा कि खेलकूद हमारे जीवन में आवश्यक है और स्वस्थ जीवन के लिए खेलना और व्यायाम अति आवश्यक है। बिना खेल के जीवन में उन्नति नहीं हो सकती। विद्यालय की प्राचार्या सुश्री राजकुमारी निगम ने आगमन में स्वागत के दौरान मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया । विद्यालय की खेल शिक्षिका पूजा मौर्या ने विद्यालय में आयोजित प्रथम वार्षिक खेल दिवस की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

गरीब, असहाय, रिक्शा चालकों व मुसाफिरों को डीएम ने बांटा कम्बल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगर क्षेत्र का भ्रमण कर अलाव व्यवस्था का लिया जायज़ा

बहराइच । मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी व शासन के निर्देश पर अत्यधिक ठण्ड एवं शीतलहरी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के दृष्टिगत निराश्रित एवं असहाय तथा कमज़ोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों को राहत पहुँचाये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बुधवार को देर रात्रि नगर क्षेत्र का भ्रमण कर नगर क्षेत्र में जलाये गये अलावों को देखा तथा इस दौरान मरीमाता मन्दिर, रोडवेज़, महर्षि बलार्क चिकित्सालय, रेलवे स्टेशन तथा घण्टाघर चौराहे पर गरीब मुसाफिरों, रिक्शा चालकों, जरूरतमंदो को कम्बल ओढ़ाया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अधि.अधि. नगर पालिका परिषद बहराइच प्रमिता सिंह को निर्देश दिया कि नगर क्षेत्र में अलाव प्वाईन्ट्स को बढ़ा दिया जाय। इस अवसर पर तहसीलदार सदर अनिरूद्ध कुमार यादव व नायब तहसीलदार सुरेन्द्र प्रसाद यादव मौजूद रहे।

जनपद में धारा 163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता । वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन्स का पालन कराते हुए क्रिसमस डे/आंग्ल नव वर्ष, मकर संक्राति पोंगल, मौनी अमावस्या, बसन्त पंचमी आदि आगामी त्यौहारों/कार्यक्रमों व उत्तर प्रदेश सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारम्भिक परीक्षा 2024 को सकुशल एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न के मद्देनज़र जनपद बहराइच के समस्त सीमा क्षेत्र में विधि व्यवस्था एवं लोक परिशान्ति सहित लोक व्यवस्था व जनसुरक्षा कायम रखने के उद्देश्य से अपर जिला मजिस्टेझ्ट गौरव रंजन श्रीवास्तव द्वारा भा.ना.सु.संहिता 2023 की धारा-163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दी गयी है। अपर जिला मजिस्टेझ्ट श्री रंजन द्वारा जारी आदेश के समस्त 27 प्रस्तर 12 दिसम्बर 2024 से 06 फरवरी 2025 तक जनपद बहराइच के सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र में निवास करने वाले तथा जनपद की सीमा में प्रवेश करने वाले समस्त व्यक्तियों पर प्रभावी रहेगा। इन आदेशों का अथवा इनके किसी भी अंश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के अन्तर्गत दण्डनीय होगा।

14 से शुरू होगा बाबा कालभैरव मंदिर का वार्षिकोत्सव

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। शहर के त्रिमुहानी घाट श्मशान पर स्थित श्री श्री श्री महाकाल भैरव मंदिर का सप्तम दो दिवसीय वार्षिकोत्सव कल से प्रारम्भ होगा। वार्षिकोत्सव के प्रथम दिवस में महाराजाधिराज बाबा महाकाल भैरव का महाभिषेक व अष्ट भैरव संग चौसठ योगिनी पूजन, मात्रिका पूजन के साथ ही प्रातः 9 बजे से महाकालिका पूजन आरती एवं प्रसाद वितरण होगा। इस दौरान गुप्तवास के कारण परिसर में ही महाराजाधिराज बाबा काल भैरव जी की नगर भ्रमण यात्रा निकाली जाएगी। श्री श्री श्री काल भैरव श्मशान घाट सेवा मण्डल के तत्वाधान में शहर के स्वर्ग धाम त्रिमुहानी घाट स्थित श्री श्री श्री महाकाल भैरव मन्दिर पर सप्तम दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का आयोजन कल से प्रारम्भ होगा। आयोजन में महाराजाधिराज बाबा महाकाल भैरव जी का महाभिषेक,दश महाविद्या पूजन,महाकालिका पूजन एवं खप्पर भोग दिया जाएगा। सर्वप्रथम 14 दिसम्बर को प्रातः 9 बजे से भैरव नाम संकीर्तन और महाकालिका पूजन होगा। 15 दिसम्बर को प्रातः 8 बजे से दोपहर 11 बजे तक महाराजाधिराज बाबा काल भैरव का महाभिषेक होगा इसके पश्चात 12 बजे आरती व 2 बजे से भण्डारा प्रसाद कार्यक्रम आरम्भ होगा। सायं 6 बजे से अष्ट भैरव पूजन होगा ततपश्चात पुष्पों से सजे रथ में सवार होकर बाबा नगर भ्रमण के लिये निकलेंगे। गुप्तवास के चलते श्मशान परिसर में ही बाबा की शोभा यात्रा निकाली जाएगी। दंडाधिकारी होने के कारण रथ पर विराजने से पूर्व पुलिस के अधिकारी बाबा काल भैरव का पूजन कर सम्पूर्ण नगरवासियों के सुख समृद्धि की प्रार्थना करेंगे। बाबा महाकाल भैरव के दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का संयोजन शाक्त ईशान रजनीश के सानिध्य में होगा जबकि उत्तरदिशानी अघोर अखाड़ा परिषद तारा पीठ से पधारे नाथ संप्रदाय के योगी नटेश्वरी पंथ के साधक श्री श्री 1008 अघोरी बाबा बैद्यनाथ, अघोरी बाबा ज्ञानी नाथ, महाराष्ट्र राज्य के अघोरी बाबा अविनाश नाथ,अघोरी बाबा उतुल,अघोरी बाबा गणेश नाथ एवं गुजरात राज्य के नाथ योगी अघोरी बाबा शिवनाथ योगी के निर्देशन में विधिवत पूजन अर्चन सम्पन्न होगा। कार्यक्रम संयोजक शाक्त ईशान रजनीश ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। 14 दिसम्बर से शुरू होने बाबा काल भैरव मंदिर के वार्षिकोत्सव में इस बार कई राज्यों के अघोरी पूजन सम्पन्न कराने हेतु पधार रहे हैं जिनके कृपा सानिध्य में सम्पूर्ण कार्यक्रम विधिवत सम्पन्न किया जाएगा।

बेलवा गाँव में भ्रष्टाचार: सफ़ेद कागजों में ही दौड़ रहे मनरेगा के मजदूर,धरातल पर कुछ भी नहीं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार में भ्रष्टाचार का दीमक लग गया है।केंद्र सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के लिए तमाम योजनाओं को संचालित कर रही है,वहीं व्याप्त भ्रष्टाचार की आगोश में गोण्डा जिले में अधिकारियों की मिलीभगत से मनरेगा योजना धड़ाम हो रही हैं।विकास के नाम पर सरकार द्वारा लाखों करोड़ो रुपए खर्च किए जाने के बावजूद भी गांव की भौगोलिक स्थिति पूर्व की भांति नजर आ रही है।कहीं भी कोई खास बदलाव विकास नहीं देखा जा रहा है,हालाकि योगी सरकार ने व्याप्त भ्रष्टाचार को रोकने के लिए तरह-तरह के प्रयास किए।यहां तक कि भ्रष्टाचार पर प्रतिबंध लगाने के लिए ऑनलाइन सेवाएं आरंभ कीं लेकिन भ्रष्टाचारियों ने उसकी भी काट ढूंढ ली।एक कहावत है तू डाल डाल में पात पात,शायद इसी कहावत को अपनाते हुए विकासखंड पंडरी कृपाल के ग्राम पंचायत बेलावा में जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से मनरेगा में भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं जिसमें सूत्र बता रहे है कि विकास भवन में बैठे डीसी मनरेगा,पड़री कृपाल की खंड विकास अधिकारी

बीडीओ व एपीओ की सह पर मनरेगा में चल रहा लाखों के घोटाले का खेल

और एपीओ की अहम भूमिका है और इन तीनो अधिकारियों की मिली भगत से ही ब्लॉक पड़री कृपाल

की ग्राम पंचायतों में मनरेगा योजना में घोटाले पर घोटाले किये जा रहे हैं।सूत्रों से जानकारी के अनुसार इस समय पड़री कृपाल में मनरेगा के तहत लाखों अधिक का घोटाला कर प्रधान व अधिकारी अपनी जेबें भरने में लगे हुए हैं।ऐसा ही एक मामला ब्लॉक पड़री कृपाल की ग्राम पंचायत बेलावा में देखने को मिला।जहां ग्राम प्रधान राम लाल द्वारा में मनरेगा में दो कार्य के लिए नव मस्टर रोल जारी कर सड़क पर मिट्टी पटाई का कार्य होना दर्शाया गया है।जिस कार्य के लिए नव मस्टरोल में 75 मजदूरों की उपस्थिति दर्शाकर मौके पर दो दिन के लिए एक साइड पर कुछ मजदूर को लगाकर थोड़ी सी सड़क पटवा दी है.

जबकि दूसरे साइड पर अभी एक फावड़ा मिट्टी तक नहीं

उठी है ज़ब कि ये कार्य दस दिसंबर 2024 चल रहा है किसी दिन 85 मजदूरों की हाजिरी लगा रही है तो किसी दिन 75 मजदूरों की हाजिरी कागज में चल रही है।जबकि ग्रामीणों ने बताया कि दो दिन सिर्फ प्रदीप के घर से साहि बान के घर तक मात्र दो चार मजदूर ही काम करते थे और यह काम अब दो दिन से रोक दिया गया है जब इस मामले की जमीनी हकीकत से रूबरू हुआ गया तो वहां का नजारा ही कुछ और था।ग्राम प्रधान व रोजगार सेवक द्वारा 75 मजदूरों द्वारा कार्य होना दर्शाया गया था और उनकी हाजिरी भी नरेगा के पोर्टल पर अपलोड कर दी गई थी जबकि मौके पर एक भी मजदूर कार्य करते हुए नहीं मिले हैं।

मनरेगा में हो रही गड़बड़ी की शिकायत सीडीओ से

वही बेलावा ग्राम पंचायत के रहने वाले शाकिर अली ने मुख्य विकास अधिकारी को एक शिकायती पत्र देकर मनरेगा में हो रहे अनियमिता की जांच की मांग की है शाकिर अली ने कहा है कि बेलावा गाँव में मनरेगा में हो रहे कार्य में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार चल रहा है जो व्यक्ति दिल्ली और मुंबई में हैं वह भी इस समय मनरेगा के मस्टररोल में कागज में कार्य कर रहे है और धरातल पर एक भी मजदूर उपस्थित नहीं है।वही ब्लॉक पड़री कृपाल में इस समय मनरेगा के तहत फर्जी मजदूरों को दर्शाकर खंड विकास अधिकारी व एपीओ तथा ग्राम प्रधान के द्वारा लाखों के बारे न्यारे कर सरकार को चूना लगाया जा रहा है और उच्च अधिकारी इस कृत्य पर मौन साधे हुए हैं। जो मनरेगा में घोटाला होने का साफ संकेत दे रहा है।इस संबंध में जब डीसी मनरेगा जनार्दन प्रसाद यादव से फोन के जरिए संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन अपरि हार्य कारणों के चलते संपर्क नहीं हो सका।

बीएसए ने रसोइयां पाक कला प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आने वाली रसोइया को साढ़े तीन हजार रुपया प्रदान किया

अमेठी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में मध्याहन भोजन प्राधिकरण उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा प्रदत्त निर्देश के क्रम में मध्याहन भोजन योजना से आच्छादित विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों के मध्य रसोइया पाककला प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रतियोगिता में विकास खण्ड अमेठी, गौरीगंज, मुसाफिरखाना तथा तिलोई से तीन तीन रसोइयों तथा शेष विकास खण्डों से दो दो रसोइया (कुल तीस रसोइयों) द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा पर जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार द्विवेदी एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी द्वारा माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन कर किया गया। जिला खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के द्वारा कार्यक्रम के पूर्व प्रतिभागी समस्त रसोइयों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। तत्पश्चात समस्त रसोइयों को लॉटरी के माध्यम से दस रसोइयों को तहरी, पांच रसोइयों को रसेदार मौसमी सब्जी, पांच रसोइयों को आलू सोया मेथी सब्जी, दस रसोइयों को अरहर की दाल पकाने हेतु आवंटित किया गया। समस्त प्रतिभागी रसोइयों को एप्रिन, ग्लब्स एवं हेड कवर प्रदान किया गया। रसोइयों द्वारा बनाये गये व्यंजनों को डॉ0 संगीता शर्मा, प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इण्टर कालेज गौरीगंज, डॉ0 रूबी सिंह सहायक अध्यापक (गृह विज्ञान) राजकीय बालिका इण्टर कालेज अमेठी, स्वास्थ्य विभाग से शालू गुप्ता. स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय जनपद अमेठी तथा खाद्य सुरक्षा विभाग से रमा शंकर पटेल खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा निर्णायक के रूप में भोजन के स्वाद, पौष्टिक तत्व, भोजन बनाने का तरीका, स्वच्छता, सुरक्षा एवं सभ्य व्यवहार के आधार पर अंक प्रदान किये गये।निर्णायक समूह द्वारा प्रदान किये अंक के आधार पर जीत लाल रसोइया, कम्पोजिट विद्यालय महमूदपुर विकास खण्ड अमेठी ने आलू, गोभी, टमाटर, मटर आदि की रसेदार सब्जी बनाकर प्रथम, श्रीमती विमला रसोइया कम्पोजिट विद्यालय सवनगी, विकास खण्ड भादर ने सोया, मेथी, पालक, आलू आदि की सूखी सब्जी बनाकर द्वितीय तथा श्रीमती श्यामा, रसोइया प्राथमिक विद्यालय खालिशपुर, विकास खण्ड बहादुरपुर ने अरहर की दाल बनाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया गया। पुरस्कार राशि के रूप में विजेता प्रतिभागी को तीन हजार पांच सौ रुपया द्वितीय को ढाई हजार रुपया एवं तृतीय को एक हजार पांच सौ रुपया के साथ शेष सत्ताइस रसोइयों को तीन सौ रुपया सांत्वना पुरस्कार के रूप में तथा सभी प्रतिभागी तीस रसोइयों को तीन सौ रुपया प्रति रसोइया की दर से आवागमन भत्ता के रूप में पीएफएमएस के माध्यम से उनके व्यक्तिगत बैंक खातों में प्रेषित किया जायेगा। प्रतियोगिता के आयोजन में भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, गौरीगंज द्वारा सहयोग प्रदान करते हुए प्रतियोगिता के आयोजन हेतु गैस सिलेण्डर तथा चूल्हा उपलब्ध कराया गया साथ ही समस्त प्रतिभागी रसोइयों को एक एक उपहार भी प्रदान किया गया।कार्यक्रम में श्री सूरज पटेल, मुख्य विकास अधिकारी महोदय, डॉ0 राजेश कुमार द्विवेदी जिला विद्यालय निरीक्षक जनपद अमेठी, श्री सूर्यभान गुप्ता, टैरीटी मैनेजर एवं श्री बालकृष्ण प्लान्ट मैनेजर भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, गौरीगंज, जनपद अमेठी, श्री रामरूचि मिश्र जिला समन्वयक, जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय जनपद अमेठी, श्री सुशील अवस्थी वरिष्ठ अधिवक्ता एवं विभिन्न विकास खण्डों में कार्यरत खण्ड शिक्षा अधिकारी, सहायक लेखाकार तथा सम्मानित गणमान्य लोग उपस्थित होकर रसोइयों का उत्साहवर्धन किया।

समाजसेवी के बेटे ने जन्मदिन पर जरूरतमंदों को बांटे कम्बल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। आज के बदलते परिवेश में लोग जन्मदिन की पार्टी पांच सितारा होटल में बड़ी और खर्चीली पार्टियां कर मनाते हैं।लेकिन कई ऐसे लोग भी हैं जिनकी कमाई में थोड़ी भी बरकत होती है तो गरीबों के बारे में सोचते हैं। जिनके मन में गरीबों के लिए मन में अपनत्व व कल्याण की भावना हो तो यह सोने पे सुहागा ही माना जाएगा। ऐसे ही लोगों में सिंहपुर क्षेत्र के पूरे बैशन जैतपुर निवासी शिवेंद्र सिंह भदौरिया शामिल हैं।जिन्होंने अपने पिता अर्जुन सिंह भदौरिया के पदचिन्हों पर चलते हुए अपनी कमाई का कुछ अंश गुरुवार को जरूरत मंदो में कम्बल वितरित कर मनाया।शिवेंद्र सिंह ने अपने जन्मदिन पर कड़ाके की सर्दी से राहत के लिए गरीबों व जरुरतमंदों को कंबल वितरित किया। शिवेंद्र सिंह के मित्रों का कहना है कि जन्मदिन मनाने का सभी का अपना अलग अलग तरीका होता है। कोई आलीशान पार्टी आयोजित कर रुपए खर्च करता है तो कोई अपना जन्मदिन गरीब व जरूरतमंदो के बीच मनाकर खुशियां बांटते हैं। इसका जीता जागता उदाहरण हैं युवा समाज सेवी शिवेंद्र सिंह जिन्होंने अपना जन्मदिन जरूरतमंद दिव्यांगो, असहायो के बीच कम्बल बांट कर मनाया।जन्मदिन के मौके पर जैतपुर ग्राम पंचायत के जरूरतमंद दिव्यांगों को कम्बल बांटे। कम्बल पाने के बाद उन सभी के चेहरे पर जो चमक और मुस्कान उभरी थी, उसको शब्दों में वर्णन नही किया जा सकता। इस मौके रमाकांत मिश्र,चंद्र प्रकाश शुक्ल, रामराज मिश्र,अखिलेश सिंह,शुभम सिंह बघेल,ओंकार सिंह, उमाशंकर शुक्ल, कामता यादव,हरिनाथ,देवी प्रसाद, शिवशंकर सिंह , रामशंकर सिंह परिहार, रिंकू मिश्र आदि मौजूद रहे।

धोखाधड़ी कर चार सौ पच्चीस बोरी गेहूं हड़पने वाले दो सगे भाई गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कमरौली पुलिस ने गेहूं बिक्री का तीन लाख बत्तीस हजार रुपया किया बरामद

अमेठी। थाना कमरौली पुलिस ने धोखाधड़ी कर गेंहू बिक्री के तीन लाख बत्तीस हजार पांच सौ रुपयों के साथ दो युवकों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है एवं घटना में प्रयुक्त ट्रक बरामद कर अभियोग दर्ज कर लिया है। थाना कमरौली के थानाध्यक्ष अभिनेष कुमार मय हमराही द्वारा देखभाल क्षेत्र चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर पिन्टू पुत्र रामबाबू व दीपक पुत्र राम बाबू निवासीगण ग्राम रंजीतपुर नौनारी थाना भदोखर जनपद रायबरेली को श्री रामगंज चौराहे के पास हाइवे से समय करीब साढ़े दस बजे दिन में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने पिन्टू के कब्जे से पांच सौ रुपये व दीपक के कब्जे से दो हजार रुपये बरामद हुये। ट्रक संख्या यूपी 35 टी 6876 के कागजात मांगने पर दिखा नही सके। पुलिस टीम द्वारा की गई पूंछताछ में गिरफ्तार पिन्टू ने बताया कि यह ट्रक मेरा है। कुछ दिन पूर्व मैं अपने भाई दीपक उपरोक्त व मां वैष्णों ट्रांसपोर्टर शिवनाथ तिवारी पुत्र नवल किशोर तिवारी निवासी तिवारीपुर सेमरौता थाना शिवरतनगंज जनपद अमेठी के साथ मिलकर अपने ट्रक की आरसी व नम्बर प्लेट कूटरचित ढंग से बदलकर तथा एक ड्राइविंग लाइसेंस (व्हाट्सएप पर धोखाधड़ी से प्राप्त) में नाम बदलकर जाफरगंज मंडी से राधेश्याम ट्रेडिंग कम्पनी मालिक विजय कुमार गुप्ता का चार सौ पच्चीस बोरी गेंहू अपने ट्रक में लादकर गया था जिसे आसनसोल, असम राज्य में ले जाना था जिसे लादकर हमलोग आसनसोल, असम राज्य न ले जाकर अपने घर लेकर चले गये एवं कुछ कुछ क्विंटल करके हमलोगों ने गेंहू को बाजार में बेच दिया जिससे कुल छह लाख साठ हजार रुपये प्राप्त हुये। मैने ट्रक की बॉडी को दूसरे रंग व डिजाइन में पेन्ट करवा दिया ताकि ट्रक पहचान में न आ सके। ट्रान्सपोर्टर शिवनाथ तिवारी ने बिक्री से प्राप्त रुपये में से एक लाख रुपये ले लिया था एवं खर्च होने के उपरान्त शेष बचे तीन लाख तीस हजार रुपये हम दोनों भाईयों के पास बचा है जोकि ट्रक के केबिन में रखा हुआ है।जामातलाशी से प्राप्त रुपये भी उसी गेंहू बिक्री के ही हैं। पुलिस टीम ने युवकों के कब्जे ट्रक के केबिन से कुल तीन लाख बत्तीस हजार पांच सौ रुपये बरामद हुये। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष अमिनेष कुमार ने बताया कि दो लोगों को जेल भेज दिया गया है और तीसरे फरार युवक की तलाश की जा रही है।

राज्य महिला आयोग ने महिला थाना वृद्ध आश्रम सहित कई संस्थाओं का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य पुष्पा पाण्डेय ने जनपद पीलीभीत पहुँचकर विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं का निरीक्षण किया।आयोग के सदस्य सबसे पहले शहर पीलीभीत के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पहुंची और बालिकाओं से रूबरू हुई।निरीक्षण के दौरान उपस्थिति रजिस्टर देखा।प्रधानाचार्य को कालेज में साफ-सफाई करानें हेतु निर्देशित किया गया, तत्पश्चात माननीय सदस्य द्वारा बालिकाओं से बातचीतकी गई।महिला थाना निरीक्षण जहां पर मौजूद एक शिकायतकर्ता से रूबरू हुई और इसकी शिकायत को सुनकर तत्काल कार्रवाई के निर्देश प्रभारी निरीक्षक रीना सिंह को दिए।अपराध रजिस्टर के अवलोकन के दौरान प्रभारी निरीक्षक द्वारा आयोग की सदस्य को अवगत कराया गया।कि वर्ष 2024 में कुल सात शिकायतें थाना स्तर पर पंजीकृत की गई।मिशन शक्ति में सभी स्कूलों में और अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।थाना पर साफ सफाई संतोष जनक पाई गई प्रभारी निरीक्षक को निर्देश दिया कि जो मामले सुलह समझौते से निपटाए जाते हैं उनको मीडिया में दिया जाए।आंगनबाड़ी निरीक्षण आयोग के सदस्य द्वारा ललौरीखेड़ा ब्लॉक के ग्राम रूपपुर कमलू में बने आंगनबाड़ी केंद्र पर पहुँची, आंगनबाड़ी केंद्र में पिछले तीन माह से पोषाहार प्राप्त न होनी कि समस्या से आयोग की सदस्या को अवगत कराया।आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों से आयोग की सदस्या ने बातचीत की बच्चों ने कविताएं भी सुने, आंगनबाड़ी केंद्रों पर साफ सफाई संतोषजनक पाई गई। रूपपुर उच्च प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण के दौरान बालिकाओं का शौचालय बंद होने के कारण गंदगी दे नाराजगी व्यक्त करते हुए।उपस्थित स्टाफ को निर्देशित किया शौचालय को ठीक करने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जाए।विद्यालय का मिड डे मील संतोषजनक पाया गया।वृद्धा आश्रम निरीक्षण आयोग की सदस्य समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित ग्राम मचवाखेड़ा के वृद्धा आश्रम का निरीक्षण किया संवासिनियों से बात की हैं।किसी ने भी कोई समस्या नहीं बताई स्टाफ से पंजीकृत लाभार्थियों की संख्या पूछने पर वार्डन ने बताया कि 50 लाभार्थी पंजीकृत हैं।परमानेंट डॉक्टर उपलब्ध न होने पर जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया की परमानेंट डॉक्टर की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए।आयोग की सदस्य ने वृद्ध आश्रम में उपस्थित लाभार्थियों के लिए बना, दोपहर के भजन को गुणवत्ता को दिखा,जोकि संतोषजनक पाया गया,एक लाभार्थी द्वारा दिव्यांग प्रमाण पत्र न बन बन पाने की समस्या को आयोग की सदस्या के समक्ष रखा, जिसके बनवाने के लिए जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिया। इसके पश्चात आयोग की सदस्य बरखेड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची और ओपीडी, वैक्सीनेशन वार्ड,औषधि वार्ड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी अनुपस्थित पाए गए इसके संबंध में जिला चिकित्सा अधिकारी से बात करने पर ज्ञात हुआ कि अनुपस्थिति का कारण उनके संज्ञान में नहीं है।जिसको लेकर नाराजगी जाहिर की है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का शौचालय की साफ सफाई भी संतोषजनक नहीं पाई गई उपस्थित स्टाफ साफ सफाई कराने का निर्देश दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर उपस्थित मरीजों से बातचीत की एवं वैक्सीनेशन भंडारण कक्ष का निरीक्षण संतोष जनक पाया गया।निरीक्षण के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी,जिला कार्यक्रम अधिकारी,जिला समाज कल्याण अधिकारी,बाल विकास परियोजना अधिकारी मरौरी मौजूद रही।

बांग्लादेश में हो रहे हिंदू अत्याचार को लेकर बंगाली समुदाय ने किया प्रदर्शन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। कलीनगर तहसील क्षेत्र के गांव पुरैना तालुके महाराजपुर मैं बंगाली समुदाय के लोग एकत्र हुए। और बांग्लादेश में सनातनी हिंदू के खिलाफ हो रहे अत्याचार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया है। प्रदर्शन को प्रदर्शन को संबोधित करते हुए ग्राम प्रधान राम प्रसाद राय ने कहा कि बांग्लादेश की सरकार हमारे हिंदू भाइयों के खिलाफ लगातार अत्याचार कर रही है बांग्लादेश में बहन बेटियों के साथ अन्याय किया जा रहा है। हमें बात बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। प्रदर्शन में मुख्य रूप से ग्राम प्रधान राम प्रसाद राय,शंकर राय,पूर्व प्रधान आशीष राय,क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सुरेश राहा,विलक गोसाई, मृत्युंजय मजूमदार, निखिल मलिक, गौतम विश्वास, प्रकाश राय, सुखाई ,शिबू मजूमदार सहित दर्जनों बंगाली समुदाय के पुरुष और महिलाएं उपस्थित रही हैं।

आखिर कब मिलेगा पूरनपुर के नागरिकों को जाम से मुक्ति मकड़जाल के साए में पूरा नगर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। नगर में जगह-जगह लग रहा है।जाम राहगीर परेशान नगर में खासकर कोतवाली स्टेशन रोड सहित अन्य मुख्य मार्गो गलियों बाजारों में अवैध अतिक्रमण एवं वाहनों के खास कर टुक टुक अन्यत्रित रूप से चलने व मार्गो पर चार व दो पहिया वाहनों के खड़े रहने एवं दुकानदारों द्वारा सामान को रोड पर लगाने से नगर में अतिक्रमण की समस्या के चलते दिन भर जाम लगा रहता है।पुलिस व प्रशासन के अधिकारी की उदासीनता के चलते नगर के मुख्य मार्गो स्टेशन चौराहा पुलिस चौकी के सामने, शेरपुर रोड ,स्टेशन रोड ,तहसील रोड,ब्लाक, पकड़िया चौराहा राम कृपाल किराना चौराहा आदि स्थानो पर कई कई घंटे जाम लगने से नागरिकों व पैदल चलने वालों का जन जीवन अस्त व्यस्त हो रहा है।नगर में हजारों की संख्या में संचालित ई-रिक्शाओं के संचालन से आवागमन में बाधायें उत्पन्न होती है।शिकायतों पर चर्चा होने के बाद समस्या को अनदेखा कर दिये जाने से नगर के मुख्य मार्गो पर दिन प्रतिदिन अवैध अतिक्रमणकारी हावी होते जा रहे है।जिसके चलते कई कई बार जाम लगते रहते है। पुलिस व प्रशासन की अधिकारियों में होने के बाद भी अधिकारी नगर वासियों को जाम से छुटकारा दिलाने में किसी भी प्रकार की दिलचस्पी नहीं ले रहे। जिसके चलते नागरिकों में काफी रोष दिखाई दे रहा है।

पुलिस ने चोरी की भैंस बिक्री के छप्पन हजार रुपये के साथ दो युवकों को भेजा जेल

तिलोई अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता । थाना मोहनगंज पुलिस द्वारा चोरी की भैंस बिक्री के कुल छप्पन हजार रुपये के साथ दो युवकों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को उप निरीक्षक सुरेश कुमार दीक्षित मय हमराही द्वारा मुखबिर की सूचना पर चोरी के मामले से सम्बंधित उल्ला उर्फ सुलेमान पुत्र सुभान निवासी अयलपुर नट का डेरा मजरे विराज थाना मोहनगंज जनपद अमेठी उम्र करीब बाइस वर्ष व अल्ताब पुत्र सुलेमान निवासी रमई थाना मोहनगंज जनपद अमेठी उम्र करीब बाइस वर्ष को विराज पुल के पास से दिन में गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम द्वारा उल्ला उर्फ सुलेमान के कब्जे से कुल बीस हजार रुपये व अल्ताब के कब्जे से कुल छत्तीस हजार रुपये बरामद हुये। बरामद रुपयों के सम्बंध में पूंछताछ करने पर गिरफ्तार युवकों ने बताया कि हम दोनों ने अपने एक अन्य साथी इस्लाम पुत्र लाल मोहम्मद निवासी अयलपुर नट का डेरा मजरे विराज थाना मोहनगंज जनपद अमेठी के साथ मिलकर तीन दिसम्बर को ग्राम इमिलिहा से भैंस व पड़वा चोरी किये थे जिसे हमलोगों ने कुल साठ हजार रुपये में बेंच दिया जिससे हम तीनों के हिस्से में बीस बीस हजार रुपये आये। इस्लाम ने भैंस चोरी के तुरन्त बाद ही खर्च के लिये चार हजार रुपये ले लिया था शेष रुपये हमलोगों के पास बचे हैं। इस सम्बंध में थाना मोहनगंज के प्रभारी निरीक्षक राकेश सिंह ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा युवकों को जेल भेज दिया गया है और वांछित युवक की तलाश की जा रही है।

महिलाओं पर छीटाकशी करने वाला युवक गिरफ्तार

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना रामगंज पुलिस ने रास्ते से गुजर रही महिलाओं और बालिकाओं पर अभद्र टिप्पणी व छींटाकशी करने वाले एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को हेड कानेस्टिवल संजीव सिंह चौहान मय हमराह द्वारा तलाश वांछित देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन एवं एण्टीरोमियो चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर रास्ते से गुजर रही महिलाओं व लड़कियों पर अभद्र टिप्पणी व छीटाकशी करते हुये मोहित वर्मा पुत्र गंगाराम वर्मा निवासी मवइया थाना रामगंज जनपद अमेठी उम्र करीब बीस वर्ष को बैरघाट नदी की पुलिया के पास से दिन में गिरफ्तार किया गया। थाना रामगंज पुलिस ने मोहित वर्मा के द्वारा किये जा रहे कृत्य के विरुद्ध अभियोग दर्ज कर लिया है और वैधानिक कार्यवाही करने में जुट गई है।

पशु स्वास्थ्य मेले का हुआ आयोजन

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। हाजी रियाजत नूर खान द्वारा पशुओं की बीमारी के संबंध में जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह पीलीभीत से अनुरोध किया गया था। जिसमे शेरपुर कला में जिला सहकारी केंद्र के प्रांगण में पशुओं के परीक्षण कर उपचार करने के लिए पशु चिकित्सा द्वारा कैंप लगाकर पशुओं का परीक्षण कर पशु स्वामियों को दवाई वितरण की गई। जिसमें सभी तरीके के पशुओं को लाकर पशु स्वामीयों ने अपने-अपने पशुओं की दवाई लेकर लाभ उठाया यहां पर उपस्थित पशु चिकित्सा अधीक्षक पूरनपुर आशीष कुमार शर्मा,विकास अग्निहोत्री,सद्दाम हुसैन, मुनेंद्र पाल, धीरू भारती ,स्वास्थ्य पशु टीम के अलावा सहयोग करने वाले हाजी रियाजत नूर खान,राजबल खान, रामदीन भारती, जीशान शाह, मौलाना अजमल खान सहित कई ग्रामवासी उपस्थित रहे हैं।

सीएचसी का सीएमओ ने किया आकस्मिक निरीक्षण जताई नाराजगी

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पूरनपुर का मुख्य चिकित्सा अधिकारी पीलीभीत आलोक कुमार शर्मा ने आकस्मिक निरीक्षण किया है। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी आलोक शर्मा ने दवा वितरण कक्ष,महिला वार्ड, आपातकालीन रूम, डॉक्टरों की उपस्थिति रजिस्टर सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फैली गंदगी के अंबर को देख कर नाराजगी जाहिर की और एमओआईसी मनीष राज को सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए है।

बीडीओ के खिलाफ भारतीय किसान यूनियन ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पूरनपुर। भारतीय किसान यूनियन के मंडल उपाध्यक्ष लालू मिश्रा के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने उप जिला अधिकारी अजीत प्रताप सिंह को एक ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में खंड विकास अधिकारी पूरनपुर के खिलाफ कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न लगातार किया जा रहा है।ज्ञापन में बताया कि भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकर्ताओं की खंड विकास अधिकारी पूरनपुर द्वारा अपमानित किया गया और भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारी जेल भेजने की धमकी दी गई। ज्ञापन में खंड विकास अधिकारी पूरनपुर कार्यकर्ताओं से कहते हैं। कि टोपी और बिल्ला लगाकर कार्यालय में आओगे तो आपके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर देंगे और फर्जी मुकदमे में जेल भिजवा दूंगा अगर जल्द ही खंड विकास अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो भारतीय किसान यूनियन धरना प्रदर्शन करेगी जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से मंडल उपाध्यक्ष लाल मिश्रा,जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र गुप्ता, सर्वेश शुक्ला, दीनदयाल,रमेश चंद्र मिश्रा सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अधिवक्ता पुलिस का विवाद कई घंटे मचा बबाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। नगर निवासी अधिवक्ता अभिषेक जायसवाल पूरनपुर तहसील में विधि का व्यवसाय लगभग 3 वर्षो से कर रहे हैं। दिनांक 11 दिसंबर को करीब लगभग 10:00 बजे अधिवक्ता के मोहल्ले में नशे में धुत पुलिसकर्मी की चार पहिया वाहन से एक एक्सीडेंट हुआ था।

इसमें कुछ लोग घायल हो गए थे।जिनको सीएचसी में भर्ती किया गया था। डॉक्टरो ने घायलों को पीलीभीत रेफर कर दिया था। घटना की जानकारी साथी अधिवक्ता उदित शर्मा ने पुलिस अधीक्षक पीलीभीत को फोन दी। अधिवक्ताओं के साथ पुलिस ने मारपीट के आरोप लगा कर सुबह अधिवक्ता ने की जानकारी प्रगतिशील अधिवक्ता संगठन के अध्यक्ष और मंत्री को दी। जानकारी लगते ही अधिवक्ता साथी भड़क गए नारेबाजी करते हुए सड़क को जाम कर दिया उसके बाद लगभग चार घंटे तक अधिवक्ता तहसील परिसर में दरी बिछा कर धरने पर बैठ गए और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते रहे जानकारी मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र कुमार और सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी तहसील परिसर पहुंचे और अधिवक्ताओं से उप जिलाधिकारी कार्यालय में बैठकर कई वार्तालाप की उसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक ने अधिवक्ताओं को जानकारी देते हुए कहा कि चार पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई कर दी गई है। धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से अध्यक्ष अमिताभ मिश्रा, मंत्री संजय पांडे,विष्णु वर्मा वीरू,नत्थू लाल पांडे,हरीश कुमार, मुकेश कुमार,विशाल शर्मा,नईम खान,युनुस खान, फ़ज़रूल इस्लाम मंजरी, आरिफ,कामरान खा, असलम खान,अजीत सक्सेना सहित सैकड़ो अधिवक्ता मैंजुद रहे हैं।

बुढ़ापे को बुलावा

यह मौजूदा वक्त की विडंबना है कि आय बढ़ने के साथ लोगों ने घर में बने खाने की बजाय डिब्बाबंद प्रसंस्कृत खाने को तरजीह देना शुरू कर दिया है। सूचना माध्यमों के जरिये तुरत-फुरत के खाने के विज्ञापनों का इतने आक्रामक ढंग से प्रचार किया जाता है कि बच्चे क्या, बड़े भी डिब्बाबंद खाने के मुरीद होने लगते हैं। यह जानते हुए कि यह उनकी सेहत पर भारी है। जब घर के बड़े-बुजुर्ग इससे बचाव की सलाह देते हैं तो वे इसे पुरातनपंथी सोच करार दे देते हैं। लेकिन डिब्बाबंद खाने की मुहिम चलाने वाले पश्चिमी देशों को भी अब अहसास हो चला है कि डिब्बाबंद खाने से समय से पहले बुढ़ापा दस्तक देने लगता है। खानपान की पश्चिमी संस्कृति के वाहक इटली में हुए एक शोध ने विकसित देशों को भी नींद से जगाया है। दरअसल, इटली के इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोलॉजी के एक हालिया शोध ने फिक्र बढ़ाने वाला निष्कर्ष दिया है कि डिब्बाबंद भोजन के जरूरत से ज्यादा सेवन से व्यक्ति का शरीर समय से पहले बूढ़ा हो जाता है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि इसके सेवन से हमारे शरीर की कोशिकाएं और ऊतक समय से पहले वृद्ध होने लगते हैं। यदि कोई व्यक्ति बहुत ज्यादा ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करता है तो बुढ़ापा जल्दी आएगा। इस शोध में करीब साढ़े बाइस हजार लोगों को शामिल किया गया। निष्कर्ष में पाया गया कि अधिक मात्रा में जंक फूड व प्रसंस्कृत भोजन का उपभोग करने वाले लोगों की जैविक उम्र अधिक दर्ज की गई। वैज्ञानिकों का दावा है कि हमारे खाने में शामिल प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ के मुक्त कण अन्य स्वस्थ अणुओं के विरुद्ध प्रतिक्रिया देते हैं। चिंता की बात यह है कि ये न केवल डीएनए व आरएनए बल्कि प्रोटीन को भी नुकसान पहुंचाते हैं। जिससे समय से पहले ही शरीर की कोशिकाएं मरने लगती हैं। अंततरू शरीर समय से पहले बूढ़ा होने लगता है। वहीं आशंका जतायी जा रही है कि रासायनिक पदार्थों द्वारा संरक्षित डिब्बाबंद खाना हमारे शरीर में सूजन भी पैदा कर सकता है। इतना ही नहीं कालांतर व्यक्ति मोटापा, हृदय रोग, दूसरी श्रेणी के मधुमेह व गठिया जैसे रोगों का भी शिकार हो सकता है। दरअसल, खाद्य पदार्थों का बाजार चलाने वाली कंपनियों की कोशिश होती है कि खाने को देर तक संरक्षित किया जाए। खाद्यान्न को प्रसंस्कृत करने के लिये सुरक्षित रखने वाले रासायनिक पदार्थों व सोडियम का भरपूर इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा अधिक मात्रा में चीनी तथा शरीर के लिये नुकसानदायक रसायन, वसा व कार्बोहाइड्रेट भी खाने को देर तक चलने लायक बनाने के लिये इस्तेमाल किए जाते हैं। जो आखिरकार हमारी सेहत से खिलवाड़ ही करते हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ कंपनियां अधिक मात्रा में स्टार्च का भी प्रयोग करती हैं। ये कालांतर शरीर में शूगर बढ़ने से मधुमेह का खतरा पैदा कर सकती हैं। अधिक तेल भी सेहत के लिये घातक होता है। सेहत वैज्ञानिक लंबे अरसे से कहते रहे हैं कि डिब्बाबंद खाना व जंकफूड शरीर में मोटापा बढ़ाता है। दरअसल, इसमें विद्यमान ट्रांस फैट कालांतर शरीर में कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा देता है। इससे बाद में कई तरह के रोग पैदा हो जाते हैं। विशेषकर दिल के रोगों के लिये यह घातक साबित हो सकता है। एक अध्ययन बताता है कि हाल के वर्षों में भारतीयों के खाने में डिब्बाबंद भोजन का हिस्सा बढ़ा है। एक भारतीय रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि नई पीढ़ी घरों में खाना बनाने के बजाय डिब्बाबंद खाने को तरजीह दे रही है। जो कालांतर गैर संक्रामक रोगों को ही बढ़ावा देता है। विडंबना यह कि मां-बाप के मना करने के बावजूद नई पीढ़ी के किशोर व बच्चे डिब्बाबंद खाने और फास्ट फूड को अपना मुख्य भोजन बना रहे हैं। यही वजह है कि बड़ी उम्र में होने वाले लाइफस्टाइल के रोग अब बच्चों व किशोरों में भी होने लगे हैं। निश्चित ही इटली में हुआ शोध हमारी आंख खोलने वाला होना चाहिए। लोगों को डिब्बाबंद भोजन से परहेज करने के लिये जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।

भाजपा के खिलाफ 27 में फिर बदलेगा सियासी समीकरण

प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और योगी सरकार की विरोध की हांडी नहीं पक पाने के कारण प्रदेश में एक बार फिर से नए सियासी समीकरण उभरते नजर आ रहे हैं। इस नये समीकरण में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी का अहम रोल हो सकता है। इसी वजह से समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन की कमान ममता बनर्जी को दिये जाने की मांग का भी समर्थन कर रहे हैं। हो सकता है 2027 के विधानसभा चुनाव के समय तक समाजवादी पार्टी कांग्रेसी पंजे से अपना हाथ छुड़ाकर ममता बनर्जी के कहने पर एक बार फिर से मायावती के सात बुआ भतीजे वाला रिश्ता निभाते नजर आए। ऐसा होता है तो यूपी में कांग्रेस को बड़ा झटका लग सकता है। यह संभावना है इसलिए बढ़ रही है क्योंकि पिछले कुछ दिनों या महीनों से कांग्रेस समाजवादी पार्टी के मुस्लिम वोट बैंक में सेंधमारी की कोशिश कर रही है। सपा-कांग्रेस के बीच दूरियां लगातार बढ़ने के साथ एक-दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक मंचों से बयानबाजी भी हो रही है। महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव में कांग्रेस की नाकामी भी इसमें एक अहम कड़ी समझा जा रहा है। यही दूरियां ही हैं कि संसद के अंदर भी सपा-कांग्रेस विभिन्न मुद्दों पर मजबूती से एक साथ नहीं दिख रहे हैं। सपा नेताओं का कहना है कि संभल मामले में उसके सांसद पर मुकदमे दर्ज किए जाने का कांग्रेस ने उस तरह विरोध नहीं किया जैसी उससे अपेक्षा थी। बताते हैं कि लोकसभा में फैजाबाद (अयोध्या) के सपा सांसद अवधेश प्रसाद की सीट पीछे होने पर भी दोनों दलों के रिश्तों में दरार आई है।

उत्तर प्रदेश में बीजेपी के खिलाफ एक बार फिर से सियासी समीकरण काफी तेजी के साथ बदल रहा हैं। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और योगी सरकार की विरोध की हांडी नहीं पक पाने के कारण प्रदेश में एक बार फिर से नए सियासी समीकरण उभरते नजर आ रहे हैं। इस नये समीकरण में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी का अहम रोल हो सकता है। इसी वजह से समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन की कमान ममता बनर्जी को दिये जाने की मांग का भी समर्थन कर रहे हैं। हो सकता है 2027 के विधानसभा चुनाव के समय तक समाजवादी पार्टी कांग्रेसी पंजे से अपना हाथ छुड़ाकर ममता बनर्जी के कहने पर एक बार फिर से मायावती के सात बुआ भतीजे वाला रिश्ता निभाते नजर आए। ऐसा होता है तो यूपी में कांग्रेस को बड़ा झटका लग सकता है। यह संभावना है इसलिए बढ़ रही है क्योंकि पिछले कुछ दिनों या महीनों से कांग्रेस समाजवादी पार्टी के मुस्लिम वोट बैंक में सेंधमारी की कोशिश कर रही है। सपा-कांग्रेस के बीच दूरियां लगातार बढ़ने के साथ एक-दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक मंचों से बयानबाजी भी हो रही है। महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव में कांग्रेस की नाकामी भी इसमें एक अहम कड़ी समझा जा रहा है। यही दूरियां ही हैं कि संसद के अंदर भी सपा-कांग्रेस विभिन्न मुद्दों पर मजबूती से एक साथ नहीं दिख रहे हैं।सपा नेताओं का कहना है कि संभल मामले में उसके सांसद पर मुकदमे दर्ज किए जाने का कांग्रेस ने उस तरह विरोध नहीं किया जैसी उससे अपेक्षा थी। बताते हैं कि लोकसभा में फैजाबाद (अयोध्या) के सपा सांसद अवधेश प्रसाद की सीट पीछे होने पर भी दोनों दलों के रिश्तों में दरार आई है। सपा का मानना है कि सीटिंग प्लान पर बात के समय कांग्रेस ने उसे भरोसे में नहीं लिया। वहीं, कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि सदन में अदाणी मामले में उसे सपा का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। हाल यह है कि जेल में बंद सपा के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री आजम खान ने भी इंडिया ब्लॉक को जेल से एक संदेश भेजा है। इसमें उन्होंने कहा है कि इंडिया ब्लॉक को मुसलमानों पर हो रहे हमलों पर अपनी नीति स्पष्ट करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी को भी लिखा कि संभल की घटना के जैसे ही रामपुर में हुए अत्याचार का मुद्दा भी संसद में उतनी ही मजबूती से उठाना चाहिए। कांग्रेस और सपा के बीच दूरियां तब और बढ़ गईं जब सपा कि तरफ से कहा जाने लगा कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस की जगह तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी को दिए जाने पर सपा को एतराज नहीं है। बता दें लोकसभा चुनाव के बाद कई चुनावों में कांग्रेस की लगातार हार के बाद इंडिया गठबंधन में अंतर्विरोध बढ़ रहे हैं। उधर दूसरी तरफ चर्चा यह भी है कि यूपी की राजनीति एक बार फिर पलट सकती है। सपा और कांग्रेस के बीच आई दूरियों के बीच मायावती का रुख नई राजनीतिक समीकरणों को जन्म दे सकता है। बहराल, सपा नेताओं का कहना है कि संभल मामले में उसके सांसद पर मुकदमे दर्ज किए जाने का कांग्रेस ने उस तरह विरोध नहीं किया जैसी उससे अपेक्षा थी। बताते हैं कि लोकसभा में फैजाबाद (अयोध्या) के सपा सांसद अवधेश प्रसाद की सीट पीछे होने पर भी दोनों दलों के रिश्तों में असहजता पैदा हुई है। सपा का मानना है कि सीटिंग प्लान पर बात के समय कांग्रेस ने उसे भरोसे में नहीं लिया। वहीं, कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि सदन में अदाणी मामले में उसे सपा का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। रिश्तों में खटास का ही नतीजा है कि सपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरणमय नंदा ने कहा कि ममता बनर्जी वरिष्ठ नेता हैं। पार्टी हाईकमान भी यही चाहता है कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी करें। सपा के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल भी कह चुके हैं कि वे राहुल गांधी को इंडिया गठबंधन का नेता नहीं मानते हैं। इंडिया गठबंधन की समन्वय समिति में शामिल सपा के एक नेता बताते हैं कि कांग्रेस गठबंधन को लेकर गंभीर नहीं है। उसके नेता चुनाव के वक्त ही सक्रिय होते हैं जिससे जनाधार नहीं बढ़ता। ऐसे में बेहतर होगा कि गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी करें। भाजपा को मात देने के लिए रणनीति के साथ जनता के बीच लगातार जुटे रहने की जरूरत है। बात बीएसपी की की जाए तो हरियाणा व महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव और यूपी के उपचुनाव में कांग्रेस व सपा के बीच बढ़ी दूरियों का सियासी लाभ बसपा को मिलने की उम्मीद है। पार्टी तेजी से बदले राजनीतिक घटना पर नजर बनाए हुए है। यदि कांग्रेस और सपा के बीच बात नहीं बनी तो इसकी वजह से बनने वाले तीसरे मोर्चा का बसपा अंग बन सकती है। जानकारों की मानें तो वर्तमान में पार्टी को अपना वजूद बचाने और देश की राजनीति में अपनी प्रासंगिकता को बरकरार रखने के लिए इसकी जरूरत भी है। बसपा के

इतिहास पर नजर डालें तो वर्ष 2007 के यूपी विधानसभा चुनाव में उसे बहुमत मिला था। इससे पहले बसपा दूसरे दलों की मदद से सरकार बनाती रही, जिसका लाभ उसे लोकसभा चुनावों में भी मिलता गया। वर्ष 2012 में बसपा ने फिर अकेले दम पर चुनाव लड़ने का फैसला लिया, जो गलत साबित हुआ। यही हाल 2017 के विधानसभा चुनाव में भी हुआ। 2019 में बसपा ने सपा के साथ गठजोड़ कर लोकसभा चुनाव लड़ा और 10 सांसदों वाली पार्टी बनी। हालांकि इसके बाद वर्ष 2022 का विधानसभा चुनाव और 2024 का लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने से उसे भारी नुकसान का सामना करना पड़ गया। अब पार्टी की उम्मीदें तीसरा मोर्चा बनने पर टिकी हैं। वैसे तो मायावती सपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने को तैयार नहीं है लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दोनों दलों को एक मंच पर ला सकती हैं। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो कांग्रेस को दरकिनार कर अगर तीसरा मोर्चा बना तो ममता बनर्जी उसकी निर्विवाद नेता बन सकती हैं। पहले उन्हें मायावती से चुनौती मिलने के जो समीकरण बने थे, वो बीते चुनावों में बसपा के लगातार घटते जनाधार की वजह से ध्वस्त हो चुके हैं। अब बसपा को अपना खोया हुआ जनाधार वापस पाने के लिए दूसरे दलों का सहारा लेना पड़ सकता है। इसके साथ ही बसपा सुप्रीमो ने पुराने बसपाइयों को भी वापस आने का बुलावा दिया है। **–अजय कुमार**

कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म का प्रतिबंध

प्रियंका सौरभ

सोशल मीडिया लोगों के बीच बातचीत के ऐसे माध्यम को संदर्भित करता है, जिसके ज़रिए वे वर्चुअल समुदायों और नेटवर्क में जानकारी और विचारों का निर्माण, साझा और / या आदान-प्रदान करते हैं। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने ऐसे कानून पेश करने की घोषणा की है, जो 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करने से रोकेगा। यह स्पष्ट है कि हमें बच्चों और युवाओं को ऑनलाइन बेहतर तरीके से सुरक्षित रखने की ज़रूरत है। ऑस्ट्रेलियाई मानवाधिकार आयोग का मानना है कि 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना सही नहीं है। ऐसे प्रतिबंधात्मक विकल्प उपलब्ध हैं, जो बच्चों और युवाओं को ऑनलाइन नुकसान से बचाने के उद्देश्य को प्राप्त कर सकते हैं। सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही बढ़ाने और सभी के लिए ऑनलाइन सुरक्षा में सुधार का तरीका निकाला जा सकता है। सोशल मीडिया बच्चों और युवाओं को साइबरबुलिंग, हानिकारक सामग्री और ऑनलाइन शिकारियों सहित कई संभावित जोखिमों के संपर्क में लाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग स्वस्थ मस्तिष्क विकास, नींद और शैक्षणिक प्रदर्शन में बाधा डाल सकता है। प्रस्तावित कानून एक सुरक्षित विकासात्मक वातावरण का समर्थन करता है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म उपयोगकर्ताओं से बड़ी मात्रा में व्यक्तिगत डेटा एकत्र करते हैं और बच्चे पूरी तरह से समझ नहीं पाते हैं कि उनका डेटा कैसे एकत्र किया जाता है, उपयोग किया जाता है या उसका मुद्रीकरण किया जाता है। युवा उपयोगकर्ताओं के लिए पहुँच पर प्रतिबंध लगाने से गोपनीयता के उल्लंघन और बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा व्यक्तिगत डेटा के शोषण को कम करने में मदद मिल सकती है। पहुँच को प्रतिबंधित करने से माता-पिता और अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों को बेहतर ढंग से निर्देशित करने और यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि वे पर्यवेक्षित तरीके से तकनीक से जुड़ें। हमें बच्चों और युवाओं को ऑनलाइन स्पेस को बेहतर तरीके से नेविगेट करने में मदद करने की भी आवश्यकता है, यह सुनिश्चित करके कि राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में डिजिटल साक्षरता और ऑनलाइन सुरक्षा सिखाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। युवाओं को इस बारे में गंभीरता से सोचना सिखाया जाना चाहिए कि वे ऑनलाइन क्या देखते हैं और वे सोशल मीडिया से कैसे जुड़ते हैं। माता-पिता और शिक्षकों को उचित मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने में मदद करने के लिए बेहतर उपकरणों और संसाधनों की भी आवश्यकता है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स व्यक्तियों और संगठनों को पारंपरिक प्रचार या शैक्षणिक तरीकों से बेजोड़ गति से जानकारी साझा करने और आदान-प्रदान करने में सक्षम बनाती हैं। सोशल मीडिया ने लोगों के बीच जानकारी साझा करने के तरीके को बदल दिया है। नतीजतन, यह निर्णय लेने में नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करके सुशासन को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सोशल मीडिया के फायदों में से एक यह है कि यह सशक्तिकरण के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरा है। सोशल मीडिया ने नागरिकों और उनकी चुनी हुई सरकार और राजनेताओं के बीच की खाई को कम किया है, जिससे लोकतंत्र में अधिक भागीदारी हुई है। गलत सूचना के प्रसार का मुद्दा सोशल मीडिया का सबसे बड़ा नुकसान बनकर उभरा है। सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग मस्तिष्क के उन हिस्सों को बदल सकता है जो भावनाओं और सीखने से सम्बंधित हैं। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशा-निर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021. सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को शिकायत निवारण और अनुपालन तंत्र स्थापित करने के लिए कहा गया है, जिसमें एक शिकायत अधिकारी, मुख्य अनुपालन अधिकारी और एक नोडल संपर्क व्यक्ति की नियुक्ति शामिल है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इन प्लेटफॉर्म को उपयोगकर्ताओं से प्राप्त शिकायतों और की गई कार्यवाही पर मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी कहा है। इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप को संदेश के पहले स्रोत को ट्रैक करने के लिए प्रावधान करना होगा। धारा 79 में कहा गया है कि किसी भी मध्यस्थ को उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध या होस्ट की गई किसी भी तीसरे पक्ष की जानकारी, डेटा या संचार लिंक के लिए कानूनी रूप से या अन्यथा उत्तरदायी नहीं ठहराया जाएगा। यदि मध्यस्थ, सरकार या उसकी एजेंसियों द्वारा सूचित या अधिसूचित किए जाने के बावजूद, प्रश्नगत सामग्री तक पहुँच को तुरंत अक्षम नहीं करता है, तो सुरक्षा प्रदान नहीं की जाती है। एक व्यापक पारदर्शिता कानून की आवश्यकता है जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द्वारा प्रासंगिक खुलासे को अनिवार्य बनाता है। इसके अतिरिक्त, सामग्री मॉडरेशन और सम्बंधित कार्य जैसे मानक सेटिंग, तथ्य-जांच और डी-प्लेटफ़ॉर्मिंग को शामिल किया जाना चाहिए।

सेहत मंत्र

सेहत के लिए वरदान समान हैं बथुआ की पत्तियां

ठंड का मौसम वास्तव में आपकी सेहत के लिए बेहद अच्छा माना जाता है। दरअसल, इस मौसम में आपको कई तरह की हरी पत्तेदार सब्जियां खाने का मौका मिलता है और यह तो हम सभी जानते हैं कि हरी सब्जियां सेहत के लिए कितनी लाभकारी हैं। इन हरी पत्तेदार सब्जियों में एक है बथुआ। सर्दियों में लोग अक्सर बथुआ को कभी रायता तो कभी परांठे के रूप में खाते हैं। डायटीशियन के अनुसार, बथुआ के पत्तों में अमीनो एसिड की उच्च मात्रा पाई जाती है। अमीनो एसिड्स शरीर के लिए बेहद जरूरी माने जाते हैं, क्योंकि यह कोशिका निर्माण और कोशिका की मरम्मत के लिए आवश्यक हैं। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर आप हेल्थ कॉन्शियस हैं, तब भी आप बथुआ का सेवन बेहद आसानी से कर सकते हैं। दरअसल, अन्य सभी हरी सब्जियों की तरह, बथुआ में कैलोरी काफी कम पाई जाती है। 100 ग्राम बथुआ से आपको लगभग 43 कैलोरी की मिलती है। आमतौर पर हम फाइबर की महत्ता को शरीर के लिए समझ नहीं पाते, लेकिन यह आपके लिए बेहद जरूरी है। दरअसल, यह आपको लंबे समय तक फुल रखता है, जिसके कारण आप ओवर ईटिंग से बच जाते हैं। साथ ही फाइबर पाचन तंत्र के लिए भी बेहद लाभदायक माना जाता है। बथुआ में भी फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में आपको इसका सेवन जरूर करना चाहिए। बथुआ में कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम और विटामिन ए, सी और बी 6 से भरपूर होता है। ये सभी सूक्ष्म पोषक तत्व आपके शरीर की कार्यप्रणाली को सुचारू रूप से कार्य करने में मदद करते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर आप बथुआ को अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं तो इससे आपके लिवर को भी काफी लाभ प्राप्त होता है। इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि इसे ब्लड प्यूरिफायर के रूप में जाना जाता है। यह आपके लिवर को टॉक्सिन्स से बचाने में आपकी मदद करेगा।

धर्म मंत्र

51 शक्ति पीठों में शामिल माता 'तारा तारिणी' का मंदिर

भारत को मंदिरों का देश कहा जाता है। हमारे देश में शायद ही ऐसा कोई छोटा-बड़ा शहर हो, जहां पर एकाधिक मंदिर ना हों। मंदिर हमारी आस्था, हमारी प्राचीन परंपरा के केंद्र रहे हैं, और मंदिर इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि हर अवस्था में मनुष्य का आध्यात्मिक संबल बना रहे। साथ ही पर्यटन की दृष्टि से भी मंदिरों का हमारी संस्कृति में खास महत्व है। बेहद प्रसिद्ध प्राचीन मंदिरों को देखने के लिए लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं, और वहां से अच्छी यादें, अच्छी सीख ले कर जीवन में थोड़ा बहुत ही सही सकारात्मक अवश्य होते हैं। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह दो जुड़वा देवियों 'तारा और तारिणी' देवी को समर्पित है। दूसरी जो सबसे बड़ी खासियत यह है कि भारत में आदि शक्ति के 51 शक्तिपीठों में से तारा तारिणी मंदिर भी एक पीठ माना जाता है, जिसे कल्याणी धाम के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर उड़ीसा के ब्रह्मपुर में स्थित है। यह मंदिर जिस पहाड़ी पर स्थित है, उस पहाड़ी का नाम ही 'तारा तारिणी' पहाड़ी ही है। बगल में 'रुशिकुल्या' नदी बहती है। जैसा कि हम सबको पता ही है कि, जिन-जिन स्थानों पर देवी सती के अंग गिरे थे, उन स्थानों को शक्तिपीठ माना गया है। बात अगर तारा और तारिणी मंदिर की करें, तो इस स्थान पर देवी के स्तनों की पूजा होती है। वैसे इस मंदिर को लेकर एक कथा स्थानीय स्तर पर प्रचलित है, जिसके अनुसार एक ब्राह्मण जिनका नाम 'वासु प्रहरजा' था, वह देवी के बड़े भक्त थे।

पर्यटन

भारत में स्कीइंग के शौकीनों के लिए बेहतरीन गंतव्य स्थल

स्कीइंग, मनोरंजन, खेल, और परिवहन का एक तरीका है, जिसमें एक जोड़ी लंबे, सपाट रनर्स का उपयोग करके बर्फ पर चलना शामिल होता है, जिसे स्की कहा जाता है और यह आपके जूते या बूट से जुड़ा होता है। प्रतिस्पर्धी स्कीइंग को अल्पाइन, नॉर्डिक और फ्रीस्टाइल घटनाओं में विभाजित किया गया है। स्पीड स्कीइंग और स्नोबोर्डिंग जैसी प्रतियोगिताओं में भी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। सीधे शब्दों में स्कीइंग बर्फ पर फिसलने के लिए स्की का उपयोग करके परिवहन का एक साधन है। कई प्रकार की स्कीइंग स्पर्धाओं को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति और अंतर्राष्ट्रीय स्की महासंघ द्वारा मान्यता प्राप्त है। उत्तरी भारत में शक्तिशाली हिमालय है, जो लोगों को यहां स्कीइंग करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। भारत में प्रमुख स्कीइंग गंतव्य हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और जम्मू और कश्मीर में स्थित हैं। यदि आप बर्फ से प्यार करते हैं और स्कीइंग का आनंद लेना चाहते हैं, तो हम आपको भारत के शीर्ष स्कीइंग स्थलों के बारे में बताते हैं, जो आपको एक अद्भुत और साहसिक अनुभव प्रदान करते हैं। पहलगाम जम्मू और कश्मीर में अनंतनाग जिले का एक ख़ूबसूरत शहर है। यह शहर हिमालय के पश्चिमी क्षेत्र से घिरा हुआ है। पहलगाम यहाँ के शानदार मार्गों के कारण ट्रेकर्स के लिए प्रसिद्ध है। सर्दियों के दौरान भारी बर्फबारी होती है, जो इसे एक आदर्श स्कीइंग स्पॉट में बदल देती है। पहलगाम में मुख्य स्कीइंग बिंदु अरु है जो थोड़ी दूरी पर स्थित है और यहां स्कीइंग करते समय परमानंद को महसूस करने के लिए एक आदर्श स्थान है। गुलमर्ग एक शहर, एक हिल स्टेशन, एक लोकप्रिय स्कीइंग गंतव्य और भारत के जम्मू और कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित एक अधिसूचित क्षेत्र समिति है। यह शहर पश्चिमी हिमालय में पीर पंजाल रेंज में स्थित है और गुलमर्ग वन्यजीव अभ्यारण्य की सीमाओं के भीतर स्थित है।

योगी-मोदी की सरकार में निरंतर प्रगति कर रहा है राज्य : साकेन्द्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी। कुर्सी विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा ने उच्च प्राथमिक विद्यालय सरसवा में आयोजित ग्राम प्रधान/स्थानीय प्राधिकारी निकाय के सदस्यों के ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते कहा कि जबसे उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार और केन्द्र में मोदी सरकार आई है तबसे देश निरंतर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक श्री साकेंद्र व बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष देव पांडे द्वारा संयुक्त रूप से किया।खंड शिक्षा अधिकारी निंदूरा सुषमा सेंगर ने उन्मुखीकरण कार्यक्रम में डीबीटी,निपुण भारत मिशन ,स्थानीय समुदाय की विद्यालय में भूमिका तथा आकांक्षी ब्लॉक के संकेतको की विस्तृत रूप रेखा प्रस्तुत की। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बाराबंकी द्वारा सरकार की विभिन्न शैक्षिक योजना डीबीटी, निपुण भारत मिशन पर विस्तृत चर्चा की तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की।

अतिरिक्त कक्ष का किया शिलान्यास -

विधायक कुर्सी ने साकेंद्र प्रताप ने प्राथमिक विद्यालय सिरसईपुर, प्राथमिक विद्यालय कोढ़वा ,प्राथमिक विद्यालय बिजौली ,प्राथमिक विद्यालय टिकैतगंज प्रथम का अतिरिक्त कक्ष का शिलान्यास भी किया। बच्चो और शिक्षकों को किया गया सम्मानित''- राष्ट्रीय विज्ञान आविष्कार में चयनित टॉप 10 बच्चों राजवीर, दिव्या, उज्जवल कुमार ,श्रद्धा सिंह ,राखी ,दीपाली यादव, साक्षी भारती,रोशनी सौरभ, नीरज कुमार को विज्ञान किट तथा प्रमाण पत्र देकर का सम्मानित किया गया द्य इनके नोडल शिक्षक रूपी ददोरिया, आशिया रिजवी, अलका बैसवार ,सुनीता राय, रेखा कटियार, सरिता पांडे, संध्या, निर्मला सिंह, शैलजा मिश्रा को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर बच्चों ने मोहा मन

उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित हुए ग्राम प्रधान - इस मौके पर ग्राम प्रधान अंकित वर्मा सरसवा ,विनोद मौर्य झरसवां,अमर सिंह बंदगी नगर, हरी ओम मौलाबाद ,प्रतिनिधि दिनेंद्र वर्मा इटौंजा, अंकित गुप्ता पलिया, अभय सैनी लिलौली को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कंपोजिट विद्यालय परवर भारी ,उच्च प्राथमिक विद्यालय सरसवा तथा कंपोजिट विद्यालय बहरौली तथा कंपोजिट विद्यालय बजगहनी के बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया ।

बिजली बकायेदारों को एक मुस्त समाधान के बारे में रैली निकाल कर किया गया जागरूक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। एक मुस्त समाधान योजना के अंतर्गत बिजली के बकाएदारो को सरकार के द्वारा बहुत बड़ा तोहफा मिल रहा है। यह योजना 15 दिसंबर से लेकर 31 जनवरी तक ही लागू है। इस योजना में उपभोक्ताओं को बकाए का 30% पंजीकरण राशि के रूप में जमा करना होगा। इस योजना के अंतर्गत सभी बिजली कनेक्शन धारकों को इसका लाभ दिया गया है। इस योजना के अंतर्गत जल्दी आए ज्यादा लाभ पाए। यह योजना उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा लागू की गई है। उपभोक्ताओं की जानकारी हेतु इस कार्यक्रम को रैली के माध्यम से एसडीओ मनोज यादव जे ई अनुराग वर्मा विनय यादव लाइनमैन नायब हसन रामदेव यादव कमलेश कुमार सहित बिजली विभाग के सभी लोगों ने सहभागिता करके लोगों को अधिक लाभ की विशेष जानकारी दी ।

संदिग्ध हालातों में पेड़ से लटकता मिला दिव्यांग युवक का शव, पुलिस जांच में जुटी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेही घाट बाराबंकी। असंद्रा थाना क्षेत्र में बीते बुधवार को घर से निकले युवक का शव गुरुवार को संदिग्ध हालातों में पेड़ से लटकता मिला ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा है ।

थाना क्षेत्र के दुर्गापुर गांव निवासी राजा सिंह करीब (18) वर्ष पुत्र नरेंद्र बहादुर सिंह अपनी बहन के साथ घर पर रहता था ।उसके माता पिता का बचपन में ही निधन हो गया था ।उसके दो अन्य भाइयों का भी अलग अलग हादसों में निधन हो चुका है ।बताया जाता है कि बीते बुधवार की शाम राजा घर से निकला था ।काफी देर बीतने पर जब वह घर नहीं लौटा तो घर पर उसकी बहन चिंतित हो गई और आसपड़ोस में उसके बारे में जानकारी की लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला।गुरुवार सुबह गांव के बाहर राजा का शव एक पेड़ से लटकता मिला ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।कोतवाली प्रभारी असंदरा जे पी सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया आत्महत्या लग रहा है,शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है मेडिकल रिपोर्ट के आने पर स्थिति स्पष्ट होगी उसी अनुसार कारवाई संपादित की जाएगी।

सभा में बोले अधिवक्ता, नहीं रहे नेक दिल और सफल साथी अधिवक्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। मृदा स्वभाव और नेक दिल दो अधिवक्ताओं की आज असामयिक मौत से अधिवक्ता परिवार शोकाकुल है। वरिष्ठ अधिवक्ता लल्लन यादव और अजीत झां की असामयिक मौत की खबर सार्वजनिक होते? ही अधिवक्ता परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। साथियों की अचानक मौत से अधिवक्ता गण स्तब्ध थे।

जिला बार एसोसिएशन सभागार में एक सभा का आयोजन कर युवा अधिवक्ता स्व लल्लन सिंह यादव के चित्र का अनावरण किया गया।

सभा का आयोजन बार एसो में स्व लल्लन सिंह यादव के जूनियर एडवोकेट संजय यादव ने बार एसो के सहयोग से किया।

इस अवसर पर जिला बार एसो के अध्यक्ष हिसाल बारी किदवई,महामंत्री अशोक वर्मा,वरिष्ट उपाध्यच देवेन्द्र यादव,अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष कौशल किशोर त्रिपाठी,पूर्व अध्यक्ष मुचकुंड वर्मा,बृजेश दीक्षित,सुरेंद्र सिंह बब्बन,जगत बहादुर सिंह,भारत सिंह यादव, नरेन्द्र वर्मा,पूर्व वरिष्ट उपाध्यक्ष शंकर दयाल शर्मा,रमन द्विवेदी,सी बी सिंह,अनूप कल्याणी,सुरेश चंद्र गौतम,आर पी गौतम,अनिल कुमार शुक्ला,हुमायूं नईम खां,सतीश पांडेय,फारुख मुबीन, निषात अहमद,रेहान मुस्तफा आदि सैकड़ों अधिवक्ता जनों ने स्व लल्लन यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें प्रथम पुण्य तिथि पर नमन किया, हर किसी ने लल्लन यादव की कार्यशैली वा व्यवहार की तारीफ की।

बताते चलें कि गत वर्ष 12दिसम्बर को लल्लन सिंह यादव एडवोकेट का आकस्मिक निधन हो गया था।वे जिला बार एसोशिएशन के सदस्य थे।

किसी भी मॉडल निर्माण के लिए उसके सभी पहलू सिद्धांत को समझना आवश्यक : डीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी । जिज्ञासा हमारे जीवन मे सीखने की प्रक्रिया को सतत गतिशील रखती है। ज्ञान की वृद्धि के लिए सदैव अपने आस पास की घटनाओं का सूक्ष्म अवलोकन महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। किसी भी मॉडल के निर्माण के लिए उसके सभी पहलुओं और सिद्धान्त को समझना आवश्यक है।'' यह विचार जिलाधिकारी श्री सत्येन्द्र कुमार ने जिला विज्ञान क्लब के तत्वावधान में आयोजित जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। राजकीय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों की इस जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में 70 विद्यालयों के107 मॉडल प्रदर्शित किए गए।

इसके पूर्व जिलाधिकारी श्री सत्येन्द्र कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक श्री ओ पी त्रिपाठी जीजीआईसी बाराबंकी की प्रधानाचार्या नन्दिता सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन एवं माता सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी महोदय के द्वारा विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित मॉडल का निरीक्षण भी किया और अनेक मॉडल की सराहना भी की गयी। जिला विद्यालय निरीक्षक श्री ओ पी त्रिपाठी के द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों में अपने आस-पास की समस्याओं के निदान के लिए वैज्ञानिक सोच के साथ किये गए प्रस्तुत किए गए विभिन्न मॉडल के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा यह विद्यार्थियों की प्रतिभा प्रदर्शित करने का श्रेष्ठ मन्च है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक आशीष पाठक ने कहा कि विज्ञान मात्र किताबो तक सीमित नही है इसको दैनिक जीवन मे घर की दहलीज से लेकर विद्यालय के कक्षा कक्ष तक आसानी से महसूस किया जा सकता है।उन्होंने कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और इस वैज्ञानिक सोच के साथ निर्मित मॉडल के उपयोगिता पर ध्यान देने की बात कही।

मॉडल प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल के सदस्यों श्री ज्ञान प्रकाश , व्याख्याता मेकेनिकल राजकीय पॉलीटेक्निक हरख, श्री आनंद कुमार यादव प्रवक्ता डायट गनेशपुर , राजकीय पॉलीटेक्निक हरख से साक्षी मिश्रा और कृषि विज्ञान केंद्र हैदरगढ़ के प्रभारी वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ अश्विनी कुमार सिंह द्वारा सभी मॉडल का गहन निरीक्षण एवं प्रतिभागियों से प्रश्नोत्तर के माध्यम से मॉडलों का मूल्यांकन किया। इस आधार पर जीआईसी बाराबंकी के मो0 समीर को एन्टी स्लीप अलार्म के लिए प्रथम स्थान, अजीमुद्दीन अशरफ इस्लामिया इण्टर कालेज की आकांक्षा सिंह को वायरलेस पावर ट्रांसमिशन के लिए द्वितीय तथा नेशनल इण्टर कालेज, फतेहपुर की संध्या पाल एवं दामिनी यादव को हीड्रोपोनिक्स फार्मिंग के लिए तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ ।इनको क्रमशः 5 ,3 तथा 2 हजार रुपये का डमी चेक तथा प्रमाण पत्र तथा मोमेंटो दिया गया। इसी के साथ बी पी शुक्ला इंटर कालेज त्रिलोकपुर के मो0 वैस एवं लाल बहादुर शास्त्री इण्टर कालेज दरियाबाद के राज वर्मा, अमन को सांत्वना पुरस्कार के रूप में प्रमाण पत्र , मोमेंटो और एक हजार रुपये की धनाराशि का डमी चेक जिला विद्यालय निरीक्षक के कर-कमलों द्वारा प्राप्त हुआ। पुरस्कार की धनराशि इनके खाते में भेजा जाएगा। इसके अतिरिक्त इन स्थान प्राप्त मॉडल के साथ मण्डल स्तर पर भेजे जाने हेतु चयनित मॉडल में आज़ाद इं0 इं0 कालेज फतेहपुर की सना, राजकीय हाई स्कूल असदामऊ बेलहरी की सुनीता,सबा , जीआईसी बाराबंकी के वफ़ा अब्बास , राजकीय हाई स्कूल न्यामतपुर की तनु , राजकीय इण्टर कालेज सिरौलीगौसपुर के अभिषेक , जीजीआईसी बाराबंकी की आयुषी सोनी, पी डी जैन इं0 कालेज टिकैतनगर की आकांक्षा सोनी, फतेहचंद्र जगदीश राय इण्टर कालेज सफदरजंग की सानिया, संजीवनी एवं यूनियन इण्टर कालेज रामनगर के जयदीप के मॉडल का भी चयन किया गया है।

प्रशिक्षण, आउट आफ़ स्कूल शिक्षा से जुड़ेगे बच्चे, प्रशिक्षण

सिरौली गौसपुर बाराबंकी। परिषदीय स्कूलों में आउट आफ स्कूल बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सिरौलीगौसपुर में तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण का शुभारंभ खण्ड शिक्षाधिकारी संजय कुमार द्वारा किया? गया। गुरुवार को प्रथम दिवस प्रधानाध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया। पारिवारिक दिक्कत या फिर किसी कारणवश तमाम बच्चे बीच में शिक्षा छोड़ देते हैं। ऐसे में आउट आफ स्कूल (7 से 14 वर्ष) के बच्चों को फिर से शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने को लेकर शासन पूरी तरह से गंभीर है। ऐसे बच्चे चिह्नित किए गए हैं जिन्होंने एक-दो वर्ष बाद या फिर कक्षा पांच-छह में पहुंचने के बाद विद्यालय से किनारा कर लिया था। इनके अभिभावकों को प्रेरित कर फिर से इनका नामांकन नजदीकी परिषदीय स्कूलों में कराया गया। इन बच्चों को अन्य बच्चों के सापेक्ष तैयार करने के लिए शासन ने अलग के विशेष प्रशिक्षण देने की योजना शुरू की है।सिरौलीगौसपुर खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर प्रशिक्षक आशुतोष आनंद अवस्थी, विकास जायसवाल, के द्वारा परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक को प्रशिक्षण दिया। जिसमें साइकिल या अन्य उपकरण से बच्चों को किस तरीके से पढ़ाया जा सकता है उसके बारे में बताया गया। इस अवसर पर संगीता तिवारी, अभिषेक सिंह बबीता यादव, अमित वर्मा, विनीता, समरीन, सर्वेश कुमारी, अजीज अंसारी,सहित अनेक प्रधानाध्यापक शिक्षक गण मौजूद रहे।

अनियंत्रित अपाचे गढ्ढे में गिरी बाइक चालक की मौत

मसौली बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। वैवाहिक कार्यक्रम से वापस लौट रहे आपाचे सवार दो युवकों की अनियंत्रित बाक हाइवे के किनारे खाई मे पलट गयी जिसमे एक 28 वर्षीय युवक की मौक़ेपर ही मौत हो गयी। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है । सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम दादरा निवासी 28 वर्षीय चंद्रप्रकाश पुत्र हरीशंकर वर्मा प्यारेपुर सरैया निवासी लवकुश पुत्र निर्मल के साथ बुधवार की देर को मानपुर डिहुआ मे एक वैवाहिक कार्यक्रम मे गया था वापिस के दौरान ककरहा मजार के निकट अपाची बाईक असुंतलित होकर खाई मे पलट गयी जिससे 28 वर्षीय चंद्रप्रकाश की मौक़ेपर मौत हो गयी तथा लवकुश को आंशिक चोट आयी है। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हादसे में बाइक चालक की मौत

मसौली बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। सफदरगंज थाना क्षेत्र के मिर्ज़ापुर ककहरवा मज़ार के निकट बुधवार की रात्रि सड़क दुघर्टना में बाइक चालक की घटनास्थल पर हुई मौत हुई। जयपुर साथी मामूली चोटिल हुआ। सफदरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दादरा निवासी चंद्र प्रकाश वर्मा पुत्र हरिशंकर वर्मा 28 वर्षीय व थाना क्षेत्र के प्यारेपुर सरैंया निवासी लवकुश पुत्र निर्मल दोनों लोग बाइक से बुधवार की रात को मानपुर डिहवा में तिलक समारोह में शामिल हो कर घर वापस लौट रहे थे कि तकिया रोड मिर्ज़ापुर ककहरवा मज़ार के निकट पहुंचे हि थे कि अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर से बाइक चालक चंद्र प्रकाश वर्मा की मौके पर ही मौत हो गई व दूसरा सवार लवकुश को मामूली चोटें आई। सूचना पर पहुंची सफदरगंज थाना के रसौली चौकी प्रभारी संजय कुमार ने पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिलामुख्यालय भेज दिया। काश मृतक ने हेलमेट लगा कर तिलक समारोह में जाता तो शायद गंभीर घटना ना होती। और मासूम केसर से पिता का साया ना उठता।

बहरौली मस्तराम कुटी पर भव्य भंडारा, श्रद्धालुओं ने छक्का प्रसाद

निंदूरा बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। गुरुवार को बाबामस्तराम दास आश्रम प्रांगण में विशाल भंडारा और हवन पूजन संपन्न हुआ। आश्रम पर पहुंचे श्रद्धालुओं ने हवन पूजन के साथ बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर आयोजित भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। विकास खंड निंदूरा क्षेत्र के ग्राम बहरौली स्थित प्रसिद्ध बाबा मस्तराम दास कुटी पर्यटनस्थल पर प्रत्येक माह की पूर्णिमा के पहले गुरुवार को हवन व पूजन के साथ भंडारे का आयोजन होता है।कुटी के प्रति आसपास क्षेत्र के अलावा दूर दराज ज़िलों के लोगों की गहरी आस्था है ।गुरुवार को यहां पर दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। लखनऊ , सीतापुर, लखीमपुर , बहराइच, हरदोई आदि जनपदों से श्रद्धालु यहां पहुंचे।परिजनों व बच्चों के साथ पहुंचे श्रद्धालुओं ने हवन पूजन में शामिल होने के बाद बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।सुबह से ही दर्शन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ देर शाम तक लंबी-लंबी कतारें लगी रही। मेले व भंडारे का हुआ आयोजन - क्षेत्रीय दुकानदारों ने परिसर के आसपास दुकानें लगाई जिसमें बच्चों तथा महिलाओं ने जमकर खरीदारी की। बच्चों ने झूलों का आनंद लिया। दूरदराज क्षेत्रों से आए हुए श्रद्धालुओं ने आश्रम पर आयोजित भंडारे में एक एक पंगत में सैकड़ों लोगों ने एक साथ भंडारे का आनंद लिया। भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पूड़ी सब्जी खीर का प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर कुर्सी थाना प्रभारी निरीक्षक गजेंद्र प्रताप सिंह,श्रीश रावत,दीपक यादव,उमेश यादव,कैलाश यादव व सैकड़ों भक्तगण उपस्थित रहे।

नगदी जेवरात ले उड़े चोर

निंदूरा बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। कुर्सी थाना क्षेत्र के दरावां में जयप्रकाश के मकान का देर रात मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर बदमाश मकान में दाखिल हुए,और कीमती आभूषण व नकदी ले उड़े। परिवार के लोग जिन कमरों में सो रहे थे उनमें बाहर से कुंडी बंद कर दी थी। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

जय गुरुदेव सत्संग, आज पधारेंगे संत उमाकांत

रामनगर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। गणेशपुर मोड़ पर ग्राम लोहटी जई के बाढ़ केंद्र के विशाल मैदान में बाबा जयगुरुदेव जी के उत्तराधिकारी संत बाबा उमाकांत जी महाराज का उज्जैन आश्रम से 13 दिसंबर शुक्रवार को शुभ आगमन होगा।बाराबंकी संगत के व्यवस्थापक एडवोकेट अजय प्रताप सिंह ने बताया कि बाबाजी के सत्संग का कार्यक्रम 13 दिसंबर को दोपहर 12:00 बजे से प्रस्तावित है जिसमे भक्तों को सत्संग व प्रभु प्राप्ति का रास्ता नामदान प्रदान किया जाएगा।इस कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूर्ण हो गई हैं।विदित हो कि इस कार्यक्रम में रामनगर सूरतगंज हैदरगढ़ बाराबंकी आदि क्षेत्रों के भक्तों हेतु अलग अलग भंडारे आयोजित किए जाएंगे जहां भोजन प्रसाद वितरित किया जाएगा।संत उमाकांत जी का प्रवचन सत्संग सुनने हेतु यहां पर कई हजार भक्तों के इकठ्ठे होने की संभावना है।

महिला की हत्या, आरोपी को आजीवन कारावास, 15 हजार अर्थ दंड भी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। एक महिला की हत्या संबंधी मुकदमे की सुनवाई करते हुए अपर जिला जज कमल कंात श्रीवास्तव ने कातिल को दोषी करार दे, आजीवन कारावास व 15 हजार अर्थदंड से दण्ड की सजा सुनाई। जिला सहायक शासकीय अधिवक्ता मथुरा प्रसाद वर्मा ने अभियोजन कथानक का ब्योरा देते हुए बताया कि वादी मुकदमा पवन कुमार पुत्र राधे निवासी मदार पुर थाना कुर्सी की मां राधा रावत उम्र 45 वर्ष के पति राधे लाल का देहांत हो गया था।इस कारण वादी की मां राधा ने अपने देवर मोहन के साथ नवरात्रि में बतौर पत्नी रहने लगी थी किंतु मोहन रावत वादी की मां राधा को मारता पीटता था।इस कारण राधा पुनः अपने बच्चो के साथ/वादी के साथ रहने लगी थी। इससे मोहन रावत राधा से नाराज रहने लगा तथा कई बार राधा पर साथ रहने का दबाव बनाने लगा किन्तु राधा ने मोहन रावत के साथ रहने से मना कर दिया।इसी नाराजगी के चलते 14 जनवरी 2020 को मौका पाकर घर के पीछे से राधा के घरमे घुस कर,दरवाजा बंद कर राधा की बांका से काट कर निर्मम हत्या कर दी थी। हत्या करने के बाद मोहन रावत बांका लहराता हुआ भाग निकला था। न्यायालय ने मामले की सुनवाई पूरी कर मोहन रावत पुत्र रूप चन्द निवासी मदार पुर थाना कुर्सी को हत्या का दोषी करार देकर आजीवन कारावास तथा 15 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

मोदीनगर में चला जीडीए का बुलडोजर, 30 हजार वर्ग मीटर में विकसित की जा रही दो अवैध कालोनी ध्वस्त

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) का बुलडोजर गुरुवार को मोदीनगर में चला तथा वहां पर 30,000 वर्ग मीटर भूमि पर अवैध रूप से विकसित की जा रही दो कॉलोनी को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया। यह अभियान जोन 2 के प्रभारी व अपर सचिव पीके सिंह के नेतृत्व में चला। पीके सिंह ने बताया कि पहले उन्होंने प्रवर्तन जोन-2 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मोदीनगर क्षेत्र में खसरा संख्या 835 ग्राम-सीकरी खुर्द, निकट संजीवनी स्टेट कॉलोनी के पास विक्रम सिंह, विपिन कुमार व संजीव कुमार द्वारा लगभग 10 हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में अवैध प्लाटिंग के लिए सड़क पर टाइल्स लगाने का कार्य पूर्व में किया गया।

महिला की हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। महिला की हत्या संबंधी एक मुकदमे का फैसला सुनाते हुए अपर जिला जज कमल कंात श्रीवास्तव ने कातिल को दोषी करार देकर आजीवन कारावास वा 15हजार रूपये अर्थदंड से दण्डित किया। जिला सहायक शासकीय अधिवक्ता मथुरा प्रसाद वर्मा ने अभियोजन कथानक का ब्योरा देते हुए बताया कि वादी मुकदमा पवन कुमार पुत्र राधे निवासी मदार पुर थाना कुर्सी की मां राधा रावत उम्र 45 वर्ष के पति राधे लाल का देहांत हो गया था।इस कारण वादी की मां राधा ने अपने देवर मोहन के साथ नवरात्रि में बतौर पत्नी रहने लगी थी किंतु मोहन रावत वादी की मां राधा को मारता पीटता था।इस कारण राधा पुनः अपने बच्चो के साथ/वादी के साथ रहने लगी थी। इससे मोहन रावत राधा से नाराज रहने लगा तथा कई बार राधा पर साथ रहने का दबाव बनाने लगा किन्तु राधा ने मोहन रावत के साथ रहने से मना कर दिया।इसी नाराजगी के चलते 14जनवरी 2020 को मौका पाकर घर के पीछे से राधा के घरमे घुस कर,दरवाजा बंद कर राधा की बांका से काट कर निर्मम हत्या कर दी थी। हत्या करने के बाद मोहन रावत बांका लहराता हुआ भाग निकला था।

न्यायालय ने मामले की सुनवाई पूरी कर मोहन रावत पुत्र रूप चन्द निवासी मदार पुर थाना कुर्सी को हत्या का दोषी करार देकर आजीवन कारावास तथा 15हजार रूपये अर्थदंड से दण्डित किया।

बड़ौदा का सामना मजबूत मुंबई से, मध्य प्रदेश से भिड़ेगी दिल्ली

एजेंसी

बेंगलुरु। लीग चरण में कुछ मुश्किल पलों से गुजरने वाले बड़ौदा को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में शुक्रवार को यहां मुंबई की मजबूत टीम से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल शुक्रवार को ही दिल्ली और मध्य प्रदेश के बीच खेला जाएगा। बड़ौदा के लिए नॉकआउट में जगह बनाना आसान नहीं रहा। ग्रुप बी में उसके सौराष्ट्र और गुजरात के बराबर 24 अंक थे लेकिन बेहतर रन रेट के आधार पर वह आगे बढ़ने में सफल रहा। बड़ौदा के पास हार्दिक और क्रुणाल पांड्या जैसे टी20 के धुरंधर खिलाड़ी हैं लेकिन इसके बावजूद उसका कोई भी खिलाड़ी बल्लेबाजी या गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल नहीं है। इससे पता चलता है कि बड़ौदा के सभी खिलाड़ियों ने अभी तक अच्छा योगदान दिया है जिससे उसकी टीम सेमीफाइनल में

जगह बनाने में सफल रही। बड़ौदा की तरफ से तेज गेंदबाज अतीत शेठ ने 13 विकेट लिए हैं लेकिन वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में 11वें स्थान पर हैं। युवा बल्लेबाज भानु पनिया ने अभी तक बड़ौदा की तरफ से सर्वाधिक 271 रन बनाए हैं लेकिन वह बल्लेबाजों की सूची में 18वें स्थान पर हैं। बंगाल के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में बड़ौदा के सभी खिलाड़ियों ने अपनी तरफ से योगदान दिया जिससे टीम यह मैच जीतने में सफल रही। हार्दिक हालांकि अभी तक किसी तरह का कमाल नहीं दिखा पाए हैं। ऐसा लगता है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य कर देने के कारण वह इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। मुंबई हालांकि इस ऑलराउंडर को कम करके आंकने की गलती नहीं करेगा। जहां तक मुंबई का सवाल है तो उसे ग्रुप ई में किसी तरह की खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा। उसे विदर्भ के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में पहली बार किसी तरह की चुनौती मिली। मुंबई को अगर बड़ौदा की कड़ी चुनौती से पार पाना है तो उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दूसरे सेमीफाइनल में दिल्ली का मध्य प्रदेश पर पलड़ा थोड़ा भारी नजर आता है क्योंकि आयुष बडोनी की अगुवाई वाली इस टीम ने अभी तक अपना ऑलराउंड खेल दिखाया है। दोनों टीम के पास हालांकि अनुभव और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है और इससे यह मुकाबला रोमांचक होने की संभावना है। मुंबई और बड़ौदा के बीच पहला सेमीफाइनल सुबह 11 बजे शुरू होगा जबकि दिल्ली और मध्य प्रदेश के बीच दूसरा सेमीफाइनल चार बजकर 30 मिनट से खेला जाएगा।

मैकस्वीनी को उम्मीद, गाबा में बुमराह को अच्छी तरह से खेलने में सफल रहेंगे

एजेंसी

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के युवा सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी को उम्मीद है कि गाबा में शनिवार से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में वह भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अच्छी तरह से खेलने में सफल रहेंगे। मैकस्वीनी को अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला में ही बुमराह जैसे धाकड़ गेंदबाज का सामना करना पड़ रहा है जिन्होंने अभी तक ऑस्ट्रेलिया के इस बल्लेबाज को तीन बार आउट किया है। मैकस्वीनी ने हालांकि एडिलेड में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 39 रन बनाकर अपना आत्मविश्वास जगाया है। इस युवा सलामी बल्लेबाज को लगता है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बुमराह जैसे शीर्ष गेंदबाज का सामना करने से बेहतर शुरुआत नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, 'अपने करियर की शुरुआत में ही जसप्रीत जैसे गेंदबाज का सामना करने से मुश्किल कुछ नहीं होगा। मैंने एडिलेड में उनकी गेंदों का डटकर सामना किया जिससे मेरा

आत्मविश्वास बढ़ा है। मैं जितना अधिक उनका सामना करूंगा उतना ही सहज होता जाऊंगा। मैकस्वीनी ने कहा, 'इसमें कोई संदेह नहीं कि उनका सामना करना चुनौती पूर्ण है लेकिन एडिलेड में आत्मविश्वास हासिल करना अच्छा रहा और उम्मीद है की पूरी श्रृंखला के दौरान मेरा यह आत्मविश्वास बना रहेगा। मैं जब पहली बार उनका सामना किया तो पता चला कि वह अलग तरह का गेंदबाज है। यह उनकी गेंदबाजी को समझने से जुड़ा है। पर्थ में पहले टेस्ट मैच में मैं उनकी दो अच्छी गेंदों पर आउट हुआ। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ने कहा, 'एडिलेड में भी उन्होंने मुझे आउट किया लेकिन एक विश्व स्तरीय गेंदबाज का सामना करने के लिए अपनी तैयारी का मैंने पूरा आनंद लिया। उम्मीद है कि अब मैं उनका सामना और बेहतर तरीके से करूंगा और गाबा में उनके खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी करने में सफल रहूंगा।

गाबा में 2021 में जो हुआ, यह उसके बारे में सोचने का समय नहीं है: मिशेल मार्श

एजेंसी

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया को 2021 में गाबा में भारत के हाथों हार का सामना करना पड़ा था लेकिन उसके ऑलराउंडर मिशेल मार्श ने गुरुवार को कहा कि यह उस पराजय के बारे में सोने का समय नहीं है तथा इसके बजाय टीम को एडिलेड की तरह वापसी करने की अपनी क्षमता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के अपने पिछले दौरे में गाबा में खेले गए टेस्ट मैच में ऋषभ पंत और शुभमन गिल की शानदार पारियों के दम पर जीत दर्ज की थी। यह ऑस्ट्रेलिया की इस मैदान पर 1988 के बाद पहली हार थी। मार्श ने भारत के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया के अभ्यास सत्र के दौरान कहा, ''अतीत में क्या हुआ अभी हमारे पास उसके बारे में सोचने का समय नहीं है।

अभी हम केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो वर्तमान में महत्वपूर्ण हैं। पर्थ में पहले टेस्ट मैच में हार के बाद हमने जिस तरह से वापसी की यह उसका एक उदाहरण है। इसलिए हम निश्चित तौर पर इस सप्ताह अपनी शैली की क्रिकेट खेलने पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने अपनी फिटनेस के बारे में कहा,''मेरी पीठ में दर्द था लेकिन अभी मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मार्श ने पहले दो टेस्ट मैच में बहुत अधिक गेंदबाजी नहीं की लेकिन उन्होंने कहा कि यह टीम की रणनीति का हिस्सा है।

चैंपियंस लीग: मैनचेस्टर सिटी की एक और हार, बार्सिलोना और आर्सेनल जीते

पेरिस। मैनचेस्टर सिटी को युवेंटस के हाथों 2-0 से हार का सामना करना पड़ा जिससे उसकी चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में आगे बढने की राह कठिन हो गई है। मैनचेस्टर सिटी 36 टीमों के बीच खेली जा रही इस प्रतियोगिता में अब 22वें स्थान पर फिसल गया है। केवल 24 टीम ही प्रतियोगिता के अगले दौर में जगह बनाएंगी। मैनचेस्टर सिटी ने सभी प्रतियोगिताओं में पिछले 10 मैच में केवल एक जीत दर्ज की है। युवेंटस ने भी उसके खराब प्रदर्शन का पूरा फायदा उठाया। उसकी तरफ से दुसान व्लाहोविच और वेस्टन मैककेनी ने गोल किए। बार्सिलोना ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को 3-2 से पराजित किया जिससे वह चैंपियंस लीग की अंक तालिका में लिवरपूल के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। बार्सिलोना की तरफ से रफिन्हा ने एक और फ़ेरान टॉरेस ने दो गोल किए। आर्सेनल ने बुकायो साका के दो गोल की मदद से मोनाको को 3-0 से हराया।

पुर्तगाल को मेजबानी मिलने के बाद रोनाल्डो ने कहा, विशेष होगा 2030 का विश्व कप

एजेंसी

मैड्रिड। पुर्तगाल सहित पांच अन्य देशों को 2030 में होने वाले फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी मिलने के बाद स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा कि छह साल बाद होने वाला यह टूर्नामेंट बेहद खास होगा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने बुधवार को 2030 और 2034 में होने वाले विश्व कप के मेजबानों की औपचारिक घोषणा की। विश्व कप 2030 के मैच तीन महाद्वीपों के छह देशों में खेले जाएंगे। यह पहला अवसर होगा जबकि विश्व कप छह देशों में आयोजित किया जाएगा। स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को को इसकी संयुक्त मेजबानी सौंपी गई है लेकिन दक्षिण अमेरिकी देशों अर्जेंटीना, पैराग्वे और उरुग्वे में भी इसके एक-एक मैच आयोजित किए जाएंगे। पहला विश्व कप

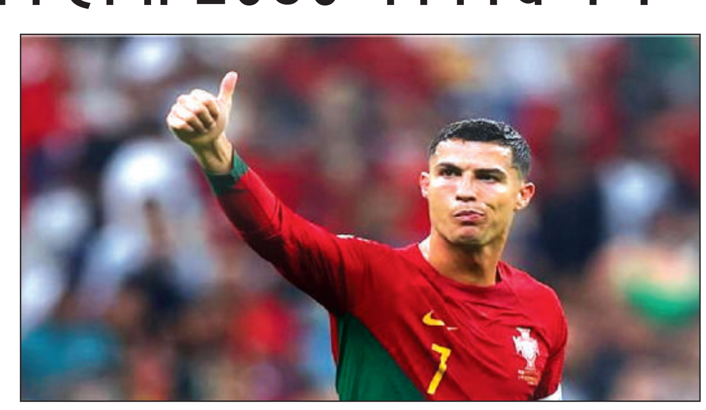

1930 में उरुग्वे में आयोजित किया गया था और फीफा ने उसके 100 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए दक्षिण अमेरिका के इन देशों को एक-एक मैच की मेजबानी सौंपी है। रोनाल्डो ने पुर्तगाल की जर्सी पहनकर जश्न मनाते हुए अपनी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने लिखा है,''सपना सच हो गया। यह बेहद खास विश्व कप होगा। पुर्तगाल 2030 में विश्व कप की मेजबानी करके हमें गौरवान्वित करेगा।'' फीफा ने इसके साथ ही 2034 में होने वाले विश्व कप की मेजबानी सऊदी अरब को सौंपने की घोषणा भी की।

कमिंस, स्टार्क और हेज़लवुड ने बीबीएल में पूरक खिलाड़ियों के रूप में अनुबंध किया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस तथा उनके साथी तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड ने 15 दिसंबर से शुरू होने वाली बिग बैश लीग (बीबीएल) के लिए पूरक खिलाड़ियों के रूप में अनुबंध किया है। कमिंस, स्टार्क और हेज़लवुड ने टेस्ट क्रिकेट की अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण पिछले सत्र में इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया था लेकिन इस सत्र में उनके इस प्रमुख घरेलू टी20 प्रतियोगिता में भाग लेने की संभावना है। क्रिकेट.कॉम.एयू की रिपोर्ट के अनुसार, ''हेजलवुड और स्टार्क ने लीग के मार्की पूरक खिलाड़ी के नियम के तहत सिडनी सिक्सर्स से जबकि कमिंस ने सिडनी थंडर्स के साथ अनुबंध किया है। यह तीनों तेज गेंदबाज अभी भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में खेल रहे हैं जो पहले दो मैचों के बाद 1-1 से बराबरी पर है।

भारत को 7000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए अवसंरचना पर 2200 अरब डॉलर निवेश करना होगा: रिपोर्ट

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत को 2030 तक 7,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास पर 2,200 अरब डॉलर का निवेश करने की आवश्यकता होगी। रियल एस्टेट परामर्शदाता नाइट फ्रैंक इंडिया ने बृहस्पतिवार को अपनी रिपोर्ट 'भारत अवसंरचना: निजी निवेश को पुनर्जीवित करना' पेश की। इसमें कहा गया है भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को 2030 तक 7000 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास पर 2200 अरब अमेरिकी डॉलर का अनुमानित निवेश आवश्यक होगा। रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक 7000 अरब अमेरिकी डॉलर का आर्थिक आकार हासिल करने के लिए भारत की अर्थव्यवस्था को 2024-2030 के बीच 10.1 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने की आवश्यकता है। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) शिशिर बैजल ने कहा, '' बुनियादी ढांचे के विकास पर मजबूत प्रोत्साहन और सरकार द्वारा बजटीय आवंटन में वृद्धि से लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक (एलपीआई) में भारत की रैंकिंग 2014 में 54 से बढ़कर 2023 में 38 हो गई है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में नीति निर्माताओं द्वारा भारत के बुनियादी ढांचे के महत्वपूर्ण विस्तार के लिए व्यापक प्रयास किए गए हैं। बैजल ने कहा कि इससे भारत के बुनियादी ढांचे के विकास तथा आर्थिक वृद्धि में निजी कंपनियों के सक्रिय रूप से हिस्सा लेने की गुंजाइश बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि हालांकि इस दायरे को सीमित करने वाली कुछ अड़चनें हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 में कर रिफंड 46.31 फीसदी बढ़कर 3.08 लाख करोड़ होगा: वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर रिफंड जारी करने में सुधार की घोषणा की। मंत्रालय ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में एक अप्रैल से 27 नवंबर के बीच 3.08 लाख करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए हैं, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि की तुलना में 46.31 फीसदी की वृद्धि है। वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर बताया कि कर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। आयकर रिटर्न पोर्टल ने एक सेकंड में 900 से ज्यादा फाइलिंग और एक दिन में करीब 70 लाख आयकर रिटर्न (आईटीआर) संभाले। इस साल आकलन वर्ष 2024-25 के लिए एक ही दिन में 1.62 करोड़ से ज्यादा आईटीआर प्रोसेस किए गए। मंत्रालय ने इस वित्त वर्ष की प्रमुख पहलों को साझा करते हुए बताया कि एक दिन में सबसे अधिक आईटीआर दाखिल किए गए हैं। 31 जुलाई, 2024 को 69.93 लाख आयकर रिटर्न दाखिल किए गए। वहीं, 22 नवंबर, 2024 तक 8.50 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के लिए दाखिल आयकर रिटर्न से 7.32 फीसदी अधिक है। पिछले साल की इसी अवधि में 1 अप्रैल, 2023 से 30 नवंबर, 2023 के बीच कुल 2.03 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया था, जो इस साल प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए मंत्रालय के ठोस प्रयासों को दर्शाता है। इस उपलब्धि को हासिल करने में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने अहम भूमिका निभाई है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक पिछले साल टीआईएन 2.0 प्लेटफॉर्म की शुरुआत और सक्षमता रिफंड में तेजी लाने की प्रक्रिया एक गेम-चेंजर रही है। टीआईएन 2.0 का उपयोग करके 3 करोड़ से अधिक रिफंड जमा किए गए, जिसमें केवल 0.002 फीसदी की प्रभावशाली कम त्रुटि दर थी। जैसे-जैसे वर्ष 2024 समाप्त हो रहा है रिफंड में उल्लेखनीय वृद्धि से व्यक्तिगत करदाताओं और व्यवसायों को समान रूप से राहत मिलने की उम्मीद है। इससे समग्र आर्थिक गतिविधि और अनुपालन में योगदान मिलेगा। इसके साथ ही टीआईएन 2.0 के सफल कार्यान्वयन के साथ, सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में अपने प्रदर्शन को बनाए रखना और उसमें सुधार करना है।

भारत, यूरोपीय संघ पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए का लक्ष्य बना रहे हैं : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) एक संतुलित, महत्वाकांक्षी, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का लक्ष्य रखते हैं। भारत और ईयू के बीच प्रस्तावित एफटीए बातचीत को एक-दूसरे की संवेदनशीलताओं को समझते हुए व्यावसायिक रूप से सार्थक सौदे तक पहुंचाने के लिए राजनीतिक दिशा की भी आवश्यकता है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय आयोग के प्रतिनिधिमंडल के बीच नई दिल्ली में बातचीत के दौरान इस समझौते पर चर्चा हुई। इस दौरान गोयल ने कहा कि दोनों पक्षों का लक्ष्य एक संतुलित, महत्वाकांक्षी, व्यापक तथा पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच बढ़ते प्रगाढ़ संबंधों और व्यापार पर चर्चा करते हुए गोयल ने कहा कि दोनों पक्ष एक संतुलित, महत्वाकांक्षी, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए का लक्ष्य बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि नौ दौर की गहन चर्चा के बाद एफटीए वार्ता को एक दूसरे की संवेदनशीलता को समझते हुए व्यावसायिक रूप से सार्थक समझौते पर पहुंचने के लिए राजनीतिक निर्देशों की जरूरत है। वाणिज्य मंत्री ने बैठक के दौरान कहा कि अगले कुछ वर्षों में भारतीय इकोनॉमी के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में वार्षिक 7 से 8 फीसदी की दर से वृद्धि होने की आशा है। त्वरित रूप से होने वाली कई गुणा वृद्धि भारत के सकल घरेलू उत्पाद को 2047 तक 35 ट्रिलियन डॉलर (35 लाख करोड़ यूएस डॉलर) की उपलब्धि तक पहुंचाने में सहायता करेगी। इस बातचीत में भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद में प्रगति पर चर्चा करने का अवसर भी मिला। अमेरिका के अलावा भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसके साथ यूरोपीय संघ की ऐसी व्यवस्था है। मंत्रालय के मुताबिक गोयल ने यूरोपीय आयोग के प्रतिनिधिमंडल, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, चेक गणराज्य, एस्टोनिया, इटली, आयरलैंड, लातविया, लिथुआनिया, माल्टा, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाक गणराज्य, स्पेन और स्वीडन के राजदूतों के साथ चर्चा किया। इस बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद, वाणिज्य सचिव, डीपीआईआईटी सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में यूरोपीय संघ के साथ भारत के द्विपक्षीय व्यापार के 137.41 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने के बाद यह भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है। इसके अलावा वित्त वर्ष 2023-24 में भारत और यूरोपीय संघ के बीच सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार 51.45 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। ईयू के साथ मुक्त व्यापार समझौते से भारत को मूल्य शृंखलाओं को सुरक्षित करते हुए वस्तुओं और सेवाओं के अपने निर्यात को और अधिक विस्तारित करने और विविधता लाने में सहायता मिलेगी। वहीं, भारत वैश्विक व्यापार में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए प्रमुख विश्व अर्थव्यवस्थाओं के साथ संतुलित समझौते करने के लिए प्रयासरत है।

सोना 80 हजार के करीब पहुंचा, चांदी की घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने का भाव 80 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंचता नजर आ रहा है। सोना आज 800 रुपये से लेकर 870 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। भाव में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 79,620 रुपये से लेकर 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये से लेकर 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत घट कर 95,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपये प्रति 10

ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,520 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज भाव में तेजी आने से सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत का खाद्य तेलों का आयात नवंबर में 39 प्रतिशत बढ़ा: एसईए

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत का खाद्य तेल आयात नवंबर में 38.5 प्रतिशत बढ़कर 15.9 लाख टन हो गया। इसकी मुख्य वजह सूरजमुखी तेल और कच्चे सोयाबीन तेल के आयात में तेज उछाल रहा। 'सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' (एसईए) ने बृहस्पतिवार को नवंबर के लिए वनस्पति तेल (खाद्य व अन्य तेल) के आयात के आंकड़े जारी किए। आंकड़ों के अनुसार, तेल विपणन वर्ष 2024-25 के पहले महीने नवंबर में वनस्पति तेलों का आयात सालाना आधार पर 11,60,590 टन की तुलना में 40 प्रतिशत बढ़कर 16,27,642 टन हो गया। कुल वनस्पति तेल आयात में से भारत ने नवंबर में 15,90,301 टन खाद्य तेल का आयात किया, जबकि पिछले साल इसी महीने में 11,48,092 टन का आयात हुआ था। अन्य तेलों (जिनका इस्तेमाल खाने के लिए नहीं किया जाता) का आयात नवंबर 2023 में 12,498 टन की तुलना में बढ़कर 37,341 टन हो गया। तेल विपणन वर्ष नवंबर से अक्टूबर तक होता है। खाद्य तेल श्रेणी में, नवंबर 2024 में आरबीडी पामोलिन का आयात सालाना आधार पर 1,71,069 टन की तुलना में बढ़कर 2,84,537 टन हो गया। समीक्षाधीन अवधि में कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात 1,28,707 टन से बढ़कर 3,40,660 टन हो गया, जबकि कच्चे सोयाबीन तेल का आयात 149,894 टन से बढ़कर 407,648 टन हो गया। हालांकि, कच्चे पाम तेल का आयात पिछले महीने घटकर 5,47,309 टन रह गया, जो नवंबर 2023 में 6,92,423 टन था। पाम तेल का आयात (कच्चा तथा रिफाइंड सहित) पिछले महीने सालाना आधार पर 8,69,491 टन से घटकर 8,41,993 टन रह गया। नवंबर 2023 में 'सॉफ्ट ऑयल' का आयात 2,78,601 टन से बढ़कर 7,48,308 टन हो गया। पाम तेल की हिस्सेदारी 76 प्रतिशत से घटकर 53 प्रतिशत हो गई, जबकि 'सॉफ्ट ऑयल' की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से बढ़कर 47 प्रतिशत हो गई।

संसदीय परंपरा को तोड़ रहे हैं सभापति : खरगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को कहा कि संसदीय परंपरा के निर्वहन में सत्ता पक्ष तथा विपक्ष दो पहियों की तरह काम करते हैं लेकिन सभापति मनमानी करते हुए सिर्फ सत्ता पक्ष की तरफदारी करते हैं और विपक्ष की नहीं सुनते।

श्री खरगे ने आज यहां जारी बयान में कहा,ल्ललोकतंत्र हमेशा दो पहियों पर चलता है। एक पहिया है सत्तापक्ष और दूसरा विपक्ष। दोनों की जरूरत होती है। सांसदों के विचारों को तो देश तब ही सुनता है जब हाउस चलता है। सोलह मई 1952 को सभापति के रूप में राज्यसभा में पहले सभापति डॉ.राधाकृष्णन जी ने सांसदों से कहा था,'मैं किसी भी पार्टी से नहीं हूं और इसका मतलब है कि मैं सदन में हर पार्टी से हूँ।' यह निष्पक्षता की परंपरा आपके कार्यकाल में पूरी तरह खंडित हो गयी। संसद प्रजातंत्र का पोषण घर है। संसद संसदीय मर्यादाओं का आईना है। संसद सत्ता की जबाबदेही निश्चित करने का स्थान है, जहाँ आज विपक्ष की आवाज़ का गला घोटना अब राज्यसभा में संसदीय प्रक्रिया का नियम बन गया है, जहाँ संसद की मर्यादाओं तथा नैतिकता आधारित परंपराओं का हनन अब राज्य सभा में दिनचर्या बन गई है, जहाँ प्रजातंत्र को कुचलने तथा सत्य को पराजित करने की कोशिश लगातार जारी है। संविधान के सिपाही तथा रक्षक के तौर पर हमारा निश्चय और ज़्यादा दृढ़ हो जाता है। हम न झुकेंगे, न दबेंगे, न रुकेंगे और संविधान, संसदीय मर्यादाओं तथा प्रजातंत्र की रक्षा के लिए हर कुर्बानी के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

उन्होंने कहा, इन्ही ताकतों ने मुझे आज संसद में सच्चाई बयाँ करने से रोक कर रखा, मैं देश के लोगों के समक्ष 10 बिंदु रखूँगा जिनमें पहला यह है कि संसद में सदस्यों को अपनी बात कहने का पूरा अधिकार है लेकिन सभापति महोदय विपक्ष को लगातार टोकते हैं, उन्हें अपनी बात पूरी करने का मौका नहीं देते हैं। विपक्ष से बिना वजह प्रमाण की मांग करते हैं जबकि सत्ता पक्ष के सदस्यों को, मंत्रियों को और प्रधानमंत्री को कुछ भी कहने देते हैं। वो कोई भी झूठ सदन में कह दें, कोई भी फ़ेक न्यूज़ फैला दें, उन्हें कभी नहीं रोकते लेकिन विपक्ष के सदस्यों को मीडिया की रिपोर्ट को भी प्रमाणित करने को कहते हैं। ऐसा न करने पर उन पर कार्यवाही करने की धमकी दी जाती है। दूसरा, सभापति ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए कई बार सदस्यों को थोक मे सस्पेंड किया है। कुछ सदस्यों का निलंबन सत्र पूरा होने पर भी जारी रखा था, जो नियम और परंपराओं के ख़िलाफ़ था। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, सभापति ने कई बार सदन के बाहर भी विपक्षी नेताओं की आलोचना की है। वो अक्सर भाजपा की दलीलें दोहराते हैं और विपक्ष पर राजनैतिक टीका टिप्पणी करते हैं। हर रोज़ ही सीनियर मेंबर्स को स्कूली बच्चों की तरह पाठ पढ़ाते है, उनके व्यवहार में संसदीय गरिमा और दूसरों का सम्मान करने का भाव नहीं दिखता है। उन्होंने इस महान पद का दुरपयोग करते हुए, पद पर आसीन होकर, अपने राजनीतिक विचारक ऽ आरएसएस की प्रशंसा की और यहाँ तक कहा कि 'मैं भी आरएसएस का एकलव्य हूँ' जो की संविधान की भावना से खिलवाड़ है। अध्यक्ष सदन में और सदन के बाहर भी सरकार की अनुचित चापलूसी करते दिखते हैं। प्रधानमंत्री को महात्मा गांधी के बराबर बताना या प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी की माँग को ही ग़लत ठहराना, ये सब हम देखते आए हैं। अगर विपक्ष वॉकआउट करता है तो उस पर भी टिप्पणी करते हैं, जबकि वॉकआउट संसदीय परंपरा का ही हिस्सा है। सभापति मनमाने ढंग से विपक्ष के सदस्यों के भाषणों के पार्ट्स हटा देते हैं। यहाँ तक की नेता विपक्ष के भाषण के भी महत्वपूर्ण हिस्सों को मनमाने तरीक़े से और दुर्भावनापूर्ण रूप से हटाने का निर्देश देते रहे हैं।

जबकि सत्ता पक्ष के सदस्यों की बेहद आपत्तिजनक बातों को भी रिकॉर्ड पर रहने देते हैं। उन्होंने कहा, सभापति ने रूल 267 के तहत कभी भी किसी भी चर्चा की अनुमति नहीं दी है। विपक्षी सदस्यों को नोटिस पढ़ने की भी अनुमति नहीं देते हैं। जबकि पिछले तीन दिनों से सत्ता पक्ष के सदस्यों को नाम बुला-बुला कर रूल 267 में नोटिस पर बुलवा रहे हैं। सभापति के कार्यकाल के दौरान संसद टेलीविजन का कवरेज बिल्कुल एकतरफ़ा है। ज़्यादातर समय केवल उनकी और सत्ता पक्ष के लोग दिखाए जाते हैं। विपक्ष के किसी भी आंदोलन को ब्लैकआउट कर देते हैं। जब कोई विपक्षी नेता बोलता है तो कैमरा काफी समय के लिए चेयर पर रहता है। संसद टीवी के प्रसारण के नियम मनमाने ढंग से बदले गए हैं। सामान्य कामकाज समिति-जीपीसी की मीटिंग के बगैर बदल दिए हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, अल्पकालिक चर्चा और ध्यानाकर्षण प्रसताव अब बहुत कम लगाए जाते हैं। यूपीए के वक्त हर हफ़्ते दो ध्यानाकार्षण और एक अल्पकालिक चर्चा लगता था। अब नहीं होता। एक घंटे का प्रश्नकाल, वैधानिक प्रस्ताव भी नहीं होते। सारे बिल भी स्थायी समिति को नहीं भेजते। लोक महत्व के मुद्दे पर भी चर्चा नहीं होती है। सभापति ने कई फैसले बिल्कुल मनमाने ढंग से लिए हैं। स्टेटस शिफ्ट करना हो या वाच एंड वार्ड की व्यवस्था बदलना हो, किसी के लिए मशविरा नहीं किया। स्टेटस कमेटी की मीटिंग नहीं हुई।

सोरोस और सोनिया के मुद्दे से ध्यान भटकना चाहती है कांग्रेसः नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में सदन के नेता और भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका के विवादास्पद निवेशक जॉर्ज सोरेस और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के संबंधों के मुद्दे से ध्यान भटकने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रही है।

राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बाद श्री नड्डा ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि सदन में लोकतंत्र की मर्यादा का सवाल उठाने वाली कांग्रेस ने समय-समय पर प्रजातांत्रिक प्रणालियों को ताक पर रखा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मुंह से संसदीय प्रणालियों की चर्चा करना हास्यास्पद है।

उन्होंने कहा कि संसदीय प्रणालियों की बात करने वाली कांग्रेस के वरिष्ठतम नेता संसद भवन परिसर में राज्यसभा के सभापति की मिमिक्री की घटना की वीडियोग्राफी करते हैं और अन्य सदस्यों को इसके लिए उकसाते हैं। उन्होंने कहा, मुझे तो ऐसा लगा जैसे मुझे कॉलेज के दिन याद आए। जब कॉलेज में यूनिवर्सिटी के बाहर कॉलेज के लड़के जैसे करते हैं उसी तरीके की हरकत संसद के परिसर में नेता विपक्ष करते हैं और श्रीमती सोनिया गांधी जी एक शब्द नहीं बोलती । उन्होंने कहा कि इससे संसदीय परंपराओं की मर्यादा गिरती है और संसदीय परंपराओं को चोट लगती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य श्रीमती गांधी और जॉर्ज सोरस के संबंधों के मुद्दे से ध्यान भटकाना है। उन्होंने कहा कि सब यह जानना चाहते हैं कि श्रीमती गांधी का ऐसे व्यक्ति से क्या संबंध है जो व्यक्ति हमारे देश को अस्थिर करना चाहता है और मुसीबत में डालना चाहता है। वह व्यक्ति भारत की संप्रभुता पर प्रश्न खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन इसकी कड़ी निंदा करता है और हम इस मुद्दे को जनता के बीच ले जाएंगे। संसद में उत्पन्न गतिरोध को दूर किए जाने से संबंधित सवाल पर उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस की बुद्धिमत्ता पर निर्भर करता है कि वह किस तरह का कदम उठाती है।

समाज का सहयोग और कानून के डर से सड़क हादसों पर लगेगा अंकुश : गडकरी

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आज लोकसभा में कहा कि उनके मंत्रालय के तमाम प्रयासों के बावजूद सड़क हादसों में कमी नहीं आई, बल्कि इसमें वृद्धि हुई है।

श्री गडकरी ने प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि उनके मंत्रालय के तमाम प्रयासों के बावजूद सड़क हादसों में कमी नहीं आई, बल्कि इसमें वृद्धि हो गई।उन्होंने कहा कि जब तक समाज का सहयोग नहीं मिलेगा, मानवीय व्यवहार नहीं बदलेगा और कानून का डर नहीं होगा, तब तक सड़क हादसों पर अंकुश नहीं लगेगा। उन्होंने कहा कि देश में सड़क हादसों की संख्या लगातार बढ़ रही है और हर साल करीब एक लाख 78 हजार लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हो जाती है जिसमें 60 लोगों प्रतिशत मौत 18 से 34 वर्ष की बीच के युवाओं की होती है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को लेकर भारत का रिकॉर्ड इतना ख़राब है कि उन्हें विश्व सम्मेलनों में मुंह छिपाना पड़ता है। श्री गडकरी ने सांसदों से आग्रह करते हुए कहा कि वे सड़क हादसों को रोकने के लिए अपने स्तर पर प्रयास करें और परिवहन विभाग के सहयोग से स्कूलों आदि में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करें। उन्होंने कहा कि नीति आयोग की रिपोर्ट है कि सड़क हादसों के शिकार 30 प्रतिशत लोगों की मौत आपात चिकित्सा उपचार नहीं मिल पाने के कारण होती है इसलिए उपचार के लिए कैशलैस योजना पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चलाई जा रही है और इसके अच्छे परिणाम आए हैं। भविष्य में कैशलेस योजना को पूरे देश में लागू की जाएगी। श्री गडकरी ने भारत में ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की प्रणाली में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया में जहां आसानी से ड्राइविंग लाइसेंस मिलता है, उस देश का नाम भारत है। हम इसमें सुधार कर रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सड़क दुर्घटना को लेकर पूरा सदन चिंतित है। इसे कम करने के लिए गंभीर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए समाज को खासकर युवाओं को जागृत करने की जरूरत है और जनप्रतिनिधियों को भी पहल करनी चाहिए।

लोकसभा सदस्यों का आपदा प्रबंधन को अत्याधुनिक बनाने पर जोर

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा में सदस्यों ने आपदा तंत्र को अत्याधुनिक और त्वरित बनाते हुए पीड़ितों को तत्काल मदद पहुंचाने पर बल दिया और कहा कि इसमें केंद्र तथा राज्य दोनों को मिलकर काम करने की जरूरत है।

आपदा प्रबंधन संशोधन विधेयक 2024 पर चर्चा को आगे बढाते हुए समाजवादी पार्टी के राम शिरोमणि वर्मा ने कहा कि स्थानीय स्तर पर अत्याधुनिक सुविधा से सुसज्जित आपदा अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनात किया जाना चाहिए।राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल एनडीआएफ) के लोग कई बार दूरी के कारण समय पर घटना स्थल पर नहीं पहुंचते जिससे ज्यादा लोगों की जान चली जाती है। चक्रवात तथा अन्य आपदाओं से लोगों को कैसे बचाया जा सकता है इसके लिए आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल आवश्यक है। उनका कहना था कि आपदा के बाद पीड़ितों को पर्याप्त मदद राशि भी नहीं दी जाती है जिससे लोगों को दिक्कत होती है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम(द्रमुक) की कनिमोझी करुणानिधि ने कहा कि पूरी दुनिया में आग, बाढ़, आग लगने तथा चक्रवात की घटनाएं हो रही हैं और भारत में बड़े स्तर पर ये घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन राज्यों का मामला है और राज्यों की सलाह के बिना इसमें संशोधन नहीं किया जा सकता है। सरकार को इस डाटा की जानकारी होनी चाहिए कि किस गांव, कस्बे और किस जगह पर ज्यादा आपदा आती है ,इसकी जानकारी राज्य प्रशासन को होती है और इस विधेयक को तैयार करते समय इसको इसमें शामिल किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि तमिलनाडु में चक्रवात से पीड़ितों की मदद के लिए 35 हजार करोड़ की मांग की लेकिन केंद्र सरकार ने इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया। राज्य सरकार को उच्चतम न्यायालय जाना पड़ा और इस तरह से राज्य सरकारों को लोगों को न्याय देने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़ती है। उनका कहना था कि आपदा प्रबंधन के लिए अलग मंत्रालय होना चाहिए और विभिन्न विभागों को जोड़ते हुए अलग एक ही विभाग होना चाहिए। सुश्री करुणानिधि ने कहा, वर्ष 2014 से 2022 तक पांच हजार लोगों की हमारे यहां लू से मारे गये हैं इसलिए लू को भी आपदा प्रबंधन में शामिल किया जाना चाहिए। तमिलनाडु के लिए सरकार ने आपदा प्रबंधन से लोगों को राहत देने के लिए जितनी राशि मांगी उसकी तुलना में बहुत कम राशि दी गई है जो कुछ भी नहीं है। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के केसिनेनी शिवनाथ चिन्नी ने विधेयक का समर्थन किया और कहा कि देश में आपदा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए सरकार यह विधेयक लाई है। उनका कहना था कि इस विधेयक के जरिए स्थानीय प्रशासन को और अधिकार दिए जाने चाहिए ताकि आपदा पीड़ितों को स्थानीय स्तर पर ज्यादा मदद दी जा सके। जनता दल-यू के दिनेश चंद्र यादव ने कहा कि देश में आपदाओं का खतरा ज्यादा बना रहता है। इस विधेयक में आपदा प्रबंधन के लिए जो व्यवस्थाएं स्थानीय स्तर पर की गई हैं उनसे आपदा के समय प्रभावितों को ज्यादा लाभ दिया जा सकता है। बिहार में बाढ़ और सूखे की समस्या हर साल आती है इसके निपटने में अकेले राज्य सरकार सक्षम नहीं है इसलिए केंद्र सरकार को इसमें आगे आना होगा। उनका कहना था कि बिहार ने केंद्र से जो राशि देने की बात की थी वह अभी लंबित है और उसे जारी किया जाना चाहिए। शिवसेना उद्धव गुट के अनिल यशवंत देसाई ने कहा कि आपदा के लिए यह विधेयक समय पर आया है लेकिन विधेयक को डाटा पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर आपदा प्रबंधन को ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए उन्हें स्थितियों के अनुसार काम करने और इसके लिए वित्तीय अधिकार दिए जाने चाहिए। महाराष्ट्र में तेजी से जलवायु परिवर्तन की जद में है इसलिए राज्य सरकार को केंद्र से आपदा के लिए पर्याप्त मदद दी जानी।

पेज एक का शेष

आत्महत्या के लिए...

पी बी वराले की पीठ ने यह टिप्पणी गुजरात उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर अपना फैसला सुनाते हुए की, जिसमें एक महिला को कथित रूप से परेशान करने और उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने के लिए उसके पति और उसके दो ससुराल वालों को आरोपमुक्त करने से इनकार कर दिया गया था। वर्ष 2021 में भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए (विवाहित महिला के साथ क्रूरता करना) और 306 सहित कथित अपराधों के लिए मामला दर्ज किया गया था, जो आत्महत्या के लिए उकसाने के अपराध से संबंधित है और इसमें 10 साल तक कैद और जुर्माने का प्रावधान है। पीठ ने 10 दिसंबर के अपने फैसले में कहा, ''भादसं की धारा 306 के तहत दोषसिद्धि के लिए यह एक सुस्थापित कानूनी सिद्धांत है कि कार्य को उकसाने का इरादा स्पष्ट होना चाहिए। केवल उत्पीड़न किसी आरोपी को आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं है।'' साथ ही पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष को अभियुक्त द्वारा की गई सक्रिय या प्रत्यक्ष कार्रवाई के बारे में बताना चाहिए जिसके कारण एक व्यक्ति ने अपनी जान ले ली। पीठ ने कहा कि कार्य को उकसाने के इरादे का केवल अनुमान नहीं लगाया जा सकता और यह साफ तौर पर तथा स्पष्ट रूप से पहचाने जाने योग्य होना चाहिए। पीठ ने कहा ''इसके बिना, कानून के तहत उकसावे को स्थापित करने की मूलभूत आवश्यकता पूरी नहीं होती है, जो आत्महत्या के कृत्य को भड़काने या इसमें योगदान देने के लिए जानबूझकर और स्पष्ट इरादे की आवश्यकता को रेखांकित करता है। पीठ ने धारा 306 के तहत लगाए गए आरोप से तीन लोगों को मुक्त कर दिया, और भादसं की धारा 498-ए के तहत अपीलकर्ताओं के खिलाफ आरोप को बरकरार रखा। पीठ ने पाया कि महिला के पिता ने उसके पति और सास ससुर के खिलाफ भादसं की धारा 306 और 498-ए सहित कथित अपराधों के लिए एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पीठ ने कहा कि महिला की शादी 2009 में हुई थी। पांच साल तक दंपति को कोई बच्चा नहीं हुआ, जिसके कारण महिला को कथित तौर पर शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। पीठ ने आगे कहा कि अप्रैल 2021 में महिला के पिता को सूचना मिली कि उनकी बेटी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। उच्च न्यायालय ने आरोपियों के खिलाफ भादसं की धारा 306 और 498-ए के तहत आरोप तय करने के सत्र अदालत के आदेश को बरकरार रखा था। शीर्ष अदालत ने कहा कि आईपीसी की धारा 306 उन लोगों के लिए दंड का प्रावधान करती है जो किसी अन्य को आत्महत्या के लिए उकसाते हैं। पीठ ने कहा, ''किसी व्यक्ति पर इस धारा के तहत आरोप लगाने के लिए अभियोजन पक्ष को यह स्थापित करना होगा कि आरोपी ने पीड़ित को आत्महत्या करने के लिए उकसाया था। पीठ ने कहा कि भादसं की धारा 306 के तहत दोषसिद्धि के लिए मृतक को आत्महत्या के लिए उकसाने या प्रेरित करने के वास्ते स्पष्ट मंशा स्थापित करना आवश्यक है। पीठ ने कहा ''इस प्रकार पत्नी की मृत्यु के मामलों में, अदालत को मामले के तथ्यों और परिस्थितियों की सावधानीपूर्वक जांच करनी चाहिए। साथ ही प्रस्तुत साक्ष्य का आकलन करना चाहिए। यह निर्धारित करना आवश्यक है कि पीड़िता पर की गई क्रूरता या उत्पीड़न ने उसके पास अपना जीवन समाप्त करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं छोड़ा था। शीर्ष अदालत ने कहा कि आत्महत्या के कथित उकसावे के मामलों में, आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाले प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष कृत्यों का ठोस सबूत होना चाहिए। पीठ के अनुसार ''केवल उत्पीड़न के आरोप दोषसिद्धि स्थापित करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। दोषसिद्धि के लिए, आरोपी द्वारा उकसावे के कार्य का सबूत होना चाहिए, जो घटना के समय से संबंधित हो, जिसने पीड़ित को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया या प्रेरित किया। इसने कहा कि इस मामले में, प्रथम दृष्टया, ऐसा प्रतीत होता है कि अपीलकर्ताओं के पास अपेक्षित मानसिक कारण नहीं था और न ही उन्होंने आत्महत्या के लिए उकसाने या सहायता करने के लिए कोई सकारात्मक या प्रत्यक्ष कार्य किया या चूक की। पीठ ने कहा कि महिला ने शादी के 12 साल बाद आत्महत्या की थी। पीठ ने कहा, ''अपीलकर्ताओं का यह तर्क अर्थहीन है कि मृतका ने शादी के बारह वर्षों में अपीलकर्ताओं के खिलाफ क्रूरता या उत्पीड़न की एक भी शिकायत नहीं की थी। केवल इसलिए कि उसने बारह वर्षों तक कोई शिकायत दर्ज नहीं की, यह गारंटी नहीं है कि क्रूरता या उत्पीड़न का कोई मामला नहीं था। अपील को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए, पीठ ने भादसं की धारा 306 के तहत अपीलकर्ताओं को आरोपमुक्त कर दिया। हालांकि, इसने धारा 498-ए के तहत आरोप को बरकरार रखा और कहा कि इस प्रावधान के तहत उनके खिलाफ मुकदमा चलेगा।

मंत्रिमंडल ने एक...

लागू होगा। इसके लिए दिसंबर 2026 तक 25 राज्यों में विधानसभा चुनाव कराने होंगे। वन नेशन वन इलेक्शन के कैबिनेट से पास होने के बाद नेताओं के रिएक्शन भी आने लगे हैं। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन अलोकतांत्रिक व असंवैधानिक है। एक चुनी हुई सरकार की समय से पहले हटाना या किनारे करना या किसी की अवधि बढ़ाना भी ठीक नहीं। सपा नेता रामगोपाल यादव ने कहा कि पहले मसौदा आने दीजिए। पढ़ने के बाद तय करेंगे। वायनाड सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन का सदन में पुरजोर विरोध करेंगे।

बिजली निजीकरण...

हुए सबसे ज्यादा सुधार बिजली के क्षेत्र में हो रहा है। बिजली कर्मचारी और अभियंता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बिजली व्यवस्था के सुधार में लगातार लगे हुए हैं। पता नहीं क्यों पावर कारपोरेशन प्रबंधन ने अचानक प्रदेश के 42 जनपदों में बिजली वितरण के निजीकरण की घोषणा कर बिजली कर्मियों को उद्वेलित करने का काम किया है। प्रबंधन के इस रवैये से पूरे देश के बिजली कर्मचारी और अभियंता आंदोलित हो गए हैं।

प्रधानमंत्री बांग्लादेश...

कहा, ''प्रधानमंत्री को संसद में आना चाहिए तथा इस बात पर पूर्ण बयान और पूरा स्पष्टीकरण देना चाहिए कि भारत सरकार बांग्लादेश की स्थिति को लेकर क्या करने की मंशा रखती है। बांग्लादेश में अगस्त के प्रारंभ में मोहम्मद युनूस की अंतरिम सरकार द्वारा शासन की बागडोर संभाले जाने के बाद से वहां हिन्दुओं को निशाना बनाये जाने पर भारत में विभिन्न पक्षों द्वारा कई बार चिंता जतायी जा चुकी है। सूत्रों के अनुसार, विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति को बुधवार को यह सूचित किया कि बांग्लादेश ने आश्वासन दिया है कि देश में अल्पसंख्यकों के विरूद्ध हिंसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

महाकुम्भ में 'हर...

अवगत हो सकेंगे। प्रदर्शनी में जल जीवन मिशन से विंध्य-बुंदेलखंड में आए बदलाव को लेकर सफलता की कहानी का भी संकलन पुस्तक के माध्यम से प्रदर्शित होगा। 'जल मंदिर' भी देगा संदेश- जल जीवनदायी है, इसका संरक्षण करें ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग की तरफ से महाकुम्भ में 'जल मंदिर' भी बनाया जाएगा। 'जल मंदिर' में भगवान शिव की जटा से गंगा धरती पर आएंगी। इसके जरिए संदेश दिया जाएगा कि जल प्रसाद है। जल जीवनदायी है। इसे बर्बाद न करें, बल्कि इसका संरक्षण करें। 'जल मंदिर' में सुबह-शाम जल आरती भी होगी। इस आरती में जल जीवन मिशन की गाथा, जल संरक्षण का संदेश भी होगा।

पीसीएस-प्री की परीक्षा...

विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। जनपद स्तर पर आयोग से समन्वय स्थापित करनेके लिए एक नोडल अधिकारी नामित किया जाये। उन्होंने कहा कि जनपद एवं केन्द्र स्तर पर परीक्षा ड्यूटी में सम्बद्ध सभी सम्बंधित अधिकारियों व कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यसमय से सुनिश्चित करा लिया जाये। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार, प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम0देवराज, एडीजी एलओ एसटीएफ अमिताभ यश उपस्थित थे। वीडियो कॉफ्रेन्सिंग के माध्यम से उ0प्र0 लोक सेवा आयोग के सचिव भी बैठक में उपस्थित थे।

मां गंगा की...

आश्रम गलियारा, श्रृंगवेरपुर धाम गलियारा, अक्षयवट गलियारा, हनुमान मंदिर गलियारा सहित प्रमुख मंदिर गलियारे का उद्घाटन करेंगे। पीएमओ ने कहा, ''इन परियोजनायों से भक्तों को एक स्थल से दूसरे स्थल की ओर आने जाने में आसानी होगी और ये आध्यात्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देंगी। प्रधानमंत्री कुंभ सहायक कृत्रिम मेधा (आधारित) चैटबॉट की भी शुरुआत करेंगे जो महाकुंभ मेला 2025 पर भक्तों को कार्यक्रम संबंधी मार्गदर्शन और अपडेट देने के लिए विवरण प्रदान करेगा। महाकुंभ 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। राज्य और केंद्रीय खुफिया एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) के साथ ही नौ हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। इसके अलावा आरएएफ और पीएसी के जवान भी जगह-जगह मुस्तैद नजर आएंगे। जरूरी स्थानों अचूक निशानेबाज (स्नाइपर) तैनात किए जाएंगे। बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) और एंटी सबोटाज की टीम भी कार्यक्रम स्थल पर मुस्तैद रहेगी। प्रधानमंत्री यात्रा के दौरान सात हजार करोड़ रूपए के परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। समरसता प्रतीक श्रृंगवेरपुर धाम श्रृंग्वेरपुर में बनाए गए घाट, पार्क और भगवान श्रीराम एवं निषादराज की आदमकद कांस्य की गले मिलते प्रतिमा, महर्षि भरद्वाज आश्रम , अरैल स्थित शिवालय पार्क और वाराणसी से प्रयागराज के बीच रेल मार्ग को सुगम बनाने के लिए दारागंज से झूंसी के बीच नए डबल ट्रैक रेल पुल का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री के संभावित कार्यक्रम के अनुसार वह दिल्ली से सेना के विशेष विमान से 11.30 बजे प्रयागराज बमरौली एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां से हेलीकॉप्टर द्वारा संगम के दूसरी तरफ अरैल क्षेत्र में डीपीएस स्कूल में बने हेलीपेड पर उतरेंगे जहां राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य उनका स्वागत करेंगे। श्री मोदी भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की ओर से विशेष रूप से तैयार अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त निषादराज क्रूज पर सवार होकर अरैल से संगम पहुंचेंगे। संगम पर बने जेटी से मां गंगा की पूजा अर्चना और आरती करने के बाद महाकुंभ के आयोजन के सकुशल संपन्न होने की कामना करेंगे। वह प्रमुख मंदिरों अक्षयवट,सरस्वती कूप, बंघवा स्थित लेटे हनुमान मंदिर आदि का दर्शन करेंगे। प्रधानमंत्री बाद में संगम नोज पर बने मंच से प्रयागराजवासियों संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री प्रयागराज में करीब तीन घंटे का समय बिताएंगे और दोपहर ढाई बजे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

मोदी के आने से...

सुविधाओं के विषय में जानकारी दी। आईसीयू में एआई कैमरों के इस्तेमाल के साथ ही हाईटेक एआई मैसेजिंग फ्लो सिस्टम के बारे में उन्हें पूरे विस्तार से बताया गया। इसके साथ ही, अस्पताल में स्थापित लैबोरेट्री के विषय में भी बताया गया, जिस पर मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। केंद्रीय अस्थायी अस्पताल के माध्यम से उन्हें हर संभव मदद मिलनी चाहिए। चिकित्सकों के साथ ही स्टाफ और दवाइयों की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने अस्पताल में वेंटिलेशन के बेहतर इंतजाम किए जाने के भी निर्देश दिए। मालूम हो कि महाकुम्भ के लिए बनाए गए इस अस्थायी अस्पताल में कुल 100 बेड हैं, जिसमें 10 बेड का आईसीयू भी सम्मिलित है। इसमें कुल 381 डॉक्टर्स को तैनात किया गया है, जिसमें फिजीशियन, सर्जन, गायनेकोलॉजिस्ट, पीडियाट्रिक्स समेत अन्य शामिल हैं। 10 बेड के आईसीयू को कैंट बोर्ड संचालित करेगा, जिसमें मेदांता के डॉक्टर्स का भी सहयोग रहेगा। अस्पताल से सीएम सीधा किला घाट पहुंचे जहां उन्होंने नव निर्मित जेटी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को घाट पर श्रद्धालुओं के स्नान व अन्य सुविधाओं को सुनिश्चित करने के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। यहां से सीएम संगम नोज पहुंचे, जहां शुक्रवार को पीएम मोदी पूजन अर्चन करेंगे। उन्होंने यहां स्थलीय निरीक्षण किया। मेलाधिकारी विजय किरण आनंद ने उन्हें पीएम मोदी के क्रूज से भ्रमण को लेकर सभी तैयारियों के विषय में विस्तृत से जानकारी दी। सीएम ने सभी व्यवस्थाओं को देखा और सभी पैरामीटर्स का ध्यान रखते हुए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। वह काफी देर यहां रुके और गंगा की निर्मल धारा को निखारते रहे। यहां से सीएम योगी ने प्रयाग किले के अंदर स्थित अक्षय वट कॉरिडोर का स्थलीय निरीक्षण किया। सीएम ई कार्ट से अक्षय वट कॉरिडोर पहुंचे। यहां स्मार्ट सिटी के तहत किए जा रहे कार्यों को उन्होंने देखा और अक्षय वट के विषय में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने दर्शन कर पूर्जा अर्चना की। सीएम ने यहां चल रहे सौंदर्यीकरण खासकर श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप प्रतिमा को सराहा और फोटो शूट भी कराया। सप्तऋतियों की कलाकृतियों को देखकर भी वह भाव विभोर हो गए। यहां आर्मी के अधिकारियों ने उन्हें अक्षय वट की तस्वीर भी भेंट की। सीएम योगी ने यहां से संगम तट पर स्थित बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर का रुख किया। प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीडीए) द्वारा यहां कॉरिडोर फ़ेज-1 का कार्य किया जा रहा है। सीएम ने तैयारियों का जायजा लिया और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हनुमान जी की पूजा अर्चन कर आरती उतारी। यहां दर्शन पूजन कर उन्होंने समस्त नागरिकों की सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान उनके साथ मंदिर के महंत और श्रीमठ बाघंबरी के पीठाधीश्वर बलबीर गिरी महाराज भी मौजूद रहे। इस अवसर पर पीडीए वीसी ने उन्हें मंदिर कॉरिडोर का ले-आउट प्लान भी दिखाया। सीएम ने समस्त कार्यों में तेजी लाते हुए समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। यहां से सीएम सरस्वती कूप के दर्शन करने पहुंचे। यहां उन्होंने प्रांगण में स्थित सरस्वती जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। सरस्वती कूप के दर्शन कर सीएम प्राधिकरण ऑफिस पहुंचे, जहां से सीएम ने सेक्टर 6 में एसटीपी सलोरी ड्रेन द्वारा जियो ट्यूब विधि से शोधन कार्य का निरीक्षण किया। जियो ट्यूब एक नई तकनीक है जिसके माध्यम से सीवर और नालों का पानी एसटीपी में भेजा जाता है। इन ट्यूब में ही 50 से 60 प्रतिशत बीओडी कम हो जाता है। शहर के जो 22 अनटैप्ड नाले थे, इसके माध्यम उनको ट्रीट करके नदी में छोड़ा जाएगा। इसका ट्रायल रन शुरू हो चुका है। एक जनवरी से यह पूरी क्षमता से कार्य करना शुरू कर दिया है। सीएम ने इसकी जानकारी लेने के बाद निर्देश दिए कि सीवर का पानी बिना ट्रीट किए हुए नदी में न छोड़ा जाए। मेले के दौरान एसटीपी पूरी क्षमता से कार्य करे, ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सीएम योगी ने सेक्टर 20 में स्थित अखाड़ों का भी स्थलीय निरीक्षण किया। वह यहां सबसे पहले श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन पहुंचे, जहां सीएम ने अखाड़े के प्रवेश द्वार पर मौजूद संतो के साथ कुछ देर बातचीत की। संतो ने सीएम का स्वागत किया। उदासीन बड़ा के बाद श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी और आनंद अखाड़े के शिविर में भी सीएम पहुंचे और वहां की व्यवस्थाएं देखीं। आनंद अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर शंकरानन्द सरस्वती जी ने सीएम को अखाड़े के अंदर आमंत्रित किया। सीएम ने उन्हें अगली बार आने का आश्वासन दिया। सीएम अन्य अखाड़ों के बाहर तैयारियों और व्यवस्था का भौतिक निरीक्षण करने के बाद वहां से रवाना हो गए। यहां से त्रिवेणी मार्ग गंगा रिवर फ्रंट रोड झूंसी और छतनाग घाट का भी उन्होंने निरीक्षण किया। यहां उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। स्थलीय निरीक्षण के दौरान सीएम योगी के साथ डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह और पूर्व विधायक व विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह समेत अन्य नेतागण व अधिकारी मौजूद रहे।

जिहाद के समूल विनाश के लिए जूना अखाड़े में आरंभ हुआ मां बंग्लामुखी महायज्ञ, 21 दिसंबर तक चलेगा

- महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी बोले, भारत के बूते पर आजाद हुआ बांग्लादेश आज पाकिस्तान की तरह कसाईखाना बन गया है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। शिवशक्ति धाम डासना के पीठाधीश्वर व श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज ने अपने शिष्यों और जूना अखाड़े के संतों के साथ गुरुवार को हरिद्वार स्थित श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के भैरव घाट पर बांग्लादेश, पाकिस्तान, भारत सहित सम्पूर्ण विश्व के इस्लामिक जिहादियों के विनाश के लिए विजय और शत्रुविनाश की देवी मां बंग्लामुखी महायज्ञ का शुभारंभ किया। मां बंग्लामुखी महायज्ञ 12 दिसंबर से आरंभ होकर 21 दिसंबर तक चलेगा। महायज्ञ के उपरांत महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज ने मां बंग्लामुखी और महादेव की प्रार्थना करते हुए कहा कि जो इस्लाम के जिहादी बांग्लादेश, पाकिस्तान और भारत सहित सम्पूर्ण विश्व में निर्दोष हिंदुओं का नरसंहार कर रहे हैं, उनके सम्पूर्ण विनाश के बिना मानवता की रक्षा संभव नहीं है। उनका कहना है कि हम हिंदुओं में तो अब इतना दम बचा ही नहीं है कि हम इस्लाम के जिहादियों से अपने परिवार और अपने अस्तित्व की रक्षा कर सकें। अब हम सम्पूर्ण रूप से धर्मविहीन होकर कायर, अकर्मण्य हो चुके हैं। इसी कारण आज हर जगह हमारी दुर्गति हो रही है। हमारे बूते पर आजाद हुआ बांग्लादेश आज अरब, ईरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और कश्मीर की तरह हमारे लिए कसाईखाना बन गया है। वहां हमारी बच्चियां की दुर्गति और हमारे लोगों का भीषण नरसंहार हो रहा है। हम अपने लोगों को बचाने के लिए कुछ भी नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब मां और महादेव ही कुछ कर सकते हैं। अब यदि मां और महादेव ही चाहे तो वो हम हिंदुओं को सद्बुद्धि देकर सर्वनाश से बचा सकते हैं अन्यथा तो अब विनाश ही विनाश दिखाई दे रहा है। उन्होंने महायज्ञ स्थल से सम्पूर्ण सनातन धर्मियों का आह्वान करते हुए महायज्ञ के लिए आमंत्रित किया।

खनन प्रभावित क्षेत्रों में विकास को मिलेगी गति 348 लाख की 14 योजनाओं को मिली मंजूरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोपेश्वर। जिलाधिकारी चमोली संदीप तिवारी की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला खनिज फाउंडेशन न्यास की शासी परिषद की बैठक आयोजित हुई। बैठक में 348.97 लाख रुपये की 14 विकास योजनाओं को मंजूरी दी गई। इन योजनाओं में 208.35 लाख रुपये उच्च प्राथमिकता क्षेत्र के पांच कार्यों और 140.62 लाख रुपये अन्य प्राथमिकता क्षेत्र के नौ कार्यों के लिए स्वीकृत किए गए। उच्च प्राथमिकता वाले कार्यों में मैठाणा में खेल मैदान के समीप हाट बाजार और कैंटीन निर्माण, जूनियर कन्या विद्यालय हरमनी में चारदीवारी, राबाइका गौचर में बॉन्डरी वॉल, कर्णप्रयाग शक्तिनगर में नाला निर्माण और अन्य परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। अन्य प्राथमिकता वाले कार्यों में मोटर मार्ग सुरक्षा दीवार, लाता और हेलंग में कृषि भूमि संरक्षण, बाढ़ सुरक्षा कार्य, शिव मंदिर और कृषि भूमि पर सुरक्षा कार्य जैसे कई अहम परियोजनाएं शामिल हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वीकृत विकास कार्यों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए, ताकि खनन प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को जल्द से जल्द लाभ मिल सके। उन्होंने सुझाव दिया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पेयजल और कौशल विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निधि का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी नंदन कुमार, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, जिला खान अधिकारी नाइजा हसन, मुख्य शिक्षा अधिकारी धर्म सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

समुद्र मंथन की परंपरा संग लेकर प्रयागराज पहुंचेगी महा निर्वाणी अखाड़े की जमात, गंगा पूजन कर कुंभ के लिए रवाना

- ढोल-नगाड़ों व आतिशबाजी के साथ छावनी से निकली जमात

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। श्री पंचायती अखाड़ा महा निर्वाणी के रमता पंचों की जमात आज गंगा पूजन के पश्चात प्रयागराज कुंभ 2025 के लिए रवाना हो गई। जमात के प्रयागराज रवाना होने से पूर्व जमात के श्रीमहंतों, पंचों ने मां गंगा की पूजा अर्चना कर प्रयागराज कुंभ मेला सकुशल संपन्न होने व देश में सुख शांति की कामना की। आतिशबाजी और ढोल नगाड़ों के साथ जमात के संतों को रवाना किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष व श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के श्रीमहंत सचिव रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि कुंभ का पर्व समुद्र मंथन काल से चला आ रहा है। उस काल में समुद्र मंथन से अमृत निकला था और अमृत की बूंदे जिन स्थान पर पड़ीं वहां-वहां कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि कुंभ पर्व पृथ्वी लोक में चार स्थानों पर और अंतरिक्ष में आठ स्थानों पर आयोजित होते हैं। प्रतिवर्ष एक कुंभ मेले का आयोजन होता है। उन्होंने कहा कि कुंभ विचारों का मंथन है। इस पर्व पर देश-दुनिया के साधु संत इकट्ठा होकर अपने विचारों के मंथन से देश और समाज हित में निर्णय लेते हैं, जो समाज, देश व पूरी दुनिया के लिए कल्याणकारी होता है। उन्होंने बताया कि आज अखाड़े की जमात प्रयागराज कुंभ के लिए हुई है। 2 जनवरी को अखाड़े की पेशवाई के साथ संत छावनी में प्रवेश करेंगे। इस दौरान संत समाज अपने ज्ञान, तप के द्वारा समाज में सार्थक संदेश देने का प्रयास करेंगे। उन्होंने सभी सनातन धर्माम्वलिम्बयों को प्रयागराज कुंभ मेला 2025 में आकर गंगा स्नान करने, संतों के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करने की सभी से अपील की। इस अवसर पर श्रीमहंत रविन्द्र पुरी महाराज, श्रीमहंत कृष्णा गिरि महाराज, श्रीमहंत देवगिरि महाराज, श्रीमहंत कमल पुरी महाराज, श्रीमहंत महेश गिरि महाराज, श्रीमहंत रामेन्द्र पुरी महाराज, श्रीमहंत विश्वनाथ पुरी महाराज, श्रीमहंत शिवनारायण पुरी महाराज, श्रीमहंत अखिलेश भारती, निर्भय गिरि, दिगम्बर भरत गिरि महाराज, दिगम्बर रवि गिरि महाराज, सूर्यमोहन गिरि महाराज, किशन पुरी महाराज आदि अनेक संत, श्रीमहंत मौजूद रहे।

अनेक भाषाएं, एक भारत : गुरुकुल कांगड़ी में भाषाई विविधता का उत्सव

- कविताओं, भाषाओं और विचारों के संग 'अनेकता में एकता' की प्रेरणा, गूंजा राष्ट्रीय एकता का संदेश
- भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं संस्कृति का वाहक भी है, प्रो. विपुल बोले- जीवन का मार्गदर्शन करती है गीता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भारतीय भाषा उत्सव के अवसर पर गुरुकुल कांगड़ी सम विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें भाषाई विविधता और राष्ट्रीय एकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय अनेकता में एकता था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डीन प्रो. विपुल शर्मा ने किया। उन्होंने भारतीय भाषाओं की विविधता पर प्रकाश डाला और इसे राष्ट्रीय एकता का आधार बताया। उन्होंने कहाकि कोस-कोस पर बदले पानी, चार कोस पर वाणी, भारत की भाषाई समृद्धि को दर्शाता है। प्रो. विपुल शर्मा ने बताया कि गीता जयंती भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए उपदेश की स्मृति में मनाई जाती है और गीता जीवन का मार्गदर्शन करती है तथा धर्म, कर्म और ज्ञान का संदेश देती है। इस अवसर पर डॉ. सुनील पंवार ने महाकवि भारती की कविताओं पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि महाकवि भारती ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में समानता और स्वतंत्रता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। प्रशांत कौशिक ने भाषाई विविधता को सांस्कृतिक धरोहर बताते हुए कहा कि क्षेत्रीय भाषाएं हमारी पहचान को सुदृढ़ करती हैं। इस अवसर पर उन्होंने तुम चाहती हो शीर्षक पर अपनी स्वरचित कविता का भी पाठ किया और कहा कि भाषा ही विचार है। हर भाषा की अपनी-अपनी सुंदरता है। गजेंद्र सिंह ने भारतीय भाषाओं को संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। ऋषि प्रजापति ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति का वाहक भी है। डॉ. सुयश भारद्वाज ने अनेकता में एकता पर अपने विचार रखे और इसे भारत की सबसे बड़ी शक्ति बताया। कार्यक्रम में छात्रों के द्वारा कविता पाठ कर भारतीय भाषाओं की विविधता और महत्व का परिचय दिया गया। शिवा कृष्णा, तृतीय वर्ष के छात्र, ने तेलुगु में राजनीतिक आंदोलन से संबंधित एक सुंदर कविता का पाठ किया। बताया कि साहित्य किस प्रकार क्षेत्रीय आंदोलनों का प्रतिबिंब होता है। कृष्णा चैतन्य, तृतीय वर्ष के छात्र ने प्रसिद्ध तेलुगु लोरी चंदा मामा रावे जबिल्ली रावे की सुंदरता को समझाया। उन्होंने आंध्र-तेलंगाना क्षेत्र की बोलियों की विविधता को भी उजागर किया।

कल्याणपुरी पुरी में बदमाशों ने युवक को मारी गोली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी थाना इलाके में एक युवक को अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी। उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। देर रात यह वारदात हुई है, जब वह युवक एक मंदिर में सर्दी से बचने के लिए हाथ सेक रहा था। उसी दौरान हथियार बंद बदमाश आए और युवक पर गोली चलाना शुरू कर दिया। छह राउंड के करीब फायरिंग हुई है। जिस युवक को गोली मारी गई है, उसकी पहचान रवि के रूप में हुई है। स्थानीय थाना पुलिस और जिला की ऑपरेशन सेल की टीम छानबीन कर रही है। सीसीटीवी फुटेज और टेक्निकल सर्विलांस की भी मदद ली जा रही है। घायल युवक के जानकारों से पता लगाया जा रहा है कि किसी से दुश्मनी या आपसी रंजिश तो नहीं थी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली में पार्कों पर चल रहे कथित भ्रष्टाचार पर स्वाति मालीवाल ने सीबीआई जांच की मांग की

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने गुरुवार को दिल्ली के सुल्तानपुर माजरा पहुंच कर वहां के पार्को का निरीक्षण किया। इस दौरान दिल्ली के पार्को में फैली गंदगी को लेकर एक बार फिर से आम आदमी पार्टी(आआपा) सरकार पर अन्य आरोप लगाये। उन्होंने एक पत्र लिख कर सीबीआई जांच की मांग की। स्वाति मालीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि जनता ने बताया कि सुल्तानपुर माजरा के विधायक (एमएलए) और सरकार में मंत्री मुकेश अहलावत के पिता की गैर- सरकारी संगठन(एनजीओ) को क्षेत्र के पार्कों की रखरखाव का ठेका दिया गया है। हर पार्क के लिए लाखों रुपये सरकार से मिलते हैं। सारे पार्क मिलाकर करोड़ों का फण्ड है। स्वाति ने सवालिया लहजे में कहा कि अगर सच में विधायक के पिता को इन पार्कों का ठेका मिला है तो ये भ्रष्टाचार नहीं तो और क्या है? उन्होंने बताया कि क्षेत्र की गरीब जनता से बरात घर के लिए पैसे वसूले जाते हैं। पूरे क्षेत्र में कूड़ा पड़ा है। उन्होंने कहा कि इस मामले की जाँच के लिए सीबीआई को पत्र लिख रही हूँ। यदि ये बात सही है तो ये बहुत बड़ा भ्रष्टाचार है।

चंडीगढ़ कान्सर्ट में बच्चों को मंच पर नहीं बुला सकेंगे दिलजीत दोसांझ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। विवादों में घिरे पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के साथ एक और नया विवाद जुड़ गया है। चंडीगढ़ में 14 दिसंबर को होने वाले कार्यक्रम से पहले बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने एडवाइजरी जारी की है। आयोग ने कॉन्सर्ट के आयोजकों व दिलजीत को पटियाला पैग, पंज तारा ठेके और केस जैसे गाने को तोड़-मरोड़ कर न गाने की हिदायत दी है। साथ ही छोटे बच्चों को स्टेज पर न बुलाने की भी हिदायत दी गई है। यह मामला चंडीगढ़ के एक्टिविस्ट एसोसिएट प्रोफ़ेसर पंडित धरेनवर ने उठाया है। आयोग द्वारा जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार वयस्कों को 140 डीबी से अधिक ध्वनि दबाव स्तर के संपर्क में नहीं आना चाहिए। बच्चों के लिए यह स्तर 120 डीबी तक कम कर दिया गया है। ऐसे में सलाह दी जाती है कि लाइव शो के दौरान बच्चों को मंच पर न बुलाएं। आयोग ने उन्हें पटियाला पैग, 5 तारा, केस आदि गाने गाने तोड़ मरोड़ कर भी गाने से बचने की हिदायत दी है। क्योंकि उनमें शराब, ड्रग्स और हिंसा को बढ़ावा देने वाले शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। ये गाने संवेदनशील उम्र के बच्चों को प्रभावित करते हैं। आयोग ने आयोजकों को निर्देश जारी किए हैं कि 25 वर्ष से कम आयु के युवाओं को शराब न दी जाए, जो जेजे अधिनियम (जुवेनाइल जस्टिस) और कानून के अन्य प्रावधानों के तहत दंडनीय है।

गांव की लक्ष्मी! लखनवाला की महिलाओं के लिए बनीं नई उम्मीद की किरण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के विकासनगर ब्लॉक की ग्राम पंचायत लखनवाला की लक्ष्मी देवी ने अपने दृढ़ संकल्प और मेहनत से खुद को आर्थिक सशक्तिकरण का प्रतीक बना लिया है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत गठित राधा स्वयं सहायता समूह की यह सदस्य आज ''गांव की लक्ष्मी'' के नाम से जानी जाती हैं। उनकी पहल ने न केवल उनकी जिंदगी बदली है, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने का रास्ता दिखाया है। लक्ष्मी की शुरुआत : जब सपनों को मिला आधारलक्ष्मी देवी का सफर आसान नहीं था। घरेलू जिम्मेदारियों और सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने परिवार और समाज के लिए कुछ बेहतर करने की ठानी। एनआरएलएम के तहत बीसी (बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट) सखी का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्होंने बैंक से क्रेडिट कार्ड लिमिट (सीसीएल) के तहत धनराशि ली और अपने गांव में एक कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) की स्थापना की। लक्ष्मी कहती हैं कि गांव में रहते हुए मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं कुछ ऐसा कर पाऊंगी। लेकिन राधा स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद मुझे अपनी क्षमताओं पर विश्वास हुआ। सीएससी केंद्र से ग्रामीणों को राहतलक्ष्मी देवी के सीएससी केंद्र ने गांव में एक नई सुविधा प्रदान की है। अब ग्रामीण बैंकिंग सेवाओं, पेंशन योजनाओं, बिजली बिल भुगतान, पैन कार्ड आवेदन और सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए शहर जाने की परेशानी से बच गए हैं। गांव के बुजुर्ग रामप्रसाद ने बताया कि पहले हमें बैंकिंग सेवाओं के लिए 15-20 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था। लक्ष्मी देवी ने हमारे जीवन को आसान बना दिया है। अब हमें जरूरी काम के लिए अपने गांव से बाहर नहीं जाना पड़ता। महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं लक्ष्मीलक्ष्मी देवी की इस सफलता ने गांव की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित किया है। आज कई महिलाएं लक्ष्मी के साथ जुड़कर प्रशिक्षण ले रही हैं। वे भी सीएससी केंद्र के माध्यम से अपनी खुद की पहचान बनाने के सपने देख रही हैं। राधा स्वयं सहायता समूह की एक अन्य सदस्य निर्मला ने कहा कि लक्ष्मी दीदी ने हमें दिखा दिया कि अगर हम ठान लें, तो कुछ भी असंभव नहीं है। अब हम भी अपने परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रही हैं। समारोह में लक्ष्मी को सम्मानलक्ष्मी देवी की इस प्रेरणादायक पहल को विकासनगर के अधिकारियों ने भी सराहा। उनके सीएससी केंद्र के उद्घाटन के मौके पर योगेंद्र (राज्य समन्वयक, इन्टीग्रा माइक्रो सिस्टम), ब्लॉक मिशन प्रबंधक मंदीप सिंह, क्षेत्र समन्वयक रमन और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। योगेंद्र ने कहा कि लक्ष्मी देवी ने न केवल अपने परिवार को आर्थिक मजबूती दी है, बल्कि पूरे गांव के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनकी यह पहल अन्य ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणादायक है। लक्ष्मी का सपना : हर महिला बने आत्मनिर्भरलक्ष्मी देवी का सपना है कि हर महिला आत्मनिर्भर बने। उनका कहना है कि मेरे गांव की महिलाएं बहुत मेहनती हैं। मैं चाहती हूं कि वे भी अपने पैरों पर खड़ी हों और अपने परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करें। सीएससी केंद्र : एक नई शुरुआतगांव में बैंकिंग सुविधाओं की कमी और लंबी दूरी की समस्या ने लक्ष्मी देवी को इस दिशा में काम करने के लिए प्रेरित किया। उनके सीएससी केंद्र पर ग्रामीणों को कई सुविधाएं मिल रही हैं, जिनमें प्रमुख हैं- बैंकिंग सेवाएं, पेंशन योजनाओं का लाभ, बिजली बिल और अन्य भुगतान, सरकारी प्रमाणपत्र और दस्तावेज सेवाएं। गांव की लक्ष्मीः सशक्तिकरण की कहानीलक्ष्मी देवी की कहानी इस बात का प्रमाण है कि अगर इच्छाशक्ति और मेहनत हो तो बड़े बदलाव किए जा सकते हैं। आज गांव की हर महिला उन्हें ''गांव की लक्ष्मी'' कहकर संबोधित करती है। उनकी यह पहल न केवल उनके लिए आर्थिक सशक्तिकरण का साधन बनी है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। लक्ष्मी देवी ने यह साबित कर दिया कि सीमित संसाधनों में भी बड़े सपने देखे और पूरे किए जा सकते हैं। उनका यह कदम न केवल उनके परिवार के लिए बल्कि पूरे गांव के लिए आर्थिक विकास की नई राह खोल रहा है।

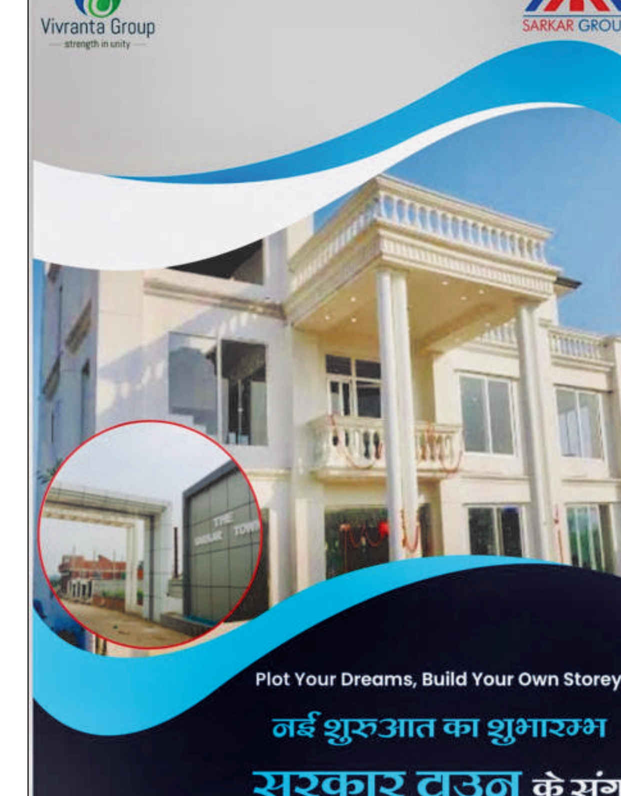

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - **राकेश कुमार पाण्डेय** कार्यकारी सम्पादक* - **अरशद सईद खान** स्टेट हेड - **संदीप मिश्रा**

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063